इंदौर, भोपाल, उज्जैन, आलीराजपुर, ठाणे, मुंबई से एक साथ प्रकाशित

मूल्य ₹ 3.00

RNI. Reg. MPHIN/2019/78560

दैनिक विनय उजाला

आलीराजपुर

सोमवार, 11 मई 2026

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-09

वर्ष : 07 | अंक : 163

कुल पृष्ठ : 12

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

कांटे के मुकाबले में चेन्नई ने लखनऊ को रौंदा ...10

फर्स्ट कॉलम

संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी पर पंजाब के कई शहरों में प्रदर्शन

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के बाद राज्य की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। रविवार को आम आदमी पार्टी ने पूरे पंजाब में भाजपा के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किए। कई जिलों में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा दफ्तरों के बाहर पहुंच गए, जहां दोनों दलों के समर्थक आमने-सामने आ गए। इस दौरान लुधियाना और बठिंडा में स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। आप कार्यकर्ता भाजपा के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे और ईडी कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बता रहे थे। इसी दौरान भाजपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों के बीच तीखी नारेबाजी शुरू हो गई।

एल्विश यादव से लॉरेंस गैंग ने मांगी 10 करोड़ रुपए की रंगदारी

गुरुग्राम, (हि.स.)। यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस बार कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर उनसे 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई है। धमकी विदेशी नंबर से व्हाट्सएप मैसेज के जरिए दी गई। मैसेज भेजने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का करीबी रणदीप मलिक बताया है। रविवार को मामले की शिकायत मिलने के बाद गुरुग्राम के सेक्टर-56 थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि कि धमकी के मैसेज कहां से भेजे गए। जानकारी के अनुसार, एल्विश यादव इन दिनों एक शो की शूटिंग के सिलसिले में गुरुग्राम से बाहर हैं।

महिला ने पति से झगड़े के बाद 8वीं मंजिल से छलांग लगाई, मौत

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में 35 साल की एक महिला ने 8वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। घटना तलेगांव एमआईडीसी इलाके की अर्बन लाइफ टावर सोसाइटी की है। मृतका की पहचान प्रतिभा शंकर के रूप में हुई है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक महिला का पति से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद वह फ्लैट की बालकनी में पहुंची और नीचे कूद गई। गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सोसाइटी के एक निवासी ने घटना का वीडियो भी रिकॉर्ड किया। वीडियो में महिला कुछ देर तक बालकनी की रेलिंग पकड़कर लटकी दिखाई दी। आसपास मौजूद लोग उसे बचाने की कोशिश करते रहे, लेकिन थोड़ी देर बाद उसका हाथ छूट गया और वह नीचे गिर गई।

भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 31 को

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत और अफ्रीकी संघ आयोग के सहयोग से 31 मई को नई दिल्ली में चौथे भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन होगा, जो दोनों क्षेत्रों के बीच पारस्परिक संबंधों को प्रगाढ़ करने और भविष्य के सहयोग की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। 'आईए स्पिरिट : नवाचार, लचीलापन और समावेशी परिवर्तन के लिए भारत-अफ्रीका रणनीतिक साझेदारी' के मुख्य विषय के साथ होने वाले इस सम्मेलन में अफ्रीकी महाद्वीप के शीर्ष नेता और क्षेत्रीय संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे, जिसका उद्देश्य भारत की विकास यात्रा को अफ्रीका के 'एजेंडा 2063' के साथ जोड़ना है।

Cartoon Corner

पीएमजीएसवाय-फोर के तहत म.प्र. को मिली 1763 करोड़ लागत वाली 2117 किमी लंबी सड़कों की सौगात

ग्राम्य भारत की तकदीर बदलने में सड़क योजना का बड़ा योगदान : डॉ. यादव

विनय उजाला

आलीराजपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विकास की प्रबल इच्छा-शक्ति हो, तो एक योजना ही पूरे देश के ग्रामीण इलाकों की तकदीर बदल सकती है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने यह संभव कर दिखाया है।

इस योजना से बनीं सड़कें गांवों की जीवन धारा बन चुकी हैं। ग्रामीण भारत की तकदीर और तस्वीर बदलने में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का योगदान अतुलनीय है। देश-प्रदेश के छोटे-बड़े कस्बों, गांव-देहात, टोले-मजरों की अंतिम सीमा तक पक्की सड़कों की पहुंच हो गई है। अब ग्रामीण क्षेत्रों तक आवागमन बेहद आसान हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम विकास कार्यक्रमों और लोक कल्याणकारी योजनाओं को धरातल में उतारकर समावेशी विकास की लक्ष्य पूर्ति में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से नई रफ्तार मिली है। ग्राम्य भारत का पूरा परिदृश्य ही बदल देने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 साल पूरे होने पर आज मध्यप्रदेश इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बन रहा है।

इस योजना का रजत जयंती समारोह वास्तव में ग्रामीण विकास के एक नए युग का उद्घोष है। पीएमजीएसवाय-फोर और पीएम जन-मन का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ देश के गांवों को मजबूत, टिकाऊ और सर्वकालिक सड़क सम्पर्क से जोड़ने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को सीहोर जिले के भैरुंदा में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज-4 एवं प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाभियान (पीएम जन-मन) के कार्यों के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया... मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ने देश के गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया है। पीएमजीएसवाय-फोर ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने में मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में ग्रामीण अधोसंरचना को लगातार मजबूत किया जा रहा है। मध्यप्रदेश हमेशा ही इस राष्ट्रीय अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

17 हजार 540 से अधिक बसाहटों को मुख्य मार्गों से जोड़ा गया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश ग्रामीण कनेक्टिविटी के मामले में देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में बीते कुछ सालों में 90 हजार 150 किमी सड़कों का निर्माण कर 17 हजार 540 से अधिक बसाहटों को मुख्य मार्गों से जोड़ा गया है। पिछले 25 सालों में सड़कों से मंडियों तक किसानों की पहुंच आसान हुई है। बच्चों की शिक्षा नियमित हुई और स्वास्थ्य सेवाओं में भी व्यापक सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समारोह के जरिए मध्यप्रदेश को 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सौगातें मिली हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास की बात पर हम सभी साथ हैं। गरीब का कल्याण हमारा लक्ष्य है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए हम केन्द्र सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर काम करेंगे।

18 हजार 907 करोड़ रुपए का सांकेतिक वित्तीय आवंटन जारी किया

केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री चौहान ने पीएमजीएसवाय-फोर एवं पीएम-जन-मन योजनाओं के स्वीकृति आदेश मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सौंपे। केन्द्रीय मंत्री ने मध्यप्रदेश को वर्तमान वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से संबंधित निधि का 830 करोड़ रुपये सांकेतिक आवंटन सौंपा। कार्यक्रम के दौरान देश के अन्य राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों को डिजिटल माध्यम से वर्ष 2026-27 के लिए 18 हजार 907 करोड़ रुपये का सांकेतिक वित्तीय आवंटन जारी किया गया। इसमें से 830 करोड़ रुपये मध्यप्रदेश में होने वाले विकास कार्यों के लिए आरक्षित हैं। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के अंतर्गत मप्र को 2 .55 करोड़ की मदर सैंक्शन जारी कर स्वीकृति पत्र मुख्यमंत्री को सौंपा। केन्द्र सरकार का यह बजट ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास और आवासीय सुविधाओं को नई गति देगा। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री चौहान ने भारत सरकार द्वारा मूंग एवं सरसों की फसल समर्थन मूल्य में खरीदे जाने का स्वीकृति पत्र भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव सौंपा।

श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया

रजत जयंती समारोह के दौरान ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। इसके लिए लम्बाई, बसाहटों को जोड़ना, तकनीक के उत्कृष्ट प्रदर्शन, रखरखाव एवं गारंटी पीरियड के बाद भी बेहतर रख-रखाव के मानक की कुल पांच श्रेणियां बनाई गई हैं। इन श्रेणियों में से सर्वाधिक लम्बाई वाली पीएमजीएसवाय सड़क निर्माण में मध्यप्रदेश को पहला स्थान मिला है। मध्यप्रदेश में कुल 90 हजार 150 किमी सड़कों का निर्माण किया गया है। मध्यप्रदेश में कुल 17 हजार 793 ग्रामीण बसाहटों को पक्की बारहमासी सड़कों से जोड़ा गया है। गारंटी पीरियड के बाद भी सड़कों को बेहतर रख-रखाव के मामले में मध्यप्रदेश को पहला स्थान मिला है।

सीएम पद की ली शपथ : पीएम ने दी बधाई तो मांगा केंद्र का साथ

जोसेफ विजय बने मुख्यमंत्री

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु की राजनीति में आज एक बहुत बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिला है। मशहूर अभिनेता से राजनेता बने जोसेफ सी विजय ने आज आधिकारिक तौर पर राज्य के नए मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है।

मुख्यमंत्री बनने के तुरंत बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें इस नई जिम्मेदारी के लिए अपनी खास शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री की इस बधाई के बाद नए मुख्यमंत्री विजय ने भी उन्हें धन्यवाद दिया और अपने राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार से पूरे सक्रिय समर्थन और सहयोग की उम्मीद जताई है।

दरअसल, अपनी नई राजनीतिक पार्टी बनाने वाले विजय अब तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उनका पूरा नाम चंद्रशेखर जोसेफ विजय है। आज चेन्नई के विशाल और मशहूर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में यह बड़ा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने विजय को उनके पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस बड़े मौके पर कई अलग-अलग राजनीतिक दलों के बड़े नेता, फिल्मी हस्तियां और भारी संख्या में उनके चाहने वाले समर्थक स्टेडियम में मौजूद रहे। नई सरकार के गठन में विजय के साथ-साथ उनकी पार्टी टीवीके के नौ अन्य बड़े नेताओं ने भी मंत्री पद की शपथ ली है।

राज्य गान से पहले वंदे मातरम् बजाने पर सीपीआई ने जताई आपत्ति : शपथ ग्रहण समारोह में गानों के बजने के क्रम को लेकर भारी राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया ने इस सरकारी कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' को 'तमिल थाई वजथु' (तमिल राज्य गीत) से पहले बजाए जाने पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। सीपीआई का साफ कहना है कि किसी भी सरकारी समारोह में सबसे पहला स्थान राज्य के गीत को ही मिलना चाहिए और यह तमिलनाडु की पुरानी परंपरा का खुला अपमान है।

सीएम बनते ही एक्शन में विजय, पहला ऑर्डर 200 यूनिट बिजली फ्री : सीएम जोसेफ विजय ने शपथ लेते ही एक्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट फ्री बिजली देने वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक विशेष बल बनाने वाली फाइल साइन की।

केंद्र राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करती रहेगी : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (एक्स) पर नए मुख्यमंत्री विजय को अपनी बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि वह जोसेफ सी विजय को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई देते हैं और उनके अच्छे कार्यकाल की कामना करते हैं। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार लोगों का जीवन सुधारने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करती रहेगी। इसके जवाब में मुख्यमंत्री विजय ने प्रधानमंत्री मोदी का दिल से आभार जताया।

शपथ लेते वक्त स्पीच देने लग गए विजय, राज्यपाल ने टोका

जब विजय शपथ लेने के लिए मंच पर पहुंचे तो उनके समर्थकों में काफी जोश देखने को मिला और वह खुद भी जोश में दिखे। इस जोश-जोश में वह प्रोटोकॉल भूल गए और शपथ लेते समय ही भाषण देने लगे। इस पर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ ने उन्हें टोका और कहा कि आप पहले अपनी शपथ प्रक्रिया को पूरी कीजिए। राज्यपाल ने टोकते हुए उनसे कहा कि आप वही पढ़ें जो लिखकर दिया गया है। ऐसे में विजय को अपनी गलती एहसास हुआ तो वह तुरंत रुक गए।

दिल्ली पुलिस का खुलासा... आईएसआई से जुड़े मप्र के तीन युवक गिरफ्तार, मंदिर, ढाबा और मिलिट्री कैंप उड़ाने वाले थे

विनय उजाला

भोपाल। दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने का दावा करते हुए एमपी के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस का कहना है कि ये लोग दिल्ली का ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत हाईवे स्थित एक ढाबा और हरियाणा का सैन्य कैंप उड़ाने वाले थे। इनकी पहचान टीकमगढ़, निवासी अनमोल राय (24), डबरा निवासी राजवीर (21) और विवेक बंजारा (19) के रूप में की गई है। तीनों को दिल्ली पुलिस ने उनके गांव से गिरफ्तार किया और अपने साथ ले गई। एसीपी स्पेशल सेल दिल्ली पीएस कुशवाहा के मुताबिक, तीनों ही आरोपी गरीब परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। तीनों के मोबाइल के ऑडियो, वीडियो कॉल से संदिग्ध नंबरों पर बात किए जाने, सोशल मीडिया से खास स्थानों के तस्वीरें पाकिस्तान भेजे जाने की पुष्टि हुई है। तीनों दिल्ली में मजदूरी कर चुके हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 'गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0' के तहत विभिन्न राज्यों से शाहजाद भट्टी मॉड्यूल से जुड़े 9 संदिग्ध ऑपरेटिव्स को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में जांच एजेंसियों को पता चला कि आरोपियों में से एक ने दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर की रेकी की थी। परिसर की तस्वीरें सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स को भेजी थीं।

ढाबे पर ग्रेनेड से हमला करने का था टास्क

आरोपियों को दिल्ली-सोनीपत हाईवे पर स्थित एक प्रसिद्ध ढाबे पर ग्रेनेड से हमला करने का भी टास्क दिया गया था। यह ढाबा प्रतिदिन हजारों लोगों की आवाजाही वाला स्थान माना जाता है। जांच एजेंसियों का मानना है कि हमले का मकसद बड़े पैमाने पर नुकसान और जनहानि करना था।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से तीन किमी दूर मिला विस्फोटक

बेंगलुरु, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बेंगलुरु दौरे के दौरान शहर में जिलेटिन की छड़ें मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। बताया गया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से डेढ़ घंटे पहले आसपास सुरक्षा चेकिंग के दौरान कग्गलीपुर के ततगुनी के पास स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर आश्रम के बाहरी हिस्से में यानी कार्यक्रम स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर एनआईसीई रोड जंक्शन से लगभग एक किलोमीटर दूर सड़क से करीब 20 से 25 फीट अंदर एक संदिग्ध पैकेट मिला। उसने इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर ली गई। जांच करने पर उसमें दो जिलेटिन की छड़ें पाई गईं। जांच पड़ताल के बाद सावधानीपूर्वक जिलेटिन कीछड़ों को वहां से हटाया गया। इस मामले की जांच बेंगलुरु सिटी पुलिस और रामनगर पुलिस संयुक्त रूप कर रही है।

गवर्नर से मिलकर पेश किया सरकार बनाने का दावा

हिमंता कल लेंगे सीएम पद की शपथ

गुवाहाटी, एजेंसी

असम में भाजपा नेता डॉ. हिमंता बिस्व सरमा को भाजपा और एनडीए विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। वह 12 मई को असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। गुवाहाटी में रविवार को हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में हिमंता बिस्व सरमा को भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने इस बड़े फैसले की जानकारी सार्वजनिक की। इस चुनाव के साथ ही अब सरमा का लगातार दूसरी बार असम का मुख्यमंत्री बनने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है।

असम भाजपा विधायक दल की बैठक सुबह आयोजित हुई थी। इसमें आठ भाजपा विधायकों ने नेता के रूप में हिमंत बिस्व सरमा के नाम का प्रस्ताव रखा। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी केंद्रीय पर्यवेक्षक और सह-पर्यवेक्षक के रूप में बैठक में मौजूद रहे।

योगी मंत्रिमंडल में एक महिला समेत छह नए मंत्री हुए शामिल

लखनऊ, एजेंसी। योगी मंत्रिमंडल का रविवार को विस्तार हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने जनभवन के गांधी सभागार में नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल के नए सदस्य के रूप में भूपेंद्र सिंह चौधरी, मनोज कुमार पांडेय ने कैबिनेट मंत्री तथा कृष्णा पासवान, सुरेंद्र दिलेर, हंसराज विश्वकर्मा, कैलाश सिंह राजपूत ने राज्यमंत्री के रूप में शपथ ली। योगी सरकार में राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल व सोमेंद्र तोमर का प्रमोशन हुआ। दोनों राज्यमंत्रियों ने अब राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली। नवनियुक्त मंत्रियों ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। शपथ ग्रहण के उपरांत जनभवन का गांधी सभागार भारत माता की जय व जयश्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। गौरतलब है कि भूपेंद्र सिंह चौधरी विधान परिषद सदस्य हैं। वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं, जबकि मनोज कुमार पांडे ऊंचाहार सीट से विधायक हैं।

जलवायु परिवर्तन : आने वाले वर्षों में मौसमी घटनाएं और गंभीर हो सकती

इतिहास का तीसरा सबसे गर्म अप्रैल, डेढ़ डिग्री सीमा के करीब पहुंची दुनिया

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया लगातार ऐसे जलवायु दौर में प्रवेश कर रही है जहां बढ़ती गर्मी, असामान्य बारिश, सूखा, समुद्री तापमान में उछाल और ध्रुवीय बर्फ का तेजी से पिघलना अब अलग-अलग घटनाएं नहीं रह गई हैं।

यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2026 इतिहास का संयुक्त रूप से तीसरा सबसे गर्म अप्रैल दर्ज किया गया।

इस दौरान वैश्विक औसत तापमान 14.89 डिग्री सेल्सियस रहा, जो औद्योगिक काल से पहले के स्तर की तुलना में 1.43 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

विशेषज्ञों का कहना है कि दुनिया अब पेरिस समझौते में तय 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के बेहद करीब पहुंच चुकी है और यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी नहीं आई तो आने वाले वर्षों में चरम मौसमी घटनाएं और गंभीर हो सकती हैं। अप्रैल 2026 का तापमान 1991 से 2020 के औसत की तुलना में 0.52 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इससे पहले सबसे गर्म अप्रैल 2024 में दर्ज किया गया था, जब तापमान औद्योगिक काल से पहले की तुलना में 1.58 डिग्री सेल्सियस अधिक पहुंच गया था। इसके बाद 2025 दूसरा सबसे गर्म अप्रैल रहा।

वैज्ञानिकों ने दी गंभीर चेतावनी

सी3एस की उप निदेशक डॉ. सामंथा बर्गेस ने रिपोर्ट में कहा है कि अप्रैल 2026 यह स्पष्ट संकेत देता है कि दुनिया लगातार गर्म होती जा रही है। उनके अनुसार समुद्र का तापमान रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच चुका है, समुद्री हीटवेव बढ़ रही हैं और आर्कटिक की बर्फ तेजी से घट रही है। उन्होंने कहा कि यूरोप समेत कई क्षेत्रों में तापमान और बारिश के पैटर्न में बड़े अंतर दिखाई दे रहे हैं, जो इस बात का संकेत हैं कि दुनिया की जलवायु लगातार अधिक चरम स्थितियों की ओर बढ़ रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक जलवायु संकट अब भविष्य की चेतावनी नहीं, बल्कि वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण दुनिया भर में खाद्य सुरक्षा, जल उपलब्धता और मानव जीवन पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

समुद्र की सतह पर अब तक का दूसरा सबसे ऊंचा तापमान

रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2026 में समुद्र की सतह का औसत वैश्विक तापमान 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो अप्रैल महीने के लिए अब तक का दूसरा सबसे ऊंचा स्तर है। वैज्ञानिकों ने इसे चिंता का विषय बताया है क्योंकि गर्म होते समुद्र वैश्विक मौसम प्रणाली को अस्थिर बना रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रशांत महासागर में अल नीनो के संकेत दिखाई देने लगे हैं। अल नीनो ऐसी जलवायु प्रक्रिया है जिसमें प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसका असर दुनिया भर के मौसम पर पड़ता है और कई क्षेत्रों में सूखा, कहीं अत्यधिक बारिश और कहीं भीषण गर्मी की स्थिति पैदा हो सकती है।

तनुजा चौबे के प्रथम कहानी संग्रह 'गुनगुनी धूप' का भव्य लोकार्पण

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। वामा साहित्य मंच के सानिध्य में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में लोकप्रिय लेखिका तनुजा चौबे के प्रथम कहानी संग्रह 'गुनगुनी धूप' का लोकार्पण संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वाणी जोशी द्वारा प्रस्तुत मधुर सरस्वती वंदना से हुआ।

मंच की अध्यक्ष ज्योति जैन ने स्वागत भाषण में लेखिका की अनवरत लेखन ऊर्जा और साहित्यिक संवेदनशीलता की सराहना की। उन्होंने कहा, 'लिखते हैं तो छपना भी चाहिए। तनुजा जी का लेखन एक शांत सरोवर जैसा है; जैसे गुनगुना पानी स्नान में सुकून देता है, वैसे ही उनकी कहानियां 'गुनगुनी धूप' की तरह मन को तृप्ति देती हैं।' इसके पश्चात मंचासीन अतिथियों एवं परिवारजनों ने कृति का विधिवत लोकार्पण किया। समारोह का विशेष आकर्षण वरिष्ठ साहित्यकार श्री सूर्यकांत नागर जी का सम्मान रहा, जिनके लिए रश्मि चौधरी ने स्नेहपूर्ण सम्मान-पत्र का वाचन किया।

संग्रह की 24 कहानियों में से उन्होंने 'अंधा कौन', 'विश्वास की जड़', 'जाम का पेड़', 'वसीयतनामा' और 'भाजा' जैसी रचनाओं का विशेष उल्लेख किया, जो महिला अधिकारों, पर्यावरण प्रेम और रिश्तों की गरिमा को बखूबी निभाती हैं।

मुख्य अतिथि डॉ. सच्चिदानंद जोशी (सदस्य सचिव, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, दिल्ली) ने अपने संबोधन में इसे मानवीय संवेदनाओं की एक

ईमानदार अभिव्यक्ति बताया। उन्होंने कहा, 'तनुजा जी ने बनावटी शिल्प के बजाय नैसर्गिक सौंदर्य के साथ साधारण जीवन से गहरे कथा-बीज चुने हैं। रचनाएँ अपनी नियति खुद तय करती हैं और लेखक को स्वयं अपनी रचना का पहला निर्णायक होना चाहिए।' उन्होंने इस प्रयास को 'सौ में सौ अंक' देते हुए लेखकों को डिजिटल तकनीक के प्रभाव से बचकर मौलिकता बचाए रखने की सलाह दी। तत्पश्चात लेखिका तनुजा चौबे ने अपनी सृजन प्रक्रिया साझा की। उन्होंने बताया कि इस संग्रह में बचपन से लेकर अब तक के अनुभवों, स्त्री-मन के अनकहे संवादों और सामाजिक यथार्थ को पिरोया गया है। उन्होंने अपनी पहली कहानी 'कच्ची धूप' का वाचन किया और इस कृति को श्री सूर्यकांत नागर जी को समर्पित करते हुए अतिथियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। परिवार की पाती' के वाचन ने वातावरण को भावुक कर दिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन संजय पटेल ने किया। समारोह में किसलय पंचोली, राजेश चौबे, शुभांगी व्यास, पद्मा राजेन्द्र, अद्विता चौबे, सपना सी.पी. साहू, अवंती श्रीवास्तव, देवम चौबे, प्रीति मकवाना, दामिनी ठाकुर और कनुप्रिया चौबे सहित कई प्रबुद्धजनों ने अतिथियों का स्वागत किया। लेखिका का स्वागत विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं और भाजपा मंडल उपाध्यक्ष द्वारा भी किया गया। अंत में, वामा साहित्य मंच की सहसचिव अंजना चक्रपाणि मिश्र ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साहित्य अनुरागी उपस्थित रहे।

काहनी ने पीड़ा को छुआ

विशिष्ट वक्ता डॉ. गरिमा संजय दुबे ने संग्रह की कहानियों पर चर्चा करते हुए उनके शिल्प और भावनात्मक गहराई को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ये कहानियां अपनी मासूमियत और सरलता में अत्यंत सम्प्रेषणीय हैं। मौलिकता पर बल देते हुए डॉ. दुबे ने कहा, 'लेखन में अपना 'डीएनए' स्वतः झलकना चाहिए। यदि सब एक ही सांचे में ढल जाएं तो समाज रोबोट बन जाएगा।' उन्होंने स्पष्ट किया कि ये कहानियां कल्पना लोक के बजाय यथार्थ भाव और समाधान प्रस्तुत करती हैं, जहां पीड़ा को बिना किसी हाहाकार के छुआ गया है।

संक्षिप्त समाचार

लोक अदालत में बिजली संबंधी 3638 प्रकरणों का निराकरण, 1.10 करोड़ रू की छूट प्रदान

इंदौर (विनय उजाला)। पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी कंपनी को वित्तीय वर्ष की पहली लोक अदालत में हजारों प्रकरणों के निराकरण में सफलता मिली है। लोक अदालत में बिजली वितरण कंपनी कार्य क्षेत्र के 3638 प्रकरण निराकृत हुए हैं, उपभोक्ताओं, बिजली उपयोगकर्ताओं को 1.10 करोड़ रू की छूट नियमानुसार , पात्रता अनुसार प्रदान की गई है ।विद्युत वितरण कंपनी को 4.16 करोड़ रू का राजस्व प्राप्त हुआ है। लोक अदालत को प्रभावी बनाने के लिए कंपनी क्षेत्र के 15 जिलों में हजारों नोटिस जारी कर समझौते के लिए उपभोक्ता, उपयोगकर्ता को तैयार कर ऊर्जा विभाग के आदेशानुसार छूट प्रदान करने की प्रभावी तैयारी की गई थी। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री एसआर बमनके ने सतर्कता और मैदानी कार्मिकों के माध्यम से लोक अदालत के लिए सघनतम प्रयास किए थे। कंपनी क्षेत्र के प्रत्येक जिले में लोक अदालत के लिए सैंकड़ों कार्मिकों ने अधिक से अधिक प्रकरण हल कराने के निमित्त सेवाएं दी। इस लोक अदालत में 10 लाख रूपए तक के सिविल दायित्व के प्रकरणों में समझौते की सीमा निर्धारित थी। विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत दर्ज बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरणों का समझौता किया गया। प्री लिटिगेशन स्तर सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट, लिटिगेशन स्तर के प्रकरणों में आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट निर्धारित थी।

परियोजना कार्य, समाधान योजना लाभ और गुणवत्ता से बिजली आपूर्ति के निर्देश

इंदौर (विनय उजाला)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने देवास का दौरा किया। वहां उन्होंने जिले के बिजली अधिकारियों की मिटिंग ली, श्री सिंह ने आरडीएसएस एवं एसएसटीडी के परियोजना संबंधी निर्माण, विद्युत विकास कार्य समय से पूर्ण करने, समाधान बिल योजना के पात्रों के हर हाल में 15 मई से पहले लाभान्वित करने, गुणवत्ता से बिजली आपूर्ति करने के निर्देश दिए। उन्होंने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत बागली, कन्नौद क्षेत्र के दूरस्थ फलिए, मजरों में विद्युतीकरण कार्य जल्दी से करने को कहा। उपभोक्ता शिकायत निवारण को भी गंभीरता से लेने एवं समय पर समाधान के लिए निर्देशित किया गया। इस दौरान मुख्य अभियंता कार्य श्री एसएल करवाड़िया, मप्रपक्षेविविकं उज्जैन के नए मुख्य अभियंता श्री एससी वर्मा, देवास के अधीक्षण अभियंता श्री केतन रायपुरिया समेत अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

सिलावट ने स्वर्णिम सांवेर को बड़ी सौगात मिलने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव और मंत्री राकेश सिंह का माना आभार

इन्दौर, नप्र। इंदौर जिले के सांवेर नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 9 में एक करोड़ पांच लाख रुपए की लागत से ट्रेंचिंग ग्राउंड से सांवेर आंतरिक मार्ग का निर्माण किया जाएगा। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के प्रयासों से राज्य शासन ने इसकी प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति के लिए मंत्री श्री सिलावट ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह का आभार व्यक्त किया है। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि सांवेर नगर परिषद के वार्ड नंबर 9 में वर्षों से ट्रेंचिंग ग्राउण्ड से सांवेर आंतरिक मार्ग निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति जारी हो गई है। ट्रेंचिंग ग्राउण्ड से सांवेर आंतरिक मार्ग निर्माण की लंबाई लगभग एक किमी होगी तथा इसकी लागत 104.98 लाख रुपए है। प्रशासकीय स्वीकृति मिलने से अब निविदा की प्रक्रिया की जाएगी। इस रोड़ के निर्माण होने से क्षेत्र के 5 हजार से ज्यादा स्थानीय रहवासियों एवं ग्रामीणों को लाभ होगा। इन क्षेत्रों में काफी समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसे मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह द्वारा वित्तीय व्यय समिति की 298वीं बैठक में अनुमोदित कर प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है। सड़क के निर्माण होने से आगामी सिंहस्थ 2028 में सभी ग्रामीणों एवं रहवासियों को इसका लाभ मिलेगा।

जिला स्तरीय युवा संगम का आयोजन 13 मई को मेघनगर में

इन्दौर, नप्र। मध्यप्रदेश शासन की रोजगारोन्मुखी नीति के अंतर्गत जिले के आकांक्षी युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने हेतु 'युवा संगम' (रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप मेला) का आयोजन 13 मई 2026, बुधवार को प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मेघनगर जिला झाबुआ में किया जाएगा। युवा संगम में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित औद्योगिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं की लगभग 09 कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा करीब एक हजार 500 से अधिक रिक्त पदों पर माध्यम से चयन कर रोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप के अवसर प्रदान किए जाएंगे। मेले में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। साथ ही केन्द्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना एवं मध्यप्रदेश शासन की मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना अंतर्गत निर्धारित पात्रता अनुसार ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग हेतु आवेदन प्रक्रिया की जानकारी भी युवाओं को उपलब्ध कराई जाएगी।

चंदन नगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध शराब तस्कर गिरफ्तार

14 पेटी बीयर एवं बिना नंबर की कार जप्त

मनोहर राजपूत

इंदौर (विनय उजाला)। चंदन नगर पुलिस द्वारा अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना चंदन नगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 14 पेटी बोल्ट बीयर केन एवं एक नई बिना नंबर की ह्यूण्डाई ओरा कार जप्त की है। जप्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत लगभग 8 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस आयुक्त इन्दौर एवं पुलिस उपायुक्त जोन-4 के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के दौरान चंदन नगर पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एच.पी. गैस गोदाम, स्कीम नंबर-71 झोपड़पट्टी क्षेत्र के पास एक सफेद रंग की बिना नंबर की ह्यूण्डाई ओरा कार संदिग्ध अवस्था में खड़ी है, जिसमें अवैध अंग्रेजी शराब रखी हुई है। सूचना मिलते ही थाना चंदन नगर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन चालक को हिरासत में लेकर वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से 14 पेटी बोल्ट बीयर केन बरामद हुईं। प्रत्येक पेटी में 24-24 बीयर केन सीलबंद अवस्था में रखी हुई थीं। इस प्रकार कुल 336 बीयर केन, जिनकी कुल मात्रा 168 बल्क लीटर है, जप्त की गई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह इन्दौर से कम कीमत पर शराब खरीदकर झाबुआ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक कीमत पर बेचता था। पुलिस द्वारा आरोपी का रिमाण्ड लेकर अवैध शराब के स्रोत एवं अन्य संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

आरोपी अर्जुन पिता मेहरसिंह मौर्य उम्र - 23 वर्ष निवासी - सेक्टर-ए, स्कीम नंबर-71, इन्दौर 14 पेटी बोल्ट बीयर केन कुल 336 बीयर केन कुल मात्रा - 168 बल्क लीटर नई बिना नंबर की ह्यूण्डाई ओरा कार थाना प्रभारी चंदन नगर निरीक्षक तिलक कारोले, उनि सौरभ कुशवाह, उनि नरेन्द्र सिंह रघुवंशी, सउनि निर्मल पाटील, प्रधान आरक्षक बलराम सिंह चौहान, आरक्षक अनिल, धीरज, हरिसिंह राजपूत एवं अरूण जाट की सराहनीय भूमिका रही।

टैंकर की टक्कर से महिला की मौत, बेटा घायल, ड्यूटी पर छोड़ने जा रहा था

इंदौर, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के तिलक नगर थाना क्षेत्र स्थित बंगाली कॉलोनी में रविवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने टैंकर जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, अर्चना (40) अपने बेटे गणेश के साथ बाइक से ड्यूटी पर जा रही थीं। इसी दौरान नगर निगम से अटैच एक तेज रफ्तार टैंकर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि अर्चना सड़क पर गिर गईं और उनके सिर में गंभीर चोट आई। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटा गणेश घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने टैंकर को रोक लिया, लेकिन चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और टैंकर को जब्त कर लिया। घायल गणेश ने बताया कि सामने से आ रहा टैंकर अचानक अनियंत्रित हो गया और ब्रेक नहीं लगने के कारण बाइक को टक्कर मार दी।

अस्पताल में काम करती थीं अर्चना

जानकारी के अनुसार, अर्चना शंकुतला अस्पताल में कार्यरत थीं। उनके पति मजदूरी करते हैं। परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। अर्चना की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार टैंकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। मामले की जांच जारी है।

मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन कल होगा

इंदौर, नप्र। इंदौर जिले एवं आस-पास के क्षेत्रों में निवासित सभी पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, विधवाओं एवं आश्रितों के कल्याण के लिये मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन आगामी 12 मई को प्रातः 11.30 बजे से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कालोनी के सभागार में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन को कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (से.नि.), जिला सैनिक कल्याण अधिकारी संबोधित करेंगे । इस दौरान पूर्व सैनिकों, सैनिक विधवाओं, आश्रितों एवं वीर नारियों की समस्या का निदान किया जायेगा एवं शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी । सभी पूर्व सैनिकों एवं परिवारों से आग्रह किया गया है कि सम्मेलन में उपस्थित होकर अवसर का लाभ लें।

इंदौर में नाश्ता कॉर्नर दुकान पर गैस टंकी में लगी आग, एसीपी और एफआरवी टीम ने संभाला मोर्चा

इंदौर, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के लसूड़िया थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक नाश्ता दुकान पर गैस सिलेंडर में लीकेज के कारण आग लग गई। घटना एमआर- 3 रोड स्थित सनसिटी के पास श्याम नाश्ता कॉर्नर पर हुई। सूचना मिलते ही पुलिस की एफआरवी टीम मौके पर पहुंची। इसी दौरान क्षेत्र में गश्त कर रहीं एसीपी रुबीना मिजवानी भी घटनास्थल पर पहुंच गईं और स्थिति को संभाला। पुलिस जवानों और एसीपी ने मिलकर गैस टंकी में लगी आग पर काबू पाया। आग लगने से सरस्वती नगर निवासी भगवान सिंह (50) मामूली रूप से झुलस गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल भेजा गया। बताया जा रहा है कि दुकान एक खाली प्लॉट में संचालित हो रही थी, जिसके आसपास रिहायशी मकान बने हुए हैं। ऐसे में आग से बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई थी।

गैस रिसाव जारी रहने पर सतर्कता

आग बुझाने के बाद भी गैस टंकी से रिसाव जारी था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एसीपी रुबीना मिजवानी ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और लोगों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए। गैस पूरी तरह खत्म होने के बाद ही पुलिस टीम वहां से रवाना हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक गैस टंकी में काफी देर से आग लगी हुई थी। समय रहते पुलिस टीम के पहुंचने से बड़ा हादसा टल गया। रहवासियों ने पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। वहीं, लोगों ने यह भी बताया कि दमकल विभाग की टीम समय पर मौके पर नहीं पहुंच सकी।

इंदौर में महिला सफाईकर्मी के ऊपर बस से गिरा एक क्विंटल का पार्सल, कंधे और पसली में फ्रैक्चर

प्रशासन ने ट्रांसपोर्ट के गोदाम को किया सील

इंदौर, (हि.स.)। मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के राजमोहल्ला इलाके में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जिसमें एक महिला सफाईकर्मी सफाई करते हुए गंभीर रूप से घायल हो गई। दरअसल, बस के ऊपर सामान चढ़ाते समय करीब 1 क्विंटल वजन का पार्सल सीधे महिला के ऊपर जा गिरा। इस घटना के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए संबंधित ट्रांसपोर्ट के गोदाम को सील कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, घायल महिला की पहचान सुनीता बाली के रूप में हुई है, जो नगर निगम के जोन-2 के तहत वार्ड क्रमांक 69 में कार्यरत हैं। रविवार सुबह जब वह सड़क की सफाई कर रही थीं, उसी दौरान पास ही खड़ी 'हंसचाल ट्रेवल्स' की बस पर लगेज चढ़ाया जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सामान चढ़ा रहे व्यक्ति के हाथ से अचानक पार्सल छूट गया और नीचे काम कर रही सुनीता उसकी चपेट में आ गईं। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को पास के वर्मा यूनियन अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि भारी वजन गिरने के कारण महिला के कंधे और पसली में फ्रैक्चर हुआ है। अस्पताल में उनका उपचार जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि प्रात:कालीन सफाई के दौरान हुई इस लापरवाही को गंभीरता से लिया गया है।

कार्रवाई के तौर पर प्रशासन ने 'इंडियन ट्रांसपोर्ट' के गोदाम को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया है। वहीं, नगर निगम के एआरओ और अन्य अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया है। अधिकारियों का कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आयुक्त ने किया प्रमुख चौराहों एवं लेफ्ट टर्न का निरीक्षण

प्रमुख चौराहों पर जाम की स्थिति के निराकरण एवं सुचारु यातायात व्यवस्था के संबंध में दिए निर्देश

विनय उजाला

इंदौर, नप्र। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल द्वारा शहर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव, विभिन्न प्रमुख चौराहों पर जाम की स्थिति के निराकरण एवं सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों एवं लेफ्ट टर्न का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, कार्यपालन यंत्री श्री पी.एस. कुशवाह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

आयुक्त श्री सिंघल द्वारा रसोमा चौराहा, चंद्रगुप्त चौराहा, हाई कोर्ट चौराहा, लैंटर्न चौराहा, मृगनयनी चौराहा, कृषि कॉलेज चौराहा, महिंद्रा शोरूम चौराहा सहित शहर के अन्य प्रमुख चौराहों का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यातायात की वर्तमान स्थिति, आवागमन दबाव, लेफ्ट टर्न की उपयोगिता, लेफ्ट टर्न में बाधाए एवं यातायात संचालन में आ रही बाधाओं के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। आयुक्त श्री सिंघल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन स्थानों पर लेफ्ट टर्न बाधित हो रहे हैं अथवा बाधक या अवैध निर्माण, अतिक्रमण, अस्थायी अवरोध, विद्युत पोल अथवा अन्य कारणों से यातायात प्रभावित हो रहा है, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए बाधाओं को हटाया जाए। उन्होंने कहा कि शहर के प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न सुचारु रूप से संचालित होने से यातायात का दबाव कम होगा तथा नागरिकों को जाम की समस्या से राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री सिंघल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यातायात प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु चौराहों के संबंध जो योजना बनाई है उस पर शीघ्र कार्रवाई करे, चौराहों पर रोड मार्किंग, संकेतक बोर्ड, डिवाइडर व्यवस्था एवं ट्रैफिक मूवमेंट के अनुसार आवश्यक सुधार कार्य प्राथमिकता से किए जाएं।

इंदौर, भोपाल, उज्जैन, आलीराजपुर, ठाणे, मुंबई से एक साथ प्रकाशित

दैनिक विनय उजाला

सोमवार, 11 मई 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-09

अब ये मत कहना पैसे नहीं हैं : स्टालिन ...05

न डरते हैं, न डराते हैं, सच सामने लाते हैं..!

फर्स्ट कॉलम

सड़क हादसे में बाल-बाल बचीं सांसद सुप्रिया सुले

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले की कार का ऐक्सिडेंट हो गया। शनिवार को मुंबई-पुणे

एक्सप्रेसवे पर उनकी कार को एक अन्य वाहन ने टक्कर मार दी, लेकिन वह और उनके साथ मौजूद अन्य लोग पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'आज पुणे से मुंबई आते समय मुझे राजमार्ग पर एक भयावह अनुभव हुआ जब लापरवाही से वाहन चलाते हुए गुजरात के पंजीकरण नंबर वाले एक वाहन के चालक ने मेरी कार को बगल से टक्कर मार दी।' बारामती से सांसद ने कहा, 'शुक्र है, सभी सुरक्षित हैं।' सुले ने कहा कि यह घटना सभी के लिए एक गंभीर चेतावनी है कि तेज गति से और लापरवाही से गाड़ी चलाना जानलेवा हो सकता है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे सीट बेल्ट पहनें, सतर्क रहें और जिम्मेदारी से वाहन चलाएं ताकि राजमार्ग सभी के लिए सुरक्षित रहें।

एक वोट से हार के बाद डीएमके पहुंची हाईकोर्ट

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद अब कानूनी लड़ाई तेज हो गई है। मद्रास उच्च न्यायालय रविवार को एक बेहद अहम याचिका पर सुनवाई करने जा रहा है। यह याचिका पूर्व मंत्री और डीएमके के वरिष्ठ नेता केआर पेरियाकरुप्पन ने दायर की है। उन्होंने तिरुपत्तूर सीट से टीवीके उम्मीदवार श्रीनिवास सेतुपति की जीत को चुनौती दी है। पेरियाकरुप्पन ने मांग की है कि सेतुपति को विधायक के रूप में शपथ लेने से रोका जाए। शिवगंगा जिले की तिरुपत्तूर विधानसभा सीट पर इस बार कांटे की टक्कर देखी गई। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, टीवीके के श्रीनिवास सेतुपति को 83,365 वोट मिले। वहीं, डीएमके के पेरियाकरुप्पन को 83,364 वोट प्राप्त हुए। जीत का अंतर मात्र एक वोट रहा।

जल संरक्षण जनआंदोलन बने, तभी आत्मनिर्भर होगा विदर्भ : नितिन गडकरी

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि विदर्भ को किसान आत्महत्या क्षेत्र की पहचान से बाहर निकालने और गांवों में जल समृद्धि लाने के लिए जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश में पानी की कमी नहीं है, बल्कि जल संसाधनों की उचित योजना और प्रबंधन का अभाव है। गडकरी रविवार को नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 17 और 18 मई को नागपुर में 'जलसंवाद' और 'जलक्रांति' सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। गडकरी ने कहा कि जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई और कृषि क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से जल प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सकता है।

कश्मीर में गोल्फ पर्यटन को दिया जाएगा बढ़ावा : मुख्यमंत्री

श्रीनगर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि सरकार कश्मीर को एक प्रमुख गोल्फिंग डेस्टिनेशन के रूप में बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर के आयोजन करेगी। घाटी के गोल्फ कोर्स देश के सर्वश्रेष्ठ गोल्फ कोर्सों में शुमार हैं। मुख्यमंत्री ने रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में इंडिया गोल्फ कार्निवल 2026 का उद्घाटन करने के बाद मीडिया से चर्चा में यह बात कही। मुख्यमंत्री उमर ने कहा कि कश्मीर का गोल्फ से एक लंबा और ऐतिहासिक संबंध है और यहां विश्व स्तरीय गोल्फिंग बुनियादी ढांचा मौजूद है। उन्होंने कहा, 'गोल्फ के साथ कश्मीर का बहुत पुराना रिश्ता है। अगर आप देश के सबसे खूबसूरत गोल्फ कोर्सों को देखें तो श्रीनगर, गुलमर्ग और पहलगाम के कश्मीरी कोर्स आसानी से उनमें गिने जा सकते हैं।

विदेशी मुद्रा की बचत होगी और युद्ध जैसे हालात का असर भी कम पड़ेगा

पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करें, भारत में तेल के बड़े-बड़े कुएं नहीं : मोदी

बेंगलुरु, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया में गहराते ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस जैसी चीजों का जरूरत के हिसाब से उपयोग करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि इससे देश की विदेशी मुद्रा की बचत होगी और युद्ध जैसे हालात का असर भी कम पड़ेगा। हैदराबाद में 9,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अगर लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और गैस का इस्तेमाल करेंगे तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बड़े ऊर्जा संकट से गुजर रही है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने चिंता और बढ़ा दी है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग बहुत सोच-समझकर करें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी बल्कि युद्ध और वैश्विक संकट का असर भी कम होगा।

पेट्रोल-डीजल बचाने के लिए मेट्रो और कार पूलिंग अपनाएं

नरेंद्र मोदी ने कहा कि देशहित में जरूरत पड़ने पर फिर से वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट में विदेशी मुद्रा बचाने पर विशेष जोर देना होगा। पीएम मोदी ने कहा, दुनिया में पेट्रोल-डीजल और फर्टिलाइजर की कीमतें बहुत बढ़ चुकी हैं, लेकिन हमारी सरकार पिछले दो महीनों से इसका बोझ खुद उठा रही है।

ऊर्जा के दूसरे विकल्पों पर तेजी से काम कर रही सरकार

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के बड़े देशों में शामिल हो चुका है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण का काम तेजी से बढ़ाया गया है। सरकार पहले देश के हर घर तक एलपीजी पहुंचाने पर काम कर रही थी और अब पाइप गैस को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही सीएनजी आधारित व्यवस्था को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि इन सभी प्रयासों की वजह से भारत दुनिया के बड़े ऊर्जा संकट का मजबूती से सामना कर पा रहा है।

प्रधानमंत्री ने लोगों से पेट्रोल-डीजल का कम इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिन शहरों में मेट्रो सुविधा है, वहां लोग मेट्रो का ज्यादा इस्तेमाल करें। साथ ही कार पूलिंग अपनाकर ज्यादा लोगों के साथ यात्रा करें, ताकि ईंधन की खपत और विदेशी मुद्रा पर खर्च कम हो सके।

बंगाल में जनता ने गुलामी की राजनीति को हराया

हैदराबाद में नरेंद्र मोदी ने कहा कि बंगाल में सिर्फ राजनीतिक दलों की जीत या हार नहीं हुई, बल्कि वहां की जनता ने ऐसी राजनीति को पराजित किया, जिसने लोगों को गुलामी की जंजीरों में जकड़ रखा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की राजनीति की। जब टीएमसी बनी तो उसने कांग्रेस की ये बुराइयां सीखीं और वामपंथियों की खराब आदतें भी अपना लीं। इसके बाद टीएमसी ने भारतीय राजनीति में सबसे घृणित और खतरनाक मॉडल विकसित किया।

तेलंगाना के लोग चाहते है कि यहां भी भाजपा सरकार बने

आजादी के 75 साल बाद असम में भाजपा सरकार ने हैट्रिक हासिल कर ली है। पुडुचेरी में भी भाजपा-एनडीए सरकार फिर से सत्ता में लौट आई है। भाजपा की इस जीत के बाद मैं तेलंगाना के लोगों की भावनाओं को भी देख रहा हूं। तेलंगाना में हर कोई एक ही बात कह रहा है कि इस बार तेलंगाना में भी भाजपा सरकार बने, मोदी सरकार बने। कल मैं बंगाल में था। वहां पहली बार भाजपा के मुख्यमंत्री ने शपथ ली। बंगाल में पहली बार भाजपा की सरकार भारी बहुमत से बनी है। मैं देख रहा हूं कि इस ऐतिहासिक जीत का उत्साह तेलंगाना में भी साफ दिखाई दे रहा है।

रेड्डी को केंद्र के साथ मिलकर काम करने की सलाह दी

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को केंद्र के साथ मिलकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अलग-अलग दलों की सरकार होना गलत नहीं है, लेकिन राज्य और देश के विकास के लिए साथ मिलकर काम करना जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा कि अगर राज्य आगे बढ़ेगा तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना के लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए और तेज गति से काम करती रहेगी।

11 वर्षों में तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क दोगुना हो गया

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में तेलंगाना में राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क दोगुना हो गया है। उन्होंने पूर्ववर्ती यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से पहले संयुक्त आंध्र प्रदेश के लिए रेलवे बजट 1,000 करोड़ रुपये से भी कम हुआ करता था, जबकि आज अकेले तेलंगाना के लिए रेलवे बजट 5,500 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि राज्य में करीब 50 हजार करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं पर काम चल रहा है। पीएम मोदी ने कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया, जिनमें राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे मल्टी ट्रैकिंग, ग्रीनफील्ड पेट्रोलियम टर्मिनल और पीएम मित्रा पार्क शामिल हैं।

होर्मुज संकट और अमेरिका प्रतिबंधों का साइड इफेक्ट

स्टोर की जगह कम पड़ी तो ईरान ने समुद्र में 3,000 बैरल तेल बहाया

तेहरान, एजेंसी

फारस की खाड़ी में ईरान के खार्ग आईलैंड के पास बड़ा तेल रिसाव देखा गया है। सैटेलाइट तस्वीरों में समुद्र में फैला तेल साफ नजर आया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रिसाव अमेरिकी प्रतिबंधों और होर्मुज में बढ़े तनाव के कारण हो सकता है। ऑर्बिटल ईओएस नाम की संस्था के अनुसार, समुद्र में तेल करीब 51 वर्ग मील से ज्यादा इलाके में फैल

चुका है। अनुमान है कि 3,000 बैरल से ज्यादा तेल पानी में बह गया है।

रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अमेरिकी प्रतिबंधों और नौसैनिक दबाव की वजह से ईरान के तेल निर्यात पर असर पड़ा है। कई तेल टैंकर फंसे हुए हैं और देश के पास तेल स्टोर करने की जगह कम पड़ रही है। इसी कारण यह आशंका जताई जा रही है कि एक्स्ट्रा ऑयल समुद्र में छोड़ा जा रहा है। हैम्बर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर नीमा शोकरी ने कहा कि तेल कुओं को अचानक बंद करना आसान नहीं होता, क्योंकि इससे पाइपलाइन जाम हो सकती हैं या तेल भंडार को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा, 'तेल के कुएं ऐसी मशीनें नहीं हैं जिन्हें जब चाहें बंद और चालू किया जा सके।'

कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि खार्ग आइलैंड के पास पुरानी पाइपलाइन में लीकेज भी इसकी वजह हो सकती है। यह तेल धीरे-धीरे सऊदी अरब के समुद्री क्षेत्र की तरफ बढ़ रहा है, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचने का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं ईरान ने तेल रिसाव की खबरों को खारिज कर दिया है।

संविधान में नया प्रावधान जोड़ा

किम जोंग की हत्या हुई तो नॉर्थ-कोरिया न्यूक्लियर अटैक करेगा

प्योंगयांग, एजेंसी

उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालात में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों

के बाद किया गया। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और कई सीनियर ईरानी अधिकारियों की मौत हो गई थी। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य में ऐसा 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है।

यह नया प्रावधान 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुए 15वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के पहले सत्र के दौरान अपनाया गया। बाद में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सीनियर सरकारी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी दी।

एक्शन में शुभेंदु अधिकारी

बंगाल में बड़ा प्रशासनिक बदलाव, ममता के करीबी अधिकारियों का किया तबादला

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में नवगठित शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में आने वाले महीनों में पुलिस और प्रशासनिक ढांचे में बड़े स्तर पर फेरबदल होने के संकेत मिल रहे हैं। इसकी झलक सरकार के पहले ही दिन देखने को मिल गई। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शपथ ग्रहण के 24 घंटे के अंदर राज्य सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय की नौकरशाही संरचना में व्यापक बदलाव किए हैं। पूर्व सीएम ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले पूर्व केंद्रीय कार्यालय से जुड़े 16 नौकरशाहों को बदल दिया गया है। स्थानांतरित किए गए पूर्व अधिकारियों में सबसे प्रमुख नाम 2014 बैच के आईएएस शांतनु मुखोपाध्याय का है, जो ममता बनर्जी के बेहद करीबी माने जाते हैं।

तृणमूल कांग्रेस से संबद्ध पश्चिम बंगाल सरकारी कर्मचारी संघ के शीर्ष नेता व केंद्रीय कार्यालय में तैनात प्रताप नायक का तबादला दार्जिलिंग जिले के बिजनबारी स्थित पालबाजार ब्लॉक विकास कार्यालय में कर दिया गया है। ममता बनर्जी के कार्यकाल में प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत 46 अधिकारियों को अस्थायी रूप से राज्य कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग में तैनात किया गया है। इन अधिकारियों की अगली तैनाती का निर्णय बाद में लिया जाएगा।

उच्च स्तरीय बैठक में किया मंथन

गृहमंत्री शाह ने लू से निपटने के लिए तैयारियों की व्यापक समीक्षा की

नई दिल्ली,(हि.स.)

केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को नई दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय बैठक के दौरान संभावित बाढ़ और लू से निपटने के लिए देश की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की।

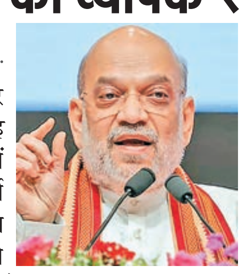

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में स्थित 30 उच्च जोखिम वाली झीलों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया जाना चाहिए। यह प्रणाली राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से विकसित की जानी चाहिए। श्री शाह ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर बाढ़ पूर्वानुमान के लिए एक एकीकृत प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन दल (एफसीएमटी) गठित और सक्रिय किए जाने चाहिए। आपदाओं के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा जारी दिशानिर्देशों से जागरूकता बढ़ी है और 'समग्र सरकारी' दृष्टिकोण विकसित हुआ है लेकिन राज्य, जिला और नगरपालिका स्तर पर इन दिशानिर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करने से इनके कार्यान्वयन को और मजबूत किया जा सकता है।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज में भावुक पल

छात्रा ने गीत गाकर विधायक बनी मां का किया स्वागत

कोलकाता, (हि.स.)

आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में रविवार को भावनात्मक माहौल देखने को मिला, जब एक छात्रा ने गीत के माध्यम से उस मां का स्वागत किया, जिसकी बेटी की दर्दनाक मौत ने कभी पूरे राज्य को झकझोर दिया था। हाल ही में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से विधायक निर्वाचित हुईं इस मां के कॉलेज पहुंचते ही छात्र-छात्राओं और उपस्थित लोगों के बीच गहरी संवेदना का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद पार्टी सहयोगी सोनिया जोसफ ने बताया कि कॉलेज परिसर में एक छात्रा ने गीत प्रस्तुत कर उनका स्वागत किया। गीत की पंक्तियों में संघर्ष, साहस और न्याय की मांग को प्रमुखता से उभारा गया। छात्रा ने गाया- 'तुम सच हो, तुम आग हो, तुम लड़ाई का चेहरा हो, बंगाल तुम्हारे साथ है, बुराई के काले चेहरे को तोड़ दो। मैदान में

उतर कर लड़ाई करो... तुम मां हो, झूठ को मिटा दोगी और बेसहारों को न्याय मिलेगा।'

इन मार्मिक पंक्तियों को सुनते ही कॉलेज परिसर का माहौल भावुक हो उठा। बेटी की यादों से जुड़े उसी परिसर में मौजूद मां की आंखें नम हो गईं। वहां उपस्थित कई छात्र-छात्राएं और अन्य लोग भी इस दृश्य को देखकर भावुक हो गए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्री को लिखा पत्र

'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट' में पर्यावरण मंजूरी की प्रक्रिया पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, (हि.स.)

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना को लेकर केंद्र सरकार पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि परियोजना को दी गई पर्यावरणीय मंजूरी अधूरी और अपर्याप्त पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) रिपोर्टों के आधार पर प्रदान की गई है। जयराम रमेश का कहना है कि सरकार द्वारा जारी 'ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एफएक्यू' में किए गए कई दावे मंत्रालय के

आधिकारिक दस्तावेजों और उपलब्ध अध्ययनों से मेल नहीं खाते।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना पत्र साझा करते हुए कहा कि सरकार ने 01 मई को जारी एफएक्यू में दावा किया था कि परियोजना के संभावित पर्यावरणीय प्रभावों की व्यापक पहचान, मूल्यांकन और प्रबंधन मजबूत पर्यावरण प्रभाव आकलन प्रक्रिया तथा विस्तृत पर्यावरण प्रबंधन योजना के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह इस विषय पर पहले भी 03 मई को विस्तृत प्रतिक्रिया दे चुके हैं, लेकिन अब कुछ अतिरिक्त तथ्यों और तकनीकी बिंदुओं की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं।

रमेश ने कहा कि कानून के अनुसार द्वीप समूह में बंदरगाह परियोजनाओं के लिए व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन अध्ययन अनिवार्य है। उन्होंने तर्क दिया कि ग्रेट निकोबार की जैव विविधता और पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील तथा विशिष्ट है, इसलिए यहां कम से कम तीन मौसमों पर आधारित आधारभूत अध्ययन आवश्यक था, ताकि मौसमी बदलावों और पर्यावरणीय प्रभावों का सही तरीके से मूल्यांकन किया जा सके। जयराम रमेश ने पर्यावरण मंत्रालय के 03 नवंबर 2009 के कार्यालय ज्ञापन का उल्लेख करते हुए कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 50 लाख टन प्रतिवर्ष से अधिक क्षमता वाली बंदरगाह परियोजनाओं के लिए व्यापक ईआईए, भौतिक एवं गणितीय मॉडलिंग तथा जमीनी सत्यापन अनिवार्य है।

मंजूरी देना पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी है

रमेश के अनुसार इतनी बड़ी परियोजना के लिए केवल सीमित अवधि के अध्ययन के आधार पर मंजूरी देना पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की 2021 की मैपिंग में गैलाथिया खाड़ी के बड़े हिस्से को कटावग्रस्त तटीय क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया था। ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में विस्तृत और दीर्घकालिक पर्यावरणीय अध्ययन की आवश्यकता होती है। त्वरित ईआईए पर्यावरणीय चिंताओं का पर्याप्त समाधान नहीं कर सकता।

जैव विविधता का सही आकलन नहीं किया

रमेश ने आरोप लगाया कि परियोजना के लिए तैयार अंतिम ईआईए रिपोर्ट मार्च 2022 में प्रस्तुत की गई थी, लेकिन उसमें स्वयं स्वीकार किया गया है कि पर्यावरणीय आधारभूत अध्ययन केवल दिसंबर 2020 से फरवरी 2021 के बीच एक ही मौसम में किया गया। उनके अनुसार यह अध्ययन वैज्ञानिक मानकों और दीर्घकालिक पर्यावरणीय मूल्यांकन की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता।

सम्पादकीय

क्या बुद्धिजीवी आएंगे चुनाव में

नगर निगम चुनावों में सत्ता के पक्ष और विपक्ष के कद का मुकाबला आहूत है। प्रथम कदम उठाती भाजपा ने परिदृश्य को विस्तार देते हुए चुनाव को इतना महत्त्वपूर्ण बना दिया कि अब कांग्रेस ने नगरों के चूल्हे चौंके पर तमाम हमाम चढ़ा दिए हैं। ऐसे में छावनी बन गए नगर निगम हिमाचल की सियासत को नए प्रयोगों की जमीन बना कर ही छोड़ेंगे। यह इसलिए भी कि कुछ निर्दलीय वोटों को बटोरने की क्षमता में, दोनों प्रमुख दलों की कोशिशों को बट्टा लगा सकते हैं या अंतर्विरोध की तालिका में सपने बिगाड़ सकते हैं। सियासत सुर पकडने् की कोशिश में आमने सामने है, तो चुनाव के कोरिडोर में सिर धड़ की बाजी सामने आ रही है। जाहिर है चुनाव पूरी तरह राजनीति में रंगे हैं, तो प्रचार की सामग्री में धब्बे और कीचड़ ही उछलेगा। खैर पालमपुर, मंडी, धर्मशाला व सोलन की जनता के सामने अपनी राजनीतिक-सामाजिक जागरूकता दर्ज कराने का अवसर भी तो है। राज्य की चिंताएं शहरों के वजूद से निकलेंगी तो राज्यस्तरीय खाकों में योजनाओं की जरूरत बढ़ेगी। शहर वे भी हैं जहां नगरपरिषदें या पंचायतें हैं, लेकिन निगमों के प्रारूप में हिमाचल क्या सोचता, यह इम्तिहान जरूरी है। सामाजिक तौर पर बुद्धिजीवी वर्ग की राजनीतिक या लोकतांत्रिक उदासीनता अगर यूं ही जारी रही, तो पार्षदों के रूप में हमें केवल कुछ सियासी खंभे ही मिलेंगे। देखना यह भी होगा कि चुनावी वादों का मानचित्र क्या बनता है और कितनी इच्छाशक्ति से पार्टियां अपने संकल्प पत्र तैयार करती हैं। विडंबना यह है कि शहरी सोच ने आर्थिक घरौंदे बना कर सारी व्यवस्था को उलट पलट दिया है। सोलन की अपनी शहरी दृष्टि पर चढ़ा नकाब यह देख ही नहीं पाता कि कल की हरी भरी पहाडि़यां आज सीमेंट के बुर्ज बन गई हैं। पालमपुर ने छीन लिए चाय के बागीचे और अब साथ लगती पहाडि़यों पर पर्यटन के नाम पर इन्हें छीलने का काम जारी है। धर्मशाला अपने अस्तित्व की बुलंद तस्वीर बनाते मकलोडगंज को 'मैलागंज' बना चुका है तो आर्थिक तरक्की का सूरमा बन कर लैंड माफिया राज कर रहा है। मंडी का संघर्ष अपनी ही सांस्कृतिक विरासत है, लेकिन जिक्र यह कि भाजपा इसे अपनी सियासत का चश्मदीद गवाह बनाना चाहती है। क्या हम मंडी को सांस्कृतिक राजधानी का दर्जा देने के लिए ये चुनाव लड़ेंगे। क्या सोलन को सुरक्षित अपार्टमेंट सिटी का खिताब हासिल करने का शोर ये चुनाव उठाएंगे। क्या पालमपुर अपने भीतर के 'पलम' को जिंदा रखते हुए चाय और कूहलों में बहते पानी को जिंदा रखने का चुनावी एहसास कराएगा या भीड़ के आलम में हम एक गिनती का बड़ा शहर बन जाएंगे।

दैनिक विनय उजाला सुविचार

कोशिश कितनी भी कर लें, एक काश कभी पीछा नहीं छोड़ता।
- डॉ. विनय दीवान, भोपाल

अपनापन एक मौन अभिव्यक्ती है,
यह ना जतायी जाती है, और ना बतायी जाती है।
- अरुण मित्तल, इंदौर

जो बुराई करते हैं उन्हें करने देना चाहिए क्योंकि
बुराई वही करते हैं जो बराबरी नहीं कर सकते।
- के.पी. जाट, भोपाल

दो तरह की घड़ी होती है, एक टाइम बताती है, दूसरी औकात...।
- पुष्पेन्द्र कानूनगो

अगर आप सच्चे हो तो आपको अपनी सच्चाई का सर्टिफिकेट
किसी को भी देने की जरूरत नहीं है क्योंकि सच्चाई
किसी भी सर्टिफिकेट की मोहताज नहीं होता।
- अब्दुल सलाम कुरैशी गुना

'निराशावादी हर अवसर में कठिनाई देखता है।
आशावादी हर कठिनाई में अवसर देखता है।'
- नरेश वर्मा, महू

भोले में मिल जाना

कोई नहीं है सुखी जहां में,
क्यूं रोता है अकेले में,
कर ले भक्ति तू भोले की,
भोले मिल जाएं मेले में।
कोई नहीं है ....
अपनी-अपनी जो सोची तो,
फल भी तुझको पाना है,
जो जग की थोड़ी सोची तो,
भोले से मिल जाना है।
कोई नहीं है ...
अच्छा-अच्छा होता है तो
सब कुछ अच्छा लगता है,
और नहीं जो हो पाता है,
दिल तेरा क्यूं रोता है।
कोई नहीं है ....
हंसना और हंसाना ही तो,
जीवन का नया तराना है,
भोले की मुस्कानों के संग,
जीवन को बहलाना है।
कोई नहीं है ....
समय की धूरी घूम रही है,
लगता एक फ़साना है,
भोले-भोले में रम जाना,
भोले में मिल जाना है।
कोई नहीं है ...

(265/323 वां मनका)
कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी 'राम'
गांधीनगर इन्दौर(म.प्र.)

कवर स्टोरी

कहने का मतलब यह कि छोटे शहरों में कम वेतन पाकर भी युवा इसलिए खुश हैं, क्योंकि एक तो वह अपने घर में हैं और दूसरी बात छोटे शहरों का 50 हजार बड़े शहरों के 1 लाख के बराबर है। क्योंकि बड़े शहरों में रहने की लागत बहुत है, व्यक्तिगत मेंटेनेस छोटे शहरों के मुकाबले दो से तीन गुना ज्यादा है। इसलिए जहां स्टार्टअप को छोटे शहरों में खोले जाने का फायदा लागत में कमी आ जाना है...

छोटे शहरों का स्टार्टअप बूम

नये भारत की उभरती, नई तस्वीर

दैनिक विनय उजाला

लोकमित्र गौतम
-इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

दिल्ली, मुंबई, बंग्लुरु, हैदराबाद और पुणे, लंबे समय तक भारत के स्टार्टअप मानचित्र पर इन्हीं महानगरों का नाम छाया रहा है। लेकिन 2026 में जब मैं ये पंक्तियां लिख रहा हूं, तस्वीर तेजी से बदल रही है। आज नोएडा, गुड़गांव, इंदौर, जयपुर, कोयंबटूर, भुवनेश्वर, लखनऊ, नागपुर और सूरत, यहां तक कि इससे भी छोटे शहर और दक्षिण भारत के तो कई कस्बे भी स्टार्टअप की प्रयोगशाला बनकर उभर रहे हैं। यह बदलाव सिर्फ भौगोलिक भर नहीं है, इस बदलाव में भारत के आर्थिक, सामाजिक ढांचे में गहरे परिवर्तन के संकेत छिपे हैं। वास्तव में स्टार्टअप का इकोसिस्टम तेजी से बदल रहा है। हालांकि अंतिम रूप से सटीक संख्या तो नहीं है, लेकिन अनुमान है कि अप्रैल 2026 के अंत में भारत में 1,30,000 से अधिक स्टार्टअप थे, जिनमें 45 से 50 फीसदी तक अब टीयर-2 और टीयर-3 शहरों में थे। यही नहीं एक हालिया सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक स्टार्टअप्स में छोटे शहरों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, विशेषकर महिला उद्यमियों की। ये आंकड़े बताते हैं कि स्टार्टअप अब भारत के मेट्रो सिटी की कहानी भर नहीं रह गया। दरअसल छोटे शहरों में स्टार्टअप कई तरह से बढ़ रहे हैं। कुछ स्टार्टअप अपने को रजिस्टर्ड तो महानगरों में कराते हैं, लेकिन उनका ऑपरेशन छोटे शहरों से हो रहा है और कई स्टार्टअप एक साथ मल्टी लोकेशन मॉडल पर काम कर रहे हैं। इसलिए अगर 2015 में जब भारत में स्टार्टअप्स का रुझान बढ़ना शुरु हुआ था, तब के मुकाबले देखें तो इन 11 सालों में छोटे शहरों में इस रुझान में 200 से लेकर 300 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी हुई है। साल 2015 में टीयर-2 और टीयर-3 शहरों में 15 से 18 फीसदी के आसपास स्टार्टअप थे। लेकिन आज इनकी संख्या बढ़कर 50 से 52 फीसदी तक हो गई है, जिसका साफ मतलब है कि अब स्टार्टअप की दुनिया बड़े या मेट्रो शहरों में ही कंफर्टेबल नहीं हैं बल्कि दूसरे और तीसरे दर्जे के मझोले और छोटे शहरों में भी आराम से है। जाहिर है इसका एक मतलब ये भी है कि इकोनॉमिक पावर का तेजी से डिसेंट्रलाइजेशन बढ़ा है और यह स्वाभाविक भी है। क्योंकि अगर खेती और छोटे व्यापार यानी एग्रीटेक और फिनटेक तथा क्षेत्रीय शिक्षा यानी एड्यूटेक से संबंधित स्टार्टअप्स का विस्तार होना है, तो वह छोटे और मझोले शहरों के बिना कैसे हो सकता है। क्योंकि शहरी आबादी का 65 से 70 फीसदी तक तो छोटे और मझोले शहरों में ही रहता है। आखिर इतनी बड़ी आबादी और उसकी स्थानीय समस्याओं से यह स्टार्टअप क्रांति अछूती कैसे रह सकती थी? हालांकि फंडिंग में अभी भी गैप है। आज भी छोटे शहरों के स्टार्टअप्स को बड़े शहरों यानी मेट्रोज के स्टार्टअप के मुकाबले सिर्फ 10 फीसदी ही फंडिंग होती है। यह एक बड़ा असंतुलन है, लेकिन धीरे-धीरे यह असंतुलन भी आज नहीं तो कल खत्म हो जायेगा। फिलहाल यह असंतुलन इसलिए भी है क्योंकि अभी भी लगभग सभी यूनीकॉर्न (एक अरब डॉलर से ज्यादा की वैल्यूवेशन वाली कंपनियां) महानगरों में ही हैं और छोटे तथा मझोले शहरों वाले स्टार्टअप अभी शुरुआती स्टेज पर हैं। लेकिन जल्द ही बड़े स्टार्टअप भी छोटे और मझोले शहरों में पहुंचेंगे। क्योंकि देश का स्टार्टअप इकोसिस्टम बहुत तेजी से टीयर-2 और टीयर-3 शहरों के अनुकूल हो रहा है। सवाल है आखिर छोटे और मझोले शहरों में यह स्टार्टअप क्रांति क्यों आयी? जैसा कि हम ऊपर भी कह चुके हैं, क्योंकि भारत की शहरी आबादी भी करीब 65 से 70 फीसदी तक छोटे और मझोले शहरों में ही रहती है, इसलिए पहली बात तो यह है कि इतनी बड़ी आबादी को थोड़े से महानगरों से नियंत्रित नहीं किया जा सकता था। आखिरकार क्षेत्रीय जरूरतें, रहन-सहन, संस्कृति भी मायने रखती है। दूसरी बात यह कि महानगरों में लगातार स्टार्टअप की लागत बढ़ती जा रही है जिससे कमाई के अवसर कम हो रहे हैं। जबकि छोटे और मझोले शहरों में जाने का फायदा बड़े स्टार्टअप्स को यह है वह स्थानीय स्तर पर महानगरों की अपेक्षा लगभग आधी सैलरी में कर्मचारी हासिल कर लेते हैं। कर्मचारियों को भी इसमें ज्यादा सुविधा है, क्योंकि बड़े शहरों में आकर उन्हें वेतन तो जरूर ज्यादा मिल जाता है, लेकिन उनके खुद की वहां रहने की कीमत इस ज्यादा वेतन पर भारी पड़ती है। कहने का मतलब यह कि छोटे शहरों में कम वेतन पाकर भी युवा इसलिए खुश हैं, क्योंकि एक तो वह अपने घर में हैं और दूसरी बात छोटे शहरों का 50 हजार बड़े शहरों के 1 लाख के बराबर है। क्योंकि बड़े शहरों में रहने की लागत बहुत है, व्यक्तिगत मेंटेनेस छोटे शहरों के मुकाबले दो से तीन गुना ज्यादा है। इसलिए जहां स्टार्टअप को छोटे शहरों में खोले जाने का फायदा लागत में कमी आ जाना है, वहीं स्थानीय कर्मचारियों के लिए यह बड़े शहरों में अकेले रहने और हर चीज के लिए किसी दूसरे पर निर्भर रहने से बेहतर है। विभिन्न रिपोर्टों के साझे अनुमान को मानें तो बड़े शहरों के मुकाबले छोटे शहरों में कोई स्टार्टअप शुरु करने पर लागत में 40 फीसदी तक का फर्क आ जाता है यानी छोटे शहरों में 40 फीसदी कम लागत में स्टार्टअप सेटअप हो जाते हैं, जिसका मतलब यह हुआ कि नये उद्यमियों को छोटे शहरों में बड़े शहरों के मुकाबले कम जोखिम में भी प्रयोग करने का मौका मिल जाता है।

दूसरी बड़ी बात यह है कि यह डिजिटल क्रांति का दौर है। पिछले दो दशकों में इंटरनेट दो से तीन गुना तक सस्ता हो गया है और स्मार्ट फोन पहले मध्यवर्ग के लिए भी सपने होते थे, आज वे स्मार्ट फोन आम आदमियों के हाथ में आ गये हैं। इसके अलावा यूपीआई, ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा तथा ई-कॉमर्स का बढ़ता चलन भी इस इकोसिस्टम को प्रोत्साहित कर रहा है और इसके लिए आधार बनाया है, सोशल मीडिया मार्केटिंग तथा रिमोट वर्क और क्लाउड टेक्नोलॉजी ने। इसलिए अब किसी स्टार्टअप को शुरु करने के लिए मेट्रो में रहना जरूरी नहीं रह गया। हालांकि ऐसा भी नहीं है कि कुछ समस्याएं ही न हो। जाहिर है छोटे शहरों में स्टार्टअप के इकोसिस्टम तैयार करने में अभी भी कुछ समस्याएं हैं। छोटे शहरों में अभी मिली-जुली वर्कफोर्स नहीं मिलती, आमतौर पर छोटे शहरों में स्थानीय लोगों की ही भरमार होती है, जिससे जो कामकाज की समावेशी कल्चर जो महानगरों में संभव है, वह छोटे शहरों में नहीं है। लेकिन एक बड़ा फायदा ये है कि स्थानीय कर्मचारी अपनी जमीन से जुड़े समाधान दूसरों से बेहतर दे रहे हैं।

इसलिए विशेषकर चाहे किसानों के लिए नई टेक्नोलॉजी की बात हो, चाहे लोकल लॉजिस्टिक और डिलिवरी सिस्टम की बात हो या क्षेत्रीय भाषा में एड्यूटेक प्लेटफॉर्म विकसित करने की बात हो, ये सब छोटे और मझोले शहरों में उनकी स्थानीय जरूरतों के हिसाब से ज्यादा बेहतर ढंग से ग्रो कर रहे हैं। साथ ही भारत सरकार की ऐसी नीतियां भी हैं ताकि स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और स्टैंडअप इंडिया जैसी योजनाएं छोटे और मझोले शहरों को अपने महत्वपूर्ण लक्ष्य के रूप में चिन्हित किया है। साथ ही अब ज्यादातर राज्य सजग हैं और वो खुद इस प्रतिस्पर्धा के माहौल में स्थानीय स्टार्टअप पॉलिसी लागू कर रहे हैं, जिसे दूसरों से ज्यादा लचीली रखने की कोशिश की जाती है। इससे भी भारत के छोटे और मझोले शहरों में स्टार्टअप संस्कृति में तेजी के साथ-साथ मजबूती से कदम बढ़ाया है। हालांकि जब चुनौतियों की बात आती है, तो सिर्फ समावेशी कार्यसंस्कृति का ही संकट नहीं होता। मेंटोर्शिप और नेटवर्क की कमी का भी सामना करना पड़ता है। साथ ही यहां स्किल गैप भी है। ज्यादातर छोटे और मझोले शहरों में विशेषकर टेक्निकल और मैनेजमेंट का स्तर वह नहीं है, जो बड़े शहरों में है। साथ ही ट्रेनिंग और एक्सपोजर भी अभी ऐसा नहीं है।

लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इस सबके बावजूद भारत के छोटे और मझोले शहरों में स्टार्टअप का जो नया ट्रेंड उभरा है, वो लंबे समय तक टिका रहेगा। अतीत के कई दूसरे उभारों की तरह, इस उभार का बुलबुला फूटने वाला फिलहाल तो नहीं है। इसलिए आज भारत के स्टार्टअप नक्शे में जो छोटे और मझोले शहरों की तस्वीर उभर रही है, आने वाले सालों में उसके फीके पड़ने या मुरझाने की कोई वजह नहीं है।

हर्बल जोन : मई की तपती गर्मी में अमृत जैसा है पुदीना

रेखा देशराज

मई माह में भारत के अधिकांश हिस्सों में गर्मी अपने चरम पर होती है। तेज धूप, लू के थपेड़े, बढ़ता तापमान और शरीर में पानी की कमी। ये सब ऐसी स्थितियां हैं कि इन दिनों जीवन को काफी मुश्किल बना देती हैं। लेकिन ऐसी स्थितियों के लिए प्रकृति ने हमें कई ऐसी जड़ी बूटियां दी हैं, जो ऐसी परेशानियों के लिए रामबाण सरीखी होती हैं। इन्हीं में से एक पुदीना भी है। यूं तो पुदीना कोई भी मौसम हो, यह स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है,लेकिन गर्मियों में तो मानो यह अमृत जैसा वरदान है। पुदीना केवल एक हरी पत्तीभर नहीं है बल्कि यह एक सम्पूर्ण प्राकृतिक औषधि है। इसकी तासीर ठंडी होती है, जो गर्मियों में शरीर की गर्मी को शांत करने के लिए बहुत उपयोगी है। यही कारण है कि गर्मियों में भारतीय रसोई में न केवल पुदीने का उपयोग बढ़ जाता है बल्कि एक इमरजेंसी हर्बल की तरह इसे हर समय रसोई में रखने की कोशिश की जाती है। इसका इन दिनों तरह-तरह से उपयोग होता है। कभी चटनी के रूप में, कभी शर्बत में, कभी सलाद में, तो कभी दही या रायते में। क्योंकि पुदीना हर रूप में न केवल खाने के स्वाद को बढ़ाता है बल्कि शरीर को कई तरह के औषधीय फायदे भी देता है। आइये देखते हैं यह गर्मियों में किस-किस तरह से काम में आता है।

डिहाइड्रोशन से बचाव : गर्मियों में पसीना बहुत आता है, पसीना आने से शरीर में पानी कम हो जाता है। इससे डिहाइड्रोशन की समस्या हो जाती है। ऐसी स्थिति में भी पुदीने का शर्बत, पुदीने की शिकंजी रामबाण की तरह कारगर साबित होती है। यह न केवल शरीर को डिहाइड्रेट रखता है बल्कि शरीर के इलेक्ट्रोलाइट संतुलन को बनाये रखने में भी मदद करता है।

पेट दर्द से राहत : गर्मी में अकसर भूख कम लगती है और रह-रहकर पेट दर्द होता है। वास्तव में यह कमजोर पाचनतंत्र का नतीजा होता है। ऐसे में पुदीना फिर एक बार सौ मर्जों की दवा बनकर सामने आता है और पुदीने के अर्क को बतासे के साथ या शिकंजी के साथ लेने से पेट का दर्द खत्म हो जाता है। पाचनतंत्र मजबूत हो जाता है, जिस कारण भूख लगने लगती है। पुदीना पाचन को बेहतर तो बनाता ही है, यह शरीर को गैस और एसिडिटी से भी राहत देता है। इस कारण भी गर्मियों में पुदीने का इस्तेमाल ज्यादा होता है। क्योंकि गर्मियों में गैस और एसिडिटी की समस्या बहुत होती है। चूंकि पुदीना के सेवन से पेट को ठंडक पहुंचती है और अपच जैसी स्थिति खत्म हो जाती है। यही कारण है कि गर्मियों में पारंपरिक भारतीय घरों में पुदीने की चटनी लगभग हर दिन खायी जाती है।

त्वचा का रखवाला भी है : गर्मी में जहां पुदीना पेट और पाचन संबंधी कई समस्याओं से राहत देता है, वहीं गर्मी में शरीर की सूखी, मुरझायी और झुलस गई त्वचा के लिए भी यह बहुत काम की हर्बल है। क्योंकि मई-जून के महीने में लू चलती है, जो बेहद गर्म हवा होती है, जिससे शरीर का पानी न केवल सूखता है बल्कि त्वचा भी मुरझा जाती है और धूप में रहने पर झुलस भी जाती है। पुदीना इस समस्या से भी राहत देता है। चूंकि पुदीना त्वचा को ठंडक देता है, जिस कारण त्वचा में नमी बनी रहती है। इसलिए गर्मियों में जब कोई सनबर्न का शिकार हो जाता है, तब पुदीने का लेप बहुत राहत देता है। चूंकि पुदीना में एंटीबैक्टीरियल गुण भी हैं।

गर्मियों में जब तापमान बढ़ जाए

गर्मी का मौसम आते ही सिर्फ वातावरण का तापमान नहीं बढ़ता, कई बार शरीर का भी तापमान बढ़कर बेकाबू हो जाता है। इस स्थिति को अगर काबू न किया जाए तो सिर्फ तबीयतभर नहीं खराब होती, कई बार जिंदगी से भी हाथ धोना पड़ जाता है। सामान्य शब्दों में इस स्थिति को गर्मियों में गर्मी लग जाना या गर्मी बढ़ जाना कहते हैं। जब किसी के शरीर का तापमान बढ़ जाता है यानी उसे गर्मी लग जाती है या उसके शरीर में गर्मी बढ़ जाती है, तो उसे ठंडा करने के लिए पुदीने का कई तरह से उपयोग किया जाता है। पुदीने की शिकंजी पी जाती है। पुदीने के रस से शरीर की मालिश की जाती है और इन दिनों कच्चे आम के पने में ढेर सारी पुदीने की पत्तियां पीसकर मिला ली जाती हैं, जो शरीर के गर्म तासीर को ठंडा करती हैं। इसका सबसे सरल और आम इस्तेमाल यह है कि जब गर्मियों में शरीर का तापमान बढ़ जाए, तो पुदीने को पीसकर या इसकी चटनी बनाकर शर्बत के साथ पेट भरकर पीने की जरूरत होती है। दिन में कई बार में छह-सात गिलास पुदीने की शिंकजी पी लेने से चाहे कितनी गर्मी भी लग गई हो, धीरे-धीरे शांत हो जाती है।

स्क्रीन जोन : नाग-नागिन ने दर्शकों को खूब नचाया गली-गली

मनोज प्रकाश

मायानगरी में नागिन के दीवाने, उसके डर से थर-थर कांपते भी हैं और उसके मोहपाश में फंसकर उसके पीछे दौड़ते ही रहते हैं। फिल्मों में अगर नहीं आ रही नागिन तो धारावाहिकों में उसे ट्रेंड में रखा जाएगा। नागिन को देखकर आम आदमी तो क्या सपेरों के भी होश फाख्ता हो जाते हैं, लेकिन जब वह अपने प्रेमी के साथ अपनी रंगीनियत बिखेरती है, तो डर भी बस उसे देखता रहता है, उसके नाच और मस्त रूप को देखकर दर्शक और निर्माता-निर्देशक तड़पते हैं। मौका मिलते ही दोनों गाने लगते हैं- तेरे संग प्यार में नहीं छोड़ना या फिर मिले मन से ये मन, मिले तन से तन..।

नाग-नागिन भारतीय फिल्म उद्योग की जान रहे हैं। हर दौर में यह अपनी यूएसपी कायम रखते हैं। राजेश खन्ना का रोमांटिक दौर हो या फिर अमिताभ बच्चन का एंग्री यंगमैन का और भले ही वह चार्मिंग हीरो जितेन्द्र, विनोद खन्ना, शशि कपूर तथा फिरोज खान का दौर रहा हो। शायद ही कोई हीरो हो जिसने नाग बनने के लिए प्रयास नहीं किया हो। रही हीरोइन की बात तो मीनाक्षी शेषाद्री क्या श्रीदेवी, रीना राय, रेखा, वैजयंती माला, मंदाकिनी, मनीषा कोइराला जैसी हीरोइन भी खूब नाचीं। मौका मिलते ही सपेरे को डसने का प्रयास किया या फिर भुतहा महल टाइप किसी किले में अपनी फुंफकार से सिनेमाहाल में बैठे दर्शकों की हवा निकाल दी हो। नाग पंचमी सनातन काल से भारत में एक ऐसा पर्व रहा है, जहां पर नागों की पूजा होती रही है और संभवत: वहीं से उनकी सुंदरता से मोहित होकर तथा सपेरों के करतबों के रंगीन जाल में फंसकर मायानगरी के निर्माता-निर्देशकों ने नाग-नागिन को अपनी कमाई का सबसे महत्वपूर्ण जरिया बनाया। उदाहरण के लिए नगीना, नागिन तथा शेषनाग की सफलता तथा उनकी, उनके खर्च के मुकाबले कमाई देखी जा सकती है। अगर मूवी से कमाई कम पड़ी तो इनके गाने दर्शकों ने साइकिल पर पैडल मारते हुए, मोटरसाइकिल की किक मारते हुए ही नहीं गुनगुनाए बल्कि सड़क पर जाती हुई लड़की छेड़ने के लिए भी गाया- तू नागिन मैं सपेरा...आ आ आ। नागिन टाइटल से बनी फिल्में या फिर नाग-नागिन को लेकर जो फिल्में बनीं हैं, उनमें सबसे अधिक चर्चित और सुपर-डुपर हिट रही नागिन।..और नागिन के नाम से दो फिल्में बनीं तथा दोनों ही हिट रहीं। दोनों के गीत भी सपेरों की बीन के नेशनल एंथम जैसे हो गए और ड्रेस का क्या कहना। नागिन की सफेद साड़ी या अन्य प्रकार के कपड़े ऐसे जादू कर गए कि एक सीन में सफेद कपड़ा तो चहिए ही और स्टाइल वही जितेन्द्र-रीना राय का गाया गीत-तेरे संग प्यार में नहीं छोड़ना। ठीक उसी स्टाइल में लिपटना-झपटना,उसी स्टाइल में पानी में भीगना,वैसे ही प्रकट होना और गायब होना। यहां तक कई बार तो अगर गौर से नहीं देखें तो धोखा तय है।

रीना राय-जितेन्द्र की नागिन, शोले की तरह मल्टी स्टारर थी। 11 सितारे। रेखा, सुनील दत्त, फिरोज खान, संजय खान, मुमताज, विनोद मेहरा, योगिता बाली, कबीर बेदी, अनिल धवन आदि सभी ने जबरदस्त काम किया। कहानी बहुत हिट करने वाली। कहानी का जीस्ट है कि कहा जाता है कि सांप इच्छाधारी होते हैं और जब चाहे,जहां चाहे प्रकट हों या गायब हो जाएं। इसी दौरान नाग को गोली से मार दिया जाता है और फिर नागिन अर्थात रीना राय बदला लेने के सारे कर्म करती है। पूरी फिल्म रीना राय के इर्द-गिर्द घूमती है और सीधी भाषा में कहा जाए तो यह खौफनाक हो गई नागिन के बदला लेने की कहानी थी। इसे हीरो ओरिएंटेड न कहकर हीरोइन ओरिएंटेड फिल्म कहा गया। इसके गीत तो उस समय हर कहीं बजते थे। यह वह समय था, जब देश को सांप-सपेरों का देश कहा जाता था और गली गली नाग-नागिन दिखाने वाले सपेरे घूमते थे। सपेरों की बीन पर तेरे संग प्यार में नहीं छोड़ना की धुन सुनकर बच्चे भी सांप जैसी एक्टिंग करते।

अगर देखा जाए तो शादियों में नागिन डांस यहीं से परवान चढ़ा। वैसे वैजंयती माला तथा प्रदीप कुमार,जीवन की नागिन ने भी देश में नाग-नागिन को प्रसिद्धि दिलाई। इसकी कहानी भी रीना राय की नागिन वाली ही थी। ..और यह मूवी आयी थी सन 1954 में। इसका बीन गीत मन डोले मेरा तन डोले अब तक का सबसे अधिक सुना जाने वाला सपेरा गीत है। जहां तक नाग-नागिन को पुरस्कार मिलने की बात है, तो खूब पुरस्कार मिले और उन्हें जमकर दर्शकों का प्यार भी। दरअसल नागिन या नाग ऐसी जिज्ञासा रहे हैं जिसे आज तक समाप्त नहीं किया गया है। प्रेम, बदले की आग, इच्छाधारी सांप, सापों की मणियां कुछ ऐसी जिज्ञासाएं रहीं हैं जो हर किसी को लुभाती हैं लेकिन उन्हें समझाने वाला कोई ऐसा नहीं है जो दावे से कह सके कि सत्य यह है। साइंस कहता है कि सांप के कान नहीं होते,तो फिर वह बीन की धुन पर नाचता क्यों है? जब वह नाचता है तो क्या वह बीन को देखकर डरता है? खैर,नागिन के बदले को लेकर सन 1986 में बनी नगीना ने दर्शकों के मन में आग जैसी लगा दी। 'मैं तेरी दुश्मन, दुश्मन तू मेरा' या फिर 'बलमा हो तुम' जैसे गीत धूम-धड़ाके से हिट हुए और श्रीदेवी, ऋषि कपूर, प्रेम चोपड़ा, अमरीश पुरी, सुषमा सेठ आदि ने दर्शकों को सीट से हिलने ही नहीं दिया। इसमें महल के अंदर के दृश्यों ने डराने में कोई कसर नहीं रखी। एक बात जो सबसे महत्वपूर्ण है वह यह कि इसमें सपेरे अर्थात अमरीश पुरी की काली ड्रेस ने बाद में आयी सारी फिल्मों में सपेरों की इंटरनेशनल ड्रेस बन गयी। अगर आज किसी गली में कोई सपेरा नाग का डांस दिखा रहा है, तो तय है कि वह काली ड्रेस में होगा और उसके माथे पर तिलक भी अमरीश पुरी की याद दिलाएगा। कहा जा सकता है कि यह तो सनातन काल से ही प्रचलन में रहा है,लेकिन आम दर्शकों को तो नगीना ने ही यह रूप दिखाया। सीधी और सच्ची बात तो यह है कि सपेरे, नाग, नागिन और उनकी कहानियों ने दौलत की जितनी बरसात फिल्मकारों पर करवाई उससे अधिक फिल्मकारों ने दर्शकों को गली-गली नचाया। नाचे नागिन गली-गली नाम से फिल्म आयी थी सन 1989 में। नीतीश भारद्वाज और मीनाक्षी शेषाद्री इसमें लीड कर रहे थे। इसे जरूर कहा जा सकता है कि इसने काफी हद तक नागिन और नगीना की याद दिलाई पर यह कुछ खास नही कर पायी। यह भी इच्छाधारी नाग-नागिन के प्रेम को प्रकट करती है। इसका गीत-मिले मन से ये मन, मिले तन से ये तन ने काफी वर्षों बाद नागिन धुन या मधुर संगीत की याद दिलाई। याद आता है यह राह चलते शोहदों के लिए एक छेड़खानी का गीत भी बन गया था। स्कूलों के बाहर आती-जाती लड़कियों को देखकर शोहदे इसे ऐसे गाते थे जैसे कि यह उनके लिए ही बनाया गया हो। नीतीश-मीनाक्षी की जोड़ी ने कमाल तो नहीं किया पर यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि उन्होंने सुंदरता और सौम्यता के पैमाने पर इसे हिट बना दिया।

नाग-नागिन पर फिल्में दर्जनों बनी हैं। एक फिल्म आयी थी अमर अकबर एंथोनी। इसमें एक दो मिनट में ही सांप ने पूरी फिल्म का सिनेरियो चेंज कर दिया। शिरडी वाले साईं बाबा, आया है तेरे दर पे सवाली गीत में सांप निरुपा राय को विलेन से बचाने के लिए जब मंदिर की चौखट पर आता है, तो चमत्कार हो जाता है और मां बनी निरुपा राय की आंखें भर आती हैं। सही में सांप यहां पर भी कमाल कर गया और हां धर्म-कांटा को क्यों भूलें। ये गोटेदार लहंगा गीत में चोरी के लिए सांप का उपयोग कितनी खूबसूरती से राजेश खन्ना ने किया यह तो आज तक याद है।

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु में एम.वी. करुप्पैया बने प्रोटेम स्पीकर

चेन्नई, (हि.स.)। तमिलनाडु की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत के बीच शोलावंदन से तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) विधायक एम.वी. करुप्पैया को विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। रविवार को राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब अभिनेता से नेता बने विजय ने रविवार को ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। 2026 विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटों पर जीत दर्ज की और राज्य की राजनीति में बड़ा बदलाव लाने में सफलता हासिल की। तमिलनाडु विधानसभा सचिवालय के अनुसार, 17वीं विधानसभा का पहला विशेष सत्र सोमवार सुबह 9 :30 बजे आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में सभी नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी। प्रोटेम स्पीकर के रूप में एम.वी. करुप्पैया विधायकों को शपथ दिलाने की जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके बाद 12 मई को विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव कराया जाएगा।

ताजपोशी के बाद विजय ने तिरुचिरापल्ली पूर्वी सीट छोड़ी, दो विशेष सचिवों की नियुक्ति

चेन्नई, (हि.स.)। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) अध्यक्ष और अभिनेता से नेता बने सी. जोसेफ विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद

तिरुचिरापल्ली पूर्वी विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पेरम्बूर सीट को अपने पास बरकरार रखा है। विजय ने हालिया विधानसभा चुनाव में दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत हासिल की थी। इससे पहले रविवार सुबह 10 :15 बजे आयोजित भव्य समारोह में विजय ने तमिल भाषा में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी सहित कई प्रमुख नेता और गणमान्य लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री बनने के बाद विजय ने विधानसभा की एक सीट छोड़ने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, उन्होंने विधानसभा के प्रमुख सचिव के. श्रीनिवासन को तिरुचिरापल्ली पूर्वी सीट से अपना इस्तीफा भेजा। यह इस्तीफा मंत्रियों के.ए. सेंगोट्टैयन और पी. वेंकटरमन के माध्यम से सौंपा गया।

विजय के सीएम बनते ही स्टालिन ने साधा निशाना, बोले-अब ये मत कहना पैसे नहीं हैं'

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई में राजनीतिक माहौल उस समय गर्म हो गया जब तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने राज्य के कर्ज को लेकर बयान दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि तमिलनाडु का कर्ज अनुमेय सीमा के भीतर बना हुआ है। यह बयान ऐसे समय आया है जब नए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने आरोप लगाया था कि पिछली सरकार ने राज्य पर 10 लाख करोड़ रुपये का भारी कर्ज छोड़ दिया और खजाना खाली कर दिया। स्टालिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सरकार के पास संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि उन्हें जनता तक पहुंचाने की क्षमता और इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि फरवरी के बजट में राज्य की वित्तीय स्थिति को पहले ही स्पष्ट किया जा चुका था। उन्होंने विजय के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बिना पूरी जानकारी के यह कहना सही नहीं है कि सरकार के पास पैसे नहीं हैं।

स्टालिन ने कहा कि जनता को गुमराह करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार चलाने की वास्तविक चुनौतियों को समझना जरूरी है और नए नेतृत्व को समय के साथ अनुभव मिलेगा। स्टालिन ने कहा कि जिन वादों को जनता से किया गया है, उनकी वास्तविकता और प्रशासनिक चुनौतियों को समय के साथ समझा जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि नए नेतृत्व को शासन के अनुभव के साथ इन पहलुओं का अहसास होगा। राजनीतिक बयानबाजी के बीच स्टालिन ने विजय को मुख्यमंत्री बनने पर बधाई भी दी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के विकास यात्रा में निरंतरता बनी रहनी चाहिए और उन्हें उम्मीद है कि नया नेतृत्व राज्य के हित में काम करेगा।

पोस्ट शेयर कर जताई नाराजगी... मंत्री न बनाए जाने पर सोशल मीडिया पर छलकी विधायक की पीड़ा

लखनऊ, एजंसी। उत्तर प्रदेश सरकार का रविवार को मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया। कुल आठ लोगों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। इस बीच भाजपा विधायक आशा मौर्य ने मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने पर सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा की है। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पहली पोस्ट को डिलीट करके दूसरी पोस्ट की। उन्होंने अपनी पहली पोस्ट में लिखा था कि आप सभी पत्रकार बंधुओं, पूरे देश, प्रदेश से आये फ़ोन कॉल, सोशल मीडिया पर शुभचिंतकों, समर्थकों एवं स्नेह रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति का हृदय से आभार एवं धन्यवाद। आपका स्नेह और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है लेकिन यह

भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भारतीय जनता पार्टी को समर्पित कार्यकर्ताओं, विशेषकर हम जैसे मौर्य समाज के संघर्षशील एवं निष्ठावान लोगों की आवश्यकता नहीं दिखाई दे रही, बल्कि बाहर से आए हुए बागी एवं दलबदलू नेताओं को प्राथमिकता दी जा रही है। वर्षों से पार्टी और संगठन के लिए समर्पण भाव से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की उपेक्षा कहीं न कहीं पीड़ादायक है। फिर भी हम समाज, सम्मान और स्वाभिमान की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ते रहेंगे।

उनकी यह पोस्ट वायरल हुई तो उन्होंने एक अन्य पोस्ट साझा की। उसमें लिखा कि आप सभी पत्रकार बंधुओं, देश-प्रदेश से प्राप्त हुए फ़ोन कॉल, सोशल मीडिया के माध्यम से शुभकामनाएं एवं समर्थन देने वाले सभी शुभचिंतकों, समर्थकों और स्नेह रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति का हृदय से आभार एवं धन्यवाद। आप सभी का प्रेम, आशीर्वाद और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। आपके स्नेह और समर्थन ने सदैव मुझे समाज एवं संगठन के लिए निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी है। पार्टी और संगठन के लिए पिछले 35 वर्षों से पूर्ण समर्पण भाव, निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए सदैव संगठन हित को सर्वोपरि रखा है। जनसेवा और समाजहित के लिए निरंतर कार्य करना ही मेरे जीवन का उद्देश्य रहा है और आगे भी पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करती रहूंगी। हालांकि, एक समर्पित कार्यकर्ता होने के नाते कहीं न कहीं मन में थोड़ी पीड़ा अवश्य हुई है क्योंकि वर्षों की मेहनत, संघर्ष और निष्ठा हर कार्यकर्ता के लिए भावनात्मक रूप से जुड़ी होती है। लेकिन यह पीड़ा मेरे संकल्प को कमजोर नहीं करेगी, बल्कि समाज और संगठन के प्रति मेरी जिम्मेदारियों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।

विजय के साथ नौ मंत्रियों ने ली शपथ

तमिलनाडु में नए राजनीतिक युग का आगाज

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु की राजनीति में रविवार को एक नया युग की शुरूआत हो गई है। 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (टीवीके) के संस्थापक जोसेफ विजय ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। यह राज्य में पहली बार है जब किसी गैर-द्रविड़ पार्टी ने सरकार बनाई है। नई सरकार के गठन के साथ ही डीएमके और एआईएडीएमके का दशकों पुराना दबदबा खत्म हो गया है। विजय के साथ में 9 और मंत्रियों ने सपथ ली है। अब विजय को 13 मई तक विधानसभा में अपना बहुमत साबित करना होगा।

एन आनंद

61 साल के एन आनंद को लोग 'बुसी आनंद' के नाम से भी जानते हैं। वह विजय के सबसे भरोसेमंद साथी माने जाते हैं। साल 2006 में वह पुडुचेरी से विधायक चुने गए थे। अब उन्होंने चेन्नई की टी नगर सीट से जीत हासिल की है। वह टीवीके के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं और पहले विजय रसिगर मंदरम के प्रमुख के तौर पर काम कर चुके हैं।

आधव अर्जुना

बास्केटबॉल खिलाड़ी और बिजनेसमैन रहे आधव अर्जुना अब राजनीति में सक्रिय हैं। वह बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष भी हैं। वह वीसीके पार्टी छोड़कर टीवीके में शामिल हुए थे। पार्टी के महासचिव के रूप में उन्होंने चुनाव अभियान में बड़ी भूमिका निभाई और चेन्नई की विल्लिवाक्कम सीट से जीत दर्ज की।

राजमोहन अरुमुगम

डिजिटल प्लेटफॉर्म 'पुट चटनी' से मशहूर हुए राजमोहन ने युवाओं और नए वोटरों को पार्टी से जोड़ने में मदद की। प्रचार सचिव के तौर पर उन्होंने सोशल मीडिया और यूट्यूब वीडियो के जरिए पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुँचाया। उनके मजाकिया अंदाज और रील्स को युवाओं ने काफी पसंद किया।

सीटीआर निर्मल कुमार

44 साल के निर्मल कुमार टीवीके की डिजिटल रणनीति के मुख्य चेहरा हैं। उनके पास बीजेपी और एआईएडीएमके के सोशल मीडिया सेल में काम करने का अनुभव है। उन्होंने व्हाट्सएप और मीम नेटवर्क का एक बड़ा जाल तैयार किया, जिससे 2025 और 2026 के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पार्टी का दबदबा बना रहा।

केजी अरुणराज

पूर्व आईआरएस अधिकारी और डॉक्टर अरुणराज ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर टीवीके जॉइन की। वह पार्टी में प्रचार और नीति के महासचिव हैं। उन्होंने तमिलनाडु, बिहार और महाराष्ट्र में आयकर विभाग में सेवा दी है। उन्होंने तिरुचेंगोडु सीट से चुनाव जीता है।

के ए सेंगोट्टैयन

50 साल से ज्यादा का राजनीतिक अनुभव रखने वाले सेंगोट्टैयन पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता हैं। वह एआईएडीएमके के दिग्गज नेता रहे हैं और नवंबर 2025 में टीवीके में शामिल हुए। उन्होंने गोबीचेट्टीपलयम सीट से नौवीं बार जीत हासिल की है।

कीर्तना एस

कीर्तना एस विजय की कैबिनेट में फिलहाल इकलौती महिला मंत्री हैं। चुनावी हलफनामे के अनुसार, उनके पास 22.6 लाख रुपये की संपत्ति और 12.8 लाख रुपये की देनदारी है। उनकी सालाना कमाई 6.4 लाख रुपये है और उन पर कोई भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं है।

पी वेंकटरमणन

48 साल के वेंकटरमणन ने मायलापुर सीट से 70,070 वोटों के साथ जीत दर्ज की है। वह पोस्ट ग्रेजुएट हैं और उन पर कोई आपराधिक केस नहीं है। उनके पास कुल 5.4 करोड़ रुपये की संपत्ति है, जिसमें 3.2 करोड़ रुपये की चल संपत्ति शामिल है।

केटी प्रभु

पेशे से डेंटिस्ट डॉ. केटी प्रभु ने शिवगंगा की करैकुडी सीट से चुनाव जीता है। वह पोस्ट ग्रेजुएट हैं और उनकी कुल संपत्ति 11.4 करोड़ रुपये है। उनकी सालाना आय 54.6 लाख रुपये है और उन पर 3.3 करोड़ रुपये की देनदारी है।

विजय के सीएम बनने पर खरगे और राहुल ने दी बधाई, कहा

तमिलनाडु ने नई पीढ़ी और नई सोच को चुना

चेन्नई, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सी जोसेफ विजय को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर रविवार को बधाई दी। खरगे ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि राज्य की राजनीति और सामाजिक चेतना को लंबे समय से दिशा देने वाले सिद्धांत आगे भी विजय के नेतृत्व वाले शासन का मार्गदर्शन करते रहेंगे। विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इस भव्य समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी शामिल हुए। इसके साथ ही राज्य में 60 साल बाद पहली बार डीएमके और एआईएडीएमके के अलावा किसी अन्य सरकार का गठन हुआ।

खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि टीवीके के विजय के मुख्यमंत्री बनने पर वह उन्हें, तमिलगा वेत्री कझगम पार्टी और पूरे प्रगतिशील गठबंधन को दिल से बधाई और शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि इस सरकार का गठन फिर से यह साबित करता है कि आत्मसम्मान, सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण और तर्कसंगत सोच जैसी मूल्य-परंपराएं मजबूत हैं, जो लंबे समय से तमिलनाडु की राजनीति और समाज को दिशा देती आई हैं। यह विरासत पेरियार और कामराजर जैसे नेताओं ने बनाई है। उन्होंने आगे कहा कि तमिलनाडु के लाखों लोग, खासकर युवाओं ने टीवीके पर भरोसा जताया है। उन्हें विश्वास है कि विजय के नेतृत्व में ये आदर्श आगे भी शासन का मार्गदर्शन करेंगे और पूरे देश को प्रेरणा देंगे। खरगे ने नई सरकार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह जनता की सेवा ईमानदारी, समावेशिता और समर्पण के साथ करे।

तमिलनाडु के लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय को शपथ लेने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राज्य ने एक 'नई पीढ़ी' और 'नई सोच' को चुना है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, तमिलनाडु ने फैसला किया है। एक नई पीढ़ी। एक नई आवाज। एक नई कल्पना। उन्होंने आगे कहा कि विजय को उनकी शुभकामनाएं हैं और उम्मीद जताई कि वह तमिलनाडु के लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और वीसीके के नेता भी मौजूद थे। इन दलों ने टीवीके को समर्थन देकर विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा पार करने में मदद की थी।

मंच पर पीएम मोदी ने जिनके छुए थे पैर वे बोले

एक निशान, एक विधान, एक प्रधान का सपना पूरा हुआ

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में भाजपा की नई सरकार के गठन के समय 98 साल के माखनलाल सरकार चर्चा में रहे। वे पार्टी के सबसे पुराने कार्यकर्ताओं में से एक हैं। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका खास सम्मान किया। प्रधानमंत्री ने मंच पर उन्हें अंगवस्त्र पहनाया। उन्होंने माखनलाल जी के पैर छुए और उन्हें गले लगाया।

माखनलाल 16 साल की उम्र से ही आरएसएस के सिद्धांतों पर चल रहे हैं। साल 1953 में जब श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कश्मीर में तिरंगा फहराने का आंदोलन शुरू किया था, तब माखनलाल उनके साथ थे। इस आंदोलन के दौरान उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था। 1980 में भाजपा के गठन के बाद उन्होंने उत्तर बंगाल में संगठन को खड़ा करने की जिम्मेदारी संभाली।

उन्होंने महज एक साल में 10,000 नए सदस्य जोड़कर सबको हैरान कर दिया था। वे लगातार सात साल तक जिलाध्यक्ष रहे, जो उस दौर में एक असाधारण उपलब्धि थी। प्रधानमंत्री से मिले इस सम्मान के बाद माखनलाल सरकार काफी खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने उनके काम को पहचान दी और उन्हें सम्मानित किया। उनका एक निशान, एक विधान, एक प्रधान' का सपना पूरा हो गया है। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल के भविष्य के लिए अपनी कुछ जरूरी मांगें भी रखीं।

पीएम मोदी ने खुलेआम दिया रेवंत रेड्डी को साथ आने का ऑफर

तेलंगाना, एजेंसी

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में विकास और राजनीति का एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी के पुराने काम की तारीफ की। रेड्डी ने याद दिलाया कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो पीएम मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उस समय केंद्र ने उनकी इतनी मदद की कि उन्होंने 10 साल में विकास का एक बड़ा मॉडल तैयार किया था। इसके जवाब में पीएम मोदी ने भी मुख्यमंत्री को एकदम सीधा और करारा जवाब दिया। पीएम मोदी ने कहा कि अगर वह तेलंगाना को सिर्फ उतना ही देंगे जितना गुजरात को मिला था, तो इससे तेलंगाना का भारी नुकसान हो जाएगा। अपनी बात खत्म करते हुए पीएम मोदी ने रेवंत रेड्डी को अपने साथ ही गठबंधन करने की ऑफर भी दे दिया।

कही ऐसी बात मंच पर हंस पड़े तेलंगाना के सीएम

हैदराबाद के कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बहुत ही साफ शब्दों में अपनी बात रखी। उन्होंने पुरानी राजनीति को याद करते हुए कहा कि जब केंद्र में मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे, तब नरेंद्र मोदी गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। रेवंत रेड्डी ने तारीफ करते हुए कहा कि उस समय मोदी ने देश के सामने 10 वर्षों के अंदर विकास का एक बेहतरीन 'गुजरात मॉडल' बनाकर तैयार किया था। रेड्डी ने आगे कहा कि आज तेलंगाना की गरीब और आम जनता भी प्रधानमंत्री मोदी से बिल्कुल वैसी ही उम्मीद रखती है।

सब कुछ वह तेलंगाना को भी देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं...

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की इन बातों को सुनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तुरंत अपना जवाब दिया। पीएम मोदी ने मंच से बोलते हुए कहा कि वह रेवंत रेड्डी को साफ तौर पर यह बताना चाहते हैं कि पिछले 10 साल के शासन में भारत सरकार ने गुजरात को जो कुछ भी दिया है, वह सब कुछ वह तेलंगाना

निलंबित टीएमसी नेता रिजु दत्ता का आरोप

शीर्ष नेतृत्व को हार की जिम्मेदारी लेनी होगी, गिनाई हार की वजहें

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निलंबित नेता रिजु दत्ता ने पार्टी की कार्यप्रणाली, चुनावी रणनीतिकार संस्था आई-पेक और संगठन के भीतर बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। कोलकाता में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने दावा किया कि पार्टी को अंदर से कमजोर करने में आई-पेक की बड़ी भूमिका रही है। रिजु दत्ता ने कहा कि 'आज प्रातिक जैन कहां हैं? वह भाग गए। उन्हें क्या नुकसान हुआ? उन्होंने ज्ञस्ष्ट से पैसा कमाया और बाजार से भी फंड जुटाया।' उन्होंने आरोप लगाया कि आई-पेक केवल पार्टी को चला रही थी और पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी को वास्तविक स्थिति से अंधेरे में रखा गया। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर जो नुकसान हुआ, उसकी जिम्मेदारी शीर्ष नेतृत्व को लेनी होगी। दत्ता के मुताबिक 'दीदी और अभिषेक दा को पार्टी के इस नुकसान की जिम्मेदारी लेनी होगी। आई-पेक ने पार्टी को अंदर से खत्म कर दिया।

निचले स्तर के भ्रष्टाचार पर भी उठाए सवाल

रिजु दत्ता ने टीएमसी के जमीनी कार्यकर्ताओं पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि निचले स्तर के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जनता के खिलाफ अत्याचार और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया, जिससे आम लोगों में पार्टी की छवि खराब हुई। हालांकि, उन्होंने ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी और वरिष्ठ सांसदों को व्यक्तिगत रूप से भ्रष्टाचार से दूर बताया। उन्होंने कहा 'कोई भी दीदी पर उंगली नहीं उठा सकता। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कोई भ्रष्टाचार नहीं किया।'

महिलाओं के मुद्दे पर पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा

रिजु दत्ता ने दावा किया कि महिलाओं के मुद्दे पर पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि पहले यह माना जाता था कि बंगाल की महिलाएं ममता बनर्जी को आंख बंद करके समर्थन देंगी, लेकिन अब स्थिति बदल रही है। उनके इस बयान के बाद पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के अंदर से इस तरह के बयान आने से टीएमसी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिलहाल पार्टी नेतृत्व की ओर से इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलान मदनी ने कहा

बंगाल के नए मुख्यमंत्री 'सबके लिए शासन' की संवैधानिक शपथ का पालन करें

नई दिल्ली, (हि.स.)

जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी से कहा है कि वे राज्यपाल और बंगाल की जनता के समक्ष ली गई अपनी संवैधानिक शपथ की भावना और शब्दों का पूरी ईमानदारी के साथ पालन करें तथा बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों के साथ समान न्याय सुनिश्चित करें।

मौलाना मदनी ने कहा कि यह

संवैधानिक शपथ केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि अपने पद के प्रति कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी का सार्वजनिक स्वीकार है। इस शपथ के बिना कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन सकता और न ही इसके विपरीत आचरण करते हुए उस पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार रखता है। मौलाना मदनी ने यह बातें मुख्यमंत्री के उस पूर्व बयान के संदर्भ में कहीं जिसमें उन्होंने खुलकर कहा था कि वे 'सिर्फ हिंदुओं के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के बयान भारत के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने, लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना के विरुद्ध हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता किसी एक धर्म या राजनीतिक समूह की जागीर नहीं बल्कि पूरी जनता की अमानत है, जिसमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई तथा सभी वर्ग शामिल हैं। मौलाना मदनी ने कहा कि बंगाल की जनता नफरत की राजनीति या धार्मिक विभाजन नहीं बल्कि वास्तविक विकास और प्रभावी शासन चाहती है। हम यह नहीं कहते कि सरकार केवल मुसलमानों के लिए काम करे, बल्कि हम यह कहते हैं कि वह पूरे बंगाल और सभी नागरिकों के लिए काम करे।

बुनियादी सुविधाओं को धर्म के आधार पर विभाजित नहीं किया जा सकता

उन्होंने कहा कि जनता को स्वच्छ पानी, स्वच्छ वातावरण, बेहतर सड़कें, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार, निवेश, किसानों और छोटे व्यापारियों के लिए न्याय, कानून का शासन तथा गरीबों की गरिमा की सुरक्षा चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि विकास न मस्जिद के दरवाजे पर रुकता है और न मंदिर के द्वार पर, तथा बुनियादी सुविधाओं को धर्म के आधार पर विभाजित नहीं किया जा सकता। यदि विकास वास्तव में अस्सी प्रतिशत जनता तक पहुंचेगा तो बाकी बीस प्रतिशत भी उससे वंचित नहीं रहेंगे। जब स्वच्छ हवा चलेगी तो वह केवल हिंदुओं तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि हर नागरिक को उसका लाभ मिलेगा।

जमीअत उलमा-ए-हिंद किसी भी सरकार का केवल राजनीतिक कारणों से विरोध नहीं करती

मौलाना मदनी ने स्पष्ट किया कि जमीअत उलमा-ए-हिंद किसी भी सरकार का केवल राजनीतिक कारणों से विरोध नहीं करती। जहां वास्तविक

संक्षिप्त समाचार

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर लगा रक्तदान शिविर

बड़वानी,निप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जिला बड़वानी द्वारा विश्व थैलेसीमिया दिवस के उपलक्ष्य में थैलेसीमिया व सिकल सेल रोग के प्रति जनजागरूकता हेतु संगोष्ठी एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। 08 मई 2026 को विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर खरगोन-बड़वानी सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। सुभाष चंद्र बोस रक्तदान समिति, सेंधवा के अशोक राठौड़ एवं उनकी टीम द्वारा यह आयोजन किया गया। 09 मई 2026, शनिवार को मुख्य चिकित्सालय, बड़वानी में प्रातः 11 :00 बजे से शाम 5 :00 बजे तक संगोष्ठी व रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। इसका उद्देश्य थैलेसीमिया, सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता फैलाना तथा गर्भवती महिलाओं एवं दुर्घटना में घायल मरीजों हेतु रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था। इस पुनीत कार्य में जिला रक्तकोष टीम, रेड क्रॉस सोसाइटी, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, जयस रक्तदान समिति, मानव सेवा समिति सहित 18 से अधिक सामाजिक संस्थाओं का सहयोग रहा। शिविर में समाजसेवी सेफी फाउंडेशन के जोएब भाई, अंजड़ ने 40वीं बार रक्तदान किया। इमरान, नाजिया और याकूब ने पहली बार रक्तदान कर प्रेरणा दी। नोडल अधिकारी डॉ. अतुल राठौड़ ने अपनी धर्मपत्नी के साथ रक्तदान किया वही संतोष भावसार, ललित जैन, महिलाओं में रक्तदाता गीता शर्मा जी, गुरमीत कौर, ने पहली बार रक्तदान किया, साथ ही सड़कों पर मांगने वाले गोलू नाथ, का उनकी पत्नी के साथ पहली बार रक्तदान किया जिला सिकल सेल ओर रक्तकोष टिम सभी सदस्यों उपस्थिति सुभाष चंद्र बोस समिति के अल्ताफ शेख, भीम सिंह डावर रमेश डावर रमेश यादव, ।आवाज ग्रुप मध्यप्रदेश फाउंडर एवं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन के जिलाध्यक्ष अब्दुल सादिक चंदेरी ने समाजसेवी अजीत जैन व अब्दुल रजाक तिगाले जी के साथ सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में रक्तदान के प्रति निरंतर जनजागृति की अपील की।

प्रगणक रफीक बेग मिर्जा हुए सम्मानित

खरगोन, निप्र। समय से पहले जनगणना कार्य करने वाले विकासखण्ड भगवानपुरा के ग्राम मांडवखेडा के प्रगणक रफीक बेग मिर्जा को कलेक्टर भव्या मित्तल द्वारा सम्मानित किया गया। प्रगणक रफीक बेग मिर्जा को कुल 201 जनगणना मकानों का दायित्व सौंपा गया था, जिसे उन्होंने निर्धारित समय-सीमा से पहले ही पूरा कर दिया। इस अवसर पर कलेक्टर भव्या मित्तल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि अन्य प्रगणक भी इसी तरह तत्परता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, जिससे जिले में जनगणना का कार्य समय से पूर्व पूर्ण किया जा सके। कलेक्टर भव्या मित्तल ने कहा कि जो भी प्रगणक समय से पहले जनगणना कार्य पूर्ण करेंगे, उन्हें विभिन्न स्तरों पर सम्मानित किया जाएगा, जिससे कि सभी में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा और कार्य के प्रति उत्साह बना रहे। इस अवसर पर जिला जनगणना अधिकारी अनिल जैन, तहसीलदार भगवानपुरा संजय चैहान और मास्टर ट्रेनर अमित शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सेंधवा शहर पुलिस की त्वरित कार्रवाई, 24 घंटे में मोटरसाइकिल समेत चोरी का आरोपी गिरफ्तार

सेंधवा (बड़वानी), निप्र। जिला बड़वानी पुलिस अधीक्षक बड़वानी पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर एवं एसडीओपी सेंधवा अजय वाघमारे के मार्गदर्शन में अपराधों पर अंकुश लगाने एवं संपत्ति संबंधी अपराधों के त्वरित निराकरण हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। थाना प्रभारी सेंधवा शहर दिनेश सिंह कुशवाह के नेतृत्व में पुलिस टीम को चोरी की मोटरसाइकिल बरामद करने एवं आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

08.05.2026 की रात्रि में फरियादी कय्यूम पिता मोहम्मद चौहान निवासी देवझिरी रोड सेंधवा ने थाना सेंधवा शहर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 46 एमएन 2553 को कोई अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गया है। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना सेंधवा शहर में अप.क्र. 139/2026 धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी दिनेश सिंह कुशवाह द्वारा तत्काल विशेष टीम गठित कर आरोपी एवं चोरी गए वाहन की तलाश प्रारंभ की गई। पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल एवं आसपास लगे लगभग 15 से 20 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदेही की पहचान सुनिश्चित कर उसके आने-जाने के मार्ग का पता लगाया गया। साथ ही सायबर सेल के तकनीकी सहयोग से संदेही की लोकेशन ट्रैक कर उसकी घेराबंदी की गई।

पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़कर पूछताछ की, जिसमें आरोपी ने मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। पूछताछ में आरोपी जितेंद्र पिता सुवालाल खरते उम्र 19 वर्ष निवासी वेरवाडा थाना पाटी के कब्जे से चोरी गई मोटरसाइकिल बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 40,000 रुपये है। कार्रवाई में थाना प्रभारी दिनेश सिंह कुशवाह, उनि. संतोष पाटीदार, सउनि. संजय पाटीदार, प्रआर. अश्विन शर्मा, आर. नीरज डांगरे, रेवाराम अछाले एवं सायबर सेल से प्रआर. योगेश पाटिल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जैतापुर पुलिस की असामाजिक तत्वों को हिदायत

खरगोन, निप्र। जैतापुर पुलिस ने थाना क्षेत्र के 10.05.26 को क्षेत्र अंतर्गत रहने वाले क्षेत्र के आदतन अपराधियों (हिस्ट्रीशीटर/गुण्डों और असमाजिक तत्वों जैतापुर थाने बुलाकर उन्हें समझाइश दी है। उनको किसी प्रकार का न्यूसेंस या गुंडागर्दी नही करने, शांतिपूर्ण तरीके से रहने, उपद्रव न करने एवं क्षेत्र का माहौल खराब नहीं करने की हिदायत के साथ साथ शांति भंग या उपद्रव मचाने पर वैधानिक कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई।

ठीकरी में भाजपा का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग शुरू, बूथ मजबूत करने पर जोर

दो सीट से किया है भव्य मुकाम तक का सफर : सांसद पटेल

विनय उजाला

ठीकरी (बड़वानी),निप्र। भारतीय जनता पार्टी का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग रविवार को ठीकरी स्थित सांवरिया मैरेज गार्डन में शुरू हुआ। शिविर का शुभारंभ प्रदर्शनी उद्घाटन, दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुआ। पहले दिन सात सत्र आयोजित किए गए जिनमें बूथ प्रबंधन से लेकर AI तक पर मंथन हुआ।

जिला मीडिया प्रभारी सुनील भावसार ने बताया कि सुबह 10 बजे जिला अध्यक्ष अजय यादव, खरगोन-बड़वानी सांसद गजेंद्र सिंह पटेल व प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान ने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में भाजपा के संस्थापकों व पितृपुरुषों के चित्र लगाए गए थे। इसके बाद अतिथियों ने भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों का पूजन कर दीप प्रज्वलित किया।

पहला सत्र : प्रशिक्षण का उद्देश्य : उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अजय यादव ने कहा आप यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर जाएंगे तो निश्चित रूप से अपने बूथ, शक्तिकेंद्र व मंडल को मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण वर्ग का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं में अनुशासन लाना, नेतृत्व क्षमता विकसित करना व जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाना है। मुख्य वक्ता सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा, '1984 में सिर्फ 2 सीटों से भाजपा की यात्रा प्रारंभ हुई। लंबे संघर्ष के बाद आज पार्टी भव्य मुकाम पर पहुंची है। 1998 से सरकार में आने के बाद भाजपा अपनी विचारधारा के आधार पर देश की सेवा कर रही है।' कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'यहां बैठा प्रत्येक कार्यकर्ता दायित्ववान है। अपना ध्येय स्पष्ट रखें। यह प्रशिक्षण वर्ग धूल साफ करने जैसा है। आप सभी डूबकर काम करें।'

दूसरा सत्रः सरकार की उपलब्धियां गिनाईं : 'प्रदेश सरकार की उपलब्धियां' विषय पर कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के राज में प्रदेश बीमारू राज्य था। मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। भाजपा सरकार आने के बाद प्रदेश में चारों ओर विकास हो रहा है।' मंत्री चौहान ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पानी व बिजली के क्षेत्र में हुए कार्यों के साथ केंद्र व प्रदेश की जनहितैषी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस सत्र की अध्यक्षता पंढरीनाथ काका पाटीदार ने की।

तीसरा सत्रः बूथ जीता तो चुनाव जीता : बूथ प्रबंधन, मन की बात व IT विषय पर निमाड़ संभाग प्रभारी सुरेश शर्मा ने कहा, 'भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है क्योंकि उसके 14 करोड़ सदस्य हैं। 2014 से पहले भाजपा में बूथ अध्यक्ष शब्द प्रचार में नहीं था। 2014 में अमित शाह जी ने बूथ रचना पर ध्यान देने को कहा।' उन्होंने बताया कि 2015 में पहली बार 'पन्ना प्रमुख' शब्द आया। 'अमित शाह जी का यह प्रयोग सफल रहा तो इसे पूरे देश में बढ़ाया गया। बाद में नारा दिया गया: बूथ जीता, चुनाव जीता। मेरा बूथ सबसे मजबूत।' शर्मा ने कार्यकर्ताओं से मोदी की मन की बात को अमल में लाने का आह्वान किया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व विधायक दीवान सिंह पटेल ने की।

कैबिनेट मंत्री चौहान सहित कई नेता रहे मौजूद

उद्घाटन सत्र में कैबिनेट मंत्री नागर सिंह चौहान, पूर्व मंत्री प्रेम सिंह पटेल, जिला प्रशिक्षण प्रभारी परसराम चौहान, महामंत्री भागीरथ कुशवाह व सचिन चौहान, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अंजना पटेल, अंतर सिंह पटेल, ठीकरी मण्डल अध्यक्ष गजेंद्र सिंह पटेल, भगवती प्रसाद शिंदे व प्रीतम सिंह बड़ोले मंचासीन रहे। पहले दिन जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, सभी मंडल व मोर्चा अध्यक्ष सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अन्य सत्रों में चर्चा

- **चौथा सत्र :** 'विचार परिवार' विषय पर मुख्य वक्ता राजेश तिवारी ने संबोधन दिया। अध्यक्षता सुभाष जोशी ने की।
- **पांचवां सत्र :** 'हमारा इतिहास - विकास' पर जीतू जिराती ने जनसंघ से भाजपा तक और डॉ. मुखर्जी से PM मोदी तक की विकासगाथा बताई। अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष कमलनयन इंगले ने की।
- **छठा सत्र :** भूपेंद्र गोधा ने सोशल मीडिया, मीडिया व AI विषय पर विचार रखे।
- **सातवां सत्र :** 'कार्यकर्ता विकास व अपेक्षाएं' पर जयपाल सिंह चावड़ा बोले। व्यवहारिक सत्र विवेक भटोरे ने लिया।
- **सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिखा जोश :** रात 9 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। राष्ट्रभक्ति गीत, प्रेरक नुक्कड़ नाटक व भजन-कीर्तन का दौर देर रात तक चलता रहा।

संबल योजना में NEET चयन परीक्षा संपन्न बड़वानी के 36 विद्यार्थियों ने की सहभागिता

विनय उजाला

बड़वानी,निप्र। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़वानी में एवं एलेन कोचिंग के संयुक्त तत्वावधान में संबल योजना अंतर्गत चयन परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा में कुल 40 पंजीकृत छात्र-छात्राओं में से 36 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

इस चयन परीक्षा में सफल होने वाले छात्र-छात्राओं को कोटा में रहकर NEET परीक्षा की तैयारी हेतु अध्ययन, आवास एवं भोजन की निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाएगी। यह परीक्षा पहली बार बड़वानी में आयोजित की गई। इसके पूर्व इस योजना की चयन परीक्षा का केंद्र सदैव इंदौर रहा है। परीक्षा में सम्मिलित विद्यार्थियों में सर्वाधिक संख्या शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़वानी के छात्र-छात्राओं की रही। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में परीक्षा को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। प्राचार्य अनिल मिश्रा ने बताया कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी तथा इससे जिले के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का बेहतर अवसर प्राप्त होगा। जेएस डामोर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग बड़वानी के मार्गदर्शन में आयोजित इस परीक्षा को विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

300वीं जयंती के समापन वर्ष पर अहिल्या प्रसादम का हुआ शुभारंभ

महेश्वर को मिली सांस्कृतिक और पर्यटन विकास की नई सौगात

विनय उजाला

महेश्वर,निप्र। लोकमाता देवी श्री अहिल्याबाई होलकर की त्रिशताब्दी 300वीं जयंती के समापन वर्ष के अवसर पर धर्मनगरी महेश्वर को एक और महत्वपूर्ण सौगात मिली। नगर की सामाजिक संस्था एवं शासन-प्रशासन के सहयोग से नगर के मध्य स्थित पर्यटन सुविधा केंद्र एवं ग्रंथालय भवन में 'अहिल्या प्रसादम' का शुभारंभ किया गया। इस पहल से अब देश-विदेश से महेश्वर आने वाले पर्यटक एवं श्रद्धालु एक ही स्थान पर पर्यटन संबंधी जानकारी के साथ-साथ महेश्वर की पारंपरिक संस्कृति और स्वादिष्ट स्थानीय व्यंजनों का आनंद भी ले सकेंगे।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत-सत्कार से हुई। इसके पश्चात आयोजित उद्बोधन में संस्थान के संरक्षक एवं निदेशक जितेंद्र नेगी ने संस्था का परिचय देते हुए 'अहिल्या प्रसादम' की संकल्पना और उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पहल महेश्वर आने वाले पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति, परंपरा और आत्मीयता से जोड़ने का प्रयास है, जिससे महेश्वर की सांस्कृतिक पहचान और मजबूत होगी। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे। नगर परिषद उपाध्यक्ष सचिन शर्मा ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। इसके अलावा लायंस क्लब की पदाधिकारी सुजाता कोठारी, डॉ हेमंत सोनी, खेमराज चौहान, सदस्यगण एवं नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण देवी श्री अहिल्या स्मृति सेवा संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान किया जाने वाला 'देवी श्री अहिल्या समाज सेवा सम्मान' रहा।

संस्थान समाज में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान करता आ रहा है। वर्ष 2025 का 'देवी श्री अहिल्या समाज सेवा सम्मान' हस्तकरघा वस्त्र निर्माण, रोजगार सृजन एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली पद्मश्री सम्मानित श्रीमंत शालिनीदेवी होलकर को प्रदान किया गया। उन्होंने महेश्वरी हैंडलूम को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वास्थ्य कारणों से उनकी उपस्थिति संभव नहीं हो सकी, जिसके चलते उनके प्रतिनिधि के रूप में अहिल्या फोर्ट से पुष्पराज सिंह कार्यक्रम में शामिल हुए। संस्थान द्वारा उन्हें सम्मान पत्र एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। संस्था के प्रबंधक रोहित सोनी ने अतिथियों, व्यापारिक वर्ग, गणमान्य नागरिकों, पत्रकार साथियों एवं सहयोगी संस्थाओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। उपस्थित नागरिकों ने 'अहिल्या प्रसादम' की पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र महेश्वर आने वाले पर्यटकों के लिए नई पहचान बनेगा और नगर की सांस्कृतिक विरासत को नई मजबूती प्रदान करेगा।

पुलिस प्रशासन का विशेष अभियान, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के बनाए चालान

खरगोन, निप्र। पुलिस प्रशासन द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई गई। लगभग 100 से अधिक पिकअप वाहनों को चेक किया गया, जिनमें 63 वाहनों पर चालानी कार्रवाई कर 46,500 रूपये का अर्थदण्ड वसूला गया। वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई। पुलिस प्रशासन द्वारा वाहनों की चैकिंग निरन्तर चलेगी।

पोकलेन, टोकन और ओवरलोड डंपर... नर्मदा किनारे चल रहा अवैध रेत का साम्राज्य

विनय उजाला

महेश्वर,निप्र। खरगोन जिले में नर्मदा तटों पर अवैध रेत उत्खनन का कारोबार अब खुलेआम प्रशासनिक व्यवस्था को चुनौती देता नजर आ रहा है। महेश्वर, बड़वाह और कसरावद क्षेत्र के घाटों पर रेत माफियाओं ने ऐसा समानांतर सिस्टम खड़ा कर लिया है, जहां शासन के नियम-कायदे केवल कागजों तक सीमित दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि जिला खनिज विभाग और स्थानीय राजस्व अमले की निष्क्रियता के चलते नर्मदा का सीना दिन-रात पोकलेन मशीनों से छलनी किया जा रहा है, जबकि शासन को प्रतिदिन लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन खदानों में भारी मशीनों के उपयोग पर प्रतिबंध है, वहां खुलेआम पोकलेन मशीनें नदी की जलधारा तक उतारी जा रही हैं। रात-दिन सैकड़ों ओवरलोड डंपर घाटों से निकल रहे हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकताएं निभाई जा रही हैं। सूत्रों के अनुसार सुलगांव, जलूद, पीटामली, बेहगांव, गंगातखेड़ी, कपास्तल, लेपा, अमलाथा, माकड़खेड़ा और जलकोटी सहित कई घाटों पर अवैध उत्खनन चरम पर पहुंच चुका है। रेत माफिया नदी के भीतर अस्थायी रास्ते बनाकर मशीनों को सीधे पानी तक पहुंचा रहे हैं। इससे नर्मदा के प्राकृतिक स्वरूप को गंभीर नुकसान पहुंच रहा है। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि इस तरह का अंधाधुंध उत्खनन भविष्य में नदी के अस्तित्व और जलस्तर दोनों के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है।

कलेक्टर से उम्मीद : अब क्षेत्र की जनता की उम्मीदें जिला कलेक्टर भव्या मित्तल पर टिकी हुई हैं। लोगों को भरोसा है कि कलेक्टर स्वयं मामले की गंभीरता को समझते हुए नर्मदा तटों का निरीक्षण करेंगी, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करेंगी और अवैध रेत कारोबार पर सख्त कार्रवाई कर इस संगठित सिंडिकेट पर लगाम लगाएंगी।

जानकारी यह भी सामने आ रही है कि रेत माफियाओं ने अब 'टोकन सिस्टम' के जरिए अपना अलग नेटवर्क खड़ा कर लिया है। घाटों पर तैनात गुर्गे अवैध रूप से वाहनों से वसूली कर टोकन जारी कर रहे हैं और उन्हीं टोकनों के आधार पर डंपरों को सुरक्षित निकासी दी जा रही है। शासन की रॉयल्टी के बजाय माफियाओं की समानांतर वसूली व्यवस्था तेजी से फल-फूल रही है। अवैध रेत परिवहन के कारण ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कें भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रही हैं। ओवरलोड डंपरों की लगातार आवाजाही से सड़कें टूट रही हैं और हादसों का खतरा बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि प्रशासन चाहे तो कुछ ही दिनों में इस पूरे अवैध नेटवर्क को खत्म किया जा सकता है, क्योंकि घाटों पर हो रही गतिविधियां किसी से छिपी नहीं हैं।

सेंधवा के वार्ड 14 में सुरक्षा और जागरूकता का दिया संदेश

आमजन से समन्वय के लिए पुलिस ने किया जनसंवाद

विनय उजाला

सेंधवा (बड़वानी),निप्र। पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा नागरिकों को सुरक्षा संबंधी विषयों पर जागरूक करने के उद्देश्य से आज सेंधवा शहर के वार्ड क्रमांक 14 में पुलिस जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी अजय वाघमारे एवं थाना प्रभारी दिनेश सिंह कुशवाह ने वार्डवासियों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा विभिन्न सामाजिक एवं सुरक्षा संबंधी विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी। एसडीओपी वाघमारे ने कहा कि अनजान कॉल, फर्जी लिंक और ओटीपी साझा करने जैसी लापरवाहियां आर्थिक अपराधों का कारण बन सकती हैं। उन्होंने लोगों से साइबर ठगी से बचने हेतु सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की।

वहीं थाना प्रभारी दिनेश सिंह कुशवाह ने महिला एवं बालिका सुरक्षा को पुलिस की प्राथमिकता बताते हुए निर्भया मोबाइल एवं अन्य पुलिस हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पुलिस निरंतर सक्रिय है।

जनसंवाद के दौरान नशा मुक्ति अभियान को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। युवाओं से नशे से दूर रहने तथा क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार की जानकारी पुलिस को देने की अपील की गई। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट लगाने तथा मोहल्ले की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने हेतु प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में वार्ड पार्षद पति इमलुद्दीन मंसूरी, सदर वसीम खान सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, युवा एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने कहा 'पुलिस आपकी मित्र है। जनसंवाद का उद्देश्य जनता के मन से पुलिस का भय दूर करना और अपराधियों में कानून का खौफ पैदा करना है।

जल गंगा संवर्धन : कुन्दा नदी के संरक्षण के लिए किया श्रमदान

विनय उजाला

खरगोन, निप्र। कुन्दा नदी के गणेश मंदिर घाट पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत श्रमदान एवं सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, एसडीएम वीरेंद्र कटारे, सीएमओ सुश्री कमला कौल की उपस्थिति रही। उनके साथ गायत्री परिवार, पत्रकार बंधु तथा मध्यप्रदेश शिक्षक सेवक संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य सक्रिय रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर सभी ने मिलकर घाट क्षेत्र की व्यापक सफाई की तथा नदी को स्वच्छ एवं संरक्षित रखने का संकल्प लिया।

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जल स्त्रोतों का संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। ऐसे अभियानों से जनजागरूकता बढ़ती है और सामूहिक सहभागिता से ही स्थायी परिणाम प्राप्त होते हैं।

गायत्री परिवार एवं शिक्षक सेवक संघ के सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार साझा करते हुए नियमित स्वच्छता एवं वृक्षारोपण की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागियों ने कुंदा नदी को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाए रखने की शपथ ली।

सोमनाथ से सिंदूर तक : पुनरुत्थानशील भारत की भावना

75 वर्ष पहले किया गया भव्य सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और प्राण-प्रतिष्ठा भारत के सभ्यतागत गौरव की पुनर्स्थापना का निर्णायक क्षण था। इसने भारत की उस दृढ़ता और संकल्प को पुन: स्थापित किया, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' मिशन का मूल आधार है।

इस पवित्र उपलब्धि की 75वीं वर्षगांठ राष्ट्र को भारतीय सभ्यता की मजबूत नींव और शक्ति पर सर्वोच्च विश्वास प्रदान करती है, जो 1,000 वर्षों तक कट्टरपंथियों द्वारा मंदिर पर किए गए भीषण हमलों को झेलने के बाद भी और अधिक सशक्त होकर उभरी।

गुजरात के शांत समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर हर आक्रमण के बाद खंडहरों से अपनी पूरी भव्यता के साथ फिर उठ खड़ा हुआ। कई मायनों में इसका इतिहास भारत के अतीत का प्रतिबिंब है, जहाँ हमारे शांतिप्रिय लोगों ने अपनी आस्था, संस्कृति और विरासत पर हुए क्रूर हमलों के बाद फिर से मजबूती से वापसी की।

जैसा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, जिस प्रकार सोमनाथ को नष्ट करने के लिए बार-बार षड्यंत्र और प्रयास हुए, उसी प्रकार विदेशी आक्रमणकारियों ने सदियों तक भारत को समाप्त करने की कोशिश की। फिर भी न तो यह पूजनीय तीर्थ नष्ट हुआ और न ही भारत।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सोमनाथ पर हमलों का उद्देश्य लूटपाट से ज़्यादा खतरनाक था। उन्होंने कहा, यदि हमले केवल लूट के लिए होते, तो एक हजार वर्ष पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही रुक गए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ की पवित्र मूर्ति को अपवित्र किया गया, मंदिर के स्वरूप को बार-बार बदला गया। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को केवल लूट के लिए नष्ट किया गया था। घृणा, उत्पीड़न और आतंक का यह क्रूर इतिहास हमसे छिपाया गया।

नेहरू का विरोध : स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण के मिशन का नेतृत्व किया। यह नवस्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय आत्मविश्वास की प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में से एक था। लेकिन इस प्रयास की राह में भी मुश्किलें आईं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके ऐतिहासिक लोकार्पण समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने का औपचारिक तौर पर विरोध किया। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने 11 मई 1951 को मंदिर का लोकार्पण किया।

सदियों के क्रूर उत्पीड़न के बाद इस पुनर्निर्माण ने भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सभ्यता पर गर्व के बीज बोए। काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के पुनरुद्धार से लेकर अयोध्या में भव्य राम मंदिर तक; केदारनाथ के पुनर्जीवन से लेकर असंख्य धरोहर स्थलों के संरक्षण तक — भारत अपनी सभ्यता की कहानी को गरिमा और उद्देश्य के साथ पुन: स्थापित कर रहा है। इन प्रयासों से पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं व्यापार के अनेक अवसरों का सृजन हो रहा है।

वैश्विक पहचान : सोमनाथ की ही भांति भारत भी और अधिक सशक्त होकर उभरा है। यह विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिकता के अद्वितीय संगम के लिए वैश्विक पहचान बना रहा है। 2014 में जब देश भारी बहुमत से मोदी सरकार को सत्ता में लाया, तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रिकॉर्ड

पीयूष गोयल

दैनिक विनय उजाला

175 देशों के समर्थन से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया। योग आज एक वैश्विक वेलनेस मुहिम बन चुका है, जिसने दुनिया की सभी संस्कृतियों के लोगों को लाभ पहुंचाया है।

एक दशक बाद, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पश्चिम एशिया में संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा उपहार में दी गई भूमि पर बने एक भव्य मंदिर का लोकार्पण किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने बहरीन में 200 वर्ष पुराने मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ किया था। वह नियमित रूप से प्रवासी भारतीयों से संवाद करते हैं जिससे वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली दूत बन जाते हैं।

आयुष और योग का वैश्वीकरण : भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से जुड़े पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का सृजन करना, हाल के वर्षों में भारत द्वारा विकसित देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हमारे कारीगरों, श्रमिकों, किसानों, मछुआरों, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए लाभकारी वैश्विक अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ ये समझौते प्रधानमंत्री के विकास भी, विरासत भी के विजन को आगे बढ़ाते हैं।

हाल ही में न्यूजीलैंड के साथ संपन्न एफटीए पारंपरिक चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं में भारत की वैश्विक पहुँच में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें आयुष चिकित्सकों और योग प्रशिक्षकों के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक एवं ज्ञान-आधारित पेशेवरों को न्यूजीलैंड में कार्य करने के लिए वीजा कोटा प्रदान किया गया है।

यह एफटीए आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है तथा आयुष को समकालीन और वैश्विक रूप से प्रासंगिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित करता है।

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए व्यापार समझौतों में भी इसी प्रकार के प्रावधान हैं। यूरोपीय संघ के साथ एफटीए आयुष चिकित्सकों को भारत में प्राप्त व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय देशों में सेवाएँ देने की अनुमति देगा। यह यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में आयुष वेलनेस सेंटर और क्लीनिक बनाने में भी मदद करता है।

नई चुनौतियों पर विजय : जहाँ एक ओर भारत की सांस्कृतिक विरासत दुनिया का ध्यान आकृष्ट कर रही है, वहीं देश कट्टरपंथियों के निशाने पर बना हुआ है, जो आतंकवाद और घुसपैठ के माध्यम से भारत की सामंजस्यपूर्ण विरासत को बिगाड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत ऐसी चुनौतियों का ज़ोरदार जवाब देता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत ने आतंकवादियों और सीमा पार मौजूद उनके संरक्षकों को करारा सबक सिखाया। हाल के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने उन दलों को नकार दिया, जो घुसपैठियों का समर्थन कर रहे थे, वोट-बैंक की राजनीति कर रहे थे और भारत की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर और सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, दोनों की वर्षगांठ में कुछ ही दिनों का अंतर है। ये दोनों ही भारत की दृढ़ता और शक्ति को दर्शाती हैं।

सोमनाथ की कहानी अंतत: राजनीति से कहीं आगे है। यह एक ऐसी सभ्यता की दास्तान है, जिसने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। अपने पुनर्निर्माण के 75 वर्ष बाद, आज सोमनाथ केवल मंदिर नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ता, निरंतरता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का कालजयी प्रतीक बनकर खड़ा है।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं।)

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान में 650 गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

180 हाई रिस्क गर्भवतियों को विशेष उपचार व परामर्श प्रदान किया गया

विदिशा। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत संचालित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले में 09 मई को विशेष स्वास्थ्य जांच एवं उपचार शिविर आयोजित किए गए। कलेक्टर अंशुल के निर्देशन में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है। अभियान के दौरान जिले के विभिन्न शासकीय चिकित्सालयों एवं स्वास्थ्य केंद्रों पर लगभग 650 गर्भवती महिलाओं की विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच की गई। जांच के दौरान महिलाओं के स्वास्थ्य की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में 180 चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेष रूप से जांच कर उन्हें आवश्यक उपचार प्रदान किया गया। हाई रिस्क गर्भवतियों को एफसीएम एवं आयरन सुक्रोस लगाए गए, ताकि गर्भावस्था के दौरान एनीमिया एवं अन्य जटिलताओं को नियंत्रित किया जा सके। सीएमएचओ डॉ रामहित कुमार ने बताया कि अभियान के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व, संतुलित आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा सुरक्षित प्रसव संबंधी आवश्यक जानकारी एवं परामर्श भी दिया गया। साथ ही गर्भावस्था के दौरान सावधानियों और संस्थागत प्रसव के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जिले की प्रत्येक गर्भवती महिला को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों और हाई रिस्क मामलों की निरंतर निगरानी कर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जा सके।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का सम्पर्क अभियान, 374 से अधिक शिविरों में 14 मई को शिकायतों का त्वरित निराकरण होगा

विदिशा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान और बिजली संबंधी सेवाएं उनके परिसर के नजदीक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 14 मई से पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र में 'सम्पर्क अभियान 2026' का शुभारंभ किया जा रहा है। 12 माह तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाएं प्रदान की जाएंगी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उनको त्वरित सेवाएं और समाधान उपलब्ध कराते हुए उपभोक्ता संतुष्टि में वृद्धि कर कंपनी के कामकाज को उपभोक्ता उन्मुखी बनाना है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया है कि संपर्क अभियान के दौरान आयोजित किये जाने वाले शिविरों में उपभोक्ताओं को त्रुटिपूर्ण बिल, मीटर रीडिंग और अन्य बिलिंग संबंधी शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जाएगा। साथ ही मात्र 5 रुपये में नवीन ग्रामीण घरेलू एवं कृषि पम्प कनेक्शन प्रदान किये जाएंगे साथ ही भार वृद्धि, नाम परिवर्तन, श्रेणी परिवर्तन, स्थाई कनेक्शन विच्छेदन, अस्थायी कनेक्शन, ई-केवायसी और अनापत्ति प्रमाण-पत्र (ह्लह्ष्), बंद/खराब मीटर बदलना, स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायतें, सर्विस केबल सुधार, वोल्टेज की समस्या और ट्रांसफार्मर से जुड़ी शिकायतों, बिजली बिलों का आंशिक एवं पूर्ण भुगतान, अग्रिम भुगतान पर छूट, बकाया राशि भुगतान, समाधान योजना तथा अन्य जनहितैषी योजनाओं की जानकारी और लाभ प्रदान करने की सुविधाएं मिलेंगी।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना ने पूरे किए जन-सुरक्षा के 11 वर्ष

प्रधानमंत्री की जन-सुरक्षा योजनाएं ऐतिहासिक पहल : डॉ. यादव

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2015 में प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक और जनहितकारी पहल सिद्ध हुई हैं। इन योजनाओं ने गरीब, वंचित, श्रमिक, किसान एवं निम्न आय वर्ग के करोड़ों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन-सुरक्षा की इन तीनों योजनाओं ने सफलतापूर्वक सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के 11 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक कम लागत में बीमा और पेंशन सुविधाएं पहुंचाना है। मध्यप्रदेश में भी राज्य सरकार द्वारा बैंकिंग संस्थाओं, डाकघरों एवं संबंधित विभागों के समन्वय से योजनाओं का लाभ अधिकाधिक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से नागरिकों को अत्यंत कम प्रीमियम पर जीवन बीमा सुरक्षा उपलब्ध हो रही है। योजना के अंतर्गत किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये तक का जीवन बीमा कवर प्रदान किया जाता है। इस योजना में 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के बैंक खाताधारक शामिल हो सकते हैं। योजना का वार्षिक प्रीमियम मात्र 436 रुपये है, जिसे ऑटो-डेबिट के माध्यम से खातों से जमा किया जाता है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में अप्रैल 2026 तक के अंतर्गत देशभर में 27.43 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं तथा 10 लाख 75 हजार से अधिक दावों के लिए 21 हजार 512 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। योजना के अंतर्गत 12.72 करोड़ महिलाओं तथा 8.09 करोड़ प्रधानमंत्री जन-धन खाताधारकों का नामांतर हुआ है।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से सहारा

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना दुर्घटना की स्थिति में गरीब एवं सामान्य परिवारों के लिए बड़ा आर्थिक संबल बनकर उभरी है। इस योजना में दुर्घटना से मृत्यु अथवा स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में 2 लाख रुपये तथा आंशिक दिव्यांगता की स्थिति में 1 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है। योजना में 18 से 70 वर्ष आयु वर्ग के बैंक खाताधारक शामिल हो सकते हैं और इसका वार्षिक प्रीमियम मात्र 20 रुपये है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के अंतर्गत अप्रैल 2026 तक 58.09 करोड़ से अधिक नामांकन किए जा चुके हैं तथा 1 लाख 84 हजार से अधिक दावों के लिए 3 हजार 667 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है। योजना के अंतर्गत 27.45 करोड़ महिलाओं तथा 19.30 करोड़ प्रधानमंत्री जन-धन खाताधारकों ने नामांकन कराया है।

मध्यप्रदेश में लाखों परिवारों को मिल रहा आर्थिक सुरक्षा कवच

▪ **अटल पेंशन योजना से आर्थिक सुरक्षा :** अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, गरीबों एवं निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा का मजबूत माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे बैंक खाताधारक, जो आयकरदाता नहीं हैं, शामिल हो सकते हैं। योजना में किए गए अंशदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु के बाद 1 हजार रुपये से 5 हजार रुपये तक की गारंटीकृत मासिक पेंशन प्रदान की जाती है।

▪ अटल पेंशन योजना के अंतर्गत ग्राहक की मृत्यु के बाद उसके जीवनसाथी को पेंशन का लाभ मिलता है तथा उसके पश्चात संचित राशि नामांकित व्यक्ति को प्रदान की जाती है। योजना में मासिक, त्रैमासिक और अर्धवार्षिक आधार पर अंशदान की सुविधा उपलब्ध है। अटल पेंशन योजना में अप्रैल 2026 तक 9.04 करोड़ से अधिक लोग नामांकन करा चुके हैं तथा योजना में महिलाओं की भागीदारी लगभग 49 प्रतिशत है।

योजनाओं के मुख्य बिंदु

- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना
- यह सामाजिक सुरक्षा योजना वर्ष 2015 में प्रारंभ की गई
- योजना 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के बैंक खाताधारकों के लिए लागू
- किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर
- योजना का वार्षिक प्रीमियम मात्र 436 रुपये
- प्रीमियम राशि जमा करने के लिए बैंक खाते से ऑटो-डेबिट की सुविधा
- प्रतिवर्ष किया जा सकता है योजना का नवीनीकरण
- देश में 29 अप्रैल 2026 तक 27.43 करोड़ से अधिक नामांकन
- 12.72 करोड़ से अधिक महिला हितग्राही योजना से जुड़ीं
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना
- योजना वर्ष 2015 में प्रारंभ की गई
- इस योजना में दुर्घटना बीमा सुरक्षा प्रदान की जाती है
- योजना 18 से 70 वर्ष आयु वर्ग के बैंक खाताधारकों के लिए लागू
- दुर्घटना में मृत्यु अथवा पूर्ण स्थायी दिव्यांगता पर 2 लाख रुपये का बीमा कवर
- आंशिक स्थायी दिव्यांगता पर 1 लाख रुपये की सहायता
- वार्षिक प्रीमियम मात्र 20 रुपये
- 10.75 लाख से अधिक दावों के लिए 21,512 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान
- 10.75 लाख से अधिक दावों के लिए 21,512 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतानप्रीमियम ऑटो-डेबिट सुविधा के माध्यम से जमा
- 10.75 लाख से अधिक दावों के लिए 21,512 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान29 अप्रैल 2026 तक 58.09 करोड़ से अधिक नामांकन

सहकारी बैंकों को बनाएं जवाबदेह और किसान हितैषी : यादव

अपैक्स बैंक के प्रशासक ने ग्वालियर-चंबल संभाग के सहकारी बैंकों के अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर, (हि.स.)। मध्य प्रदेश में सहकारी बैंकों व संस्थाओं को अधिक सक्रिय, जवाबदेह एवं किसान हितैषी बनाएं। साथ ही सभी अधिकारी विभागीय समन्वय बनाकर निर्धारित लक्ष्यों की समय पर पूर्ति सुनिश्चित करें। यह निर्देश अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने रविवार को ग्वालियर व चंबल संभाग के सभी जिलों के सहकारी बैंकों के अधिकारियों की बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुरूप किसानों को समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाए। साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समयबद्ध तरीके से पहुँचाना सुनिश्चित करें।

रविवार को जिला पंचायत के सभागार में हुई बैठक में अपेक्स बैंक के प्रशासक यादव ने सहकारी संस्थाओं को किसानोपयोगी बनाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सदस्यता महा अभियान को और प्रभावी बनाने बनाएं। उन्होंने कहा किसानों से समन्वय बनाकर वसूली में तेजी लाकर बैंकों की स्थिति मजबूत करें, जिससे अधिक से अधिक किसानों को कृषि संबंधी प्रयोजन के लिये ऋण उपलब्ध कराया जा सके।

बैठक में सदस्यता महा अभियान की दैनिक प्रगति, वर्ष 2025-26 में वितरित अल्पावधि फसल ऋण की वसूली तथा खरीफ 2026 के लिए अल्पावधि फसल ऋण वितरण के लक्ष्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। साथ ही जिला सहकारी बैंक की शाखाओं एवं प्राथमिक कृषि सहकारी संस्थाओं (पैक्स) के माध्यम से टर्म ऋण स्वीकृति और वितरण की स्थिति पर भी चर्चा हुई।

बैठक में पैक्स के अंतर्गत संचालित बहुउद्देशीय व्यावसायिक गतिविधियों की प्रगति, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध उपलब्धियों का आंकलन तथा समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में अपैक्स बैंक भोपाल से आए वरिष्ठ अधिकारी राजकुमार गंगेले एवं जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक ग्वालियर के सीईओ हिमांशु खाड़े सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के सहकारी बैंकों के अधिकारी मौजूद थे।

माँ

ईना कुमावत
(उदयपुर, राज.)

दैनिक विनय उजाला

चार दीवारी में रहकर
भी तुमने हमें आसमान
दिया,
खुद की उड़ान थाम ली
तुमने और हमें खुलकर
उड़ना सिखा दिया।

तुम्हारी हथेलियों की
लकीरों में संघर्षों का
इतिहास लिखा था,
उन्हीं लकीरों से तुमने
हमारे लिए आसान रास्ता रचा था।

बेलन की जगह जो कलम थमाई,
वो सिर्फ साधन नहीं- पहचान बनी,
तुम्हारे अधूरे ख्वाबों की रोशनी में ही
हमारी हर सुबह, हर शाम सजी।

आधा जीवन धूप में जिया तुमने
आधा हमें छाँव में ढाल दिया
सच कहें माँ-तुम्हारे हर त्याग ने
हमारा कल सँवार दिया।

आज जब हम खुलकर जीते हैं तो
तुम्हारी आँखों में सुकून दिखता है,
हमारी हर मुस्कान में जैसे
तुम्हारा ही सपना खिलता है।

कभी डर भी लगता है माँ...
इतना संजोया है तुमने हमें,
कि कहीं अकेले संघर्षों में
हम कमज़ोर न पड़ जाएँ कहीं।

पर फिर याद आता है
तुमने ही तो गिरकर संभलना सिखाया,
तो हम तुम्हारी ही संतान हैं,
हर तूफ़ान में मुस्कुराना अपनाया।

हम तीनों तुम्हारी परछाई हैं
तुम्हारी सीखों की गहराई हैं,
हमारे हर कदम, हर फैसले में
बस तुम्हारी ही सच्चाई है।

माँ आशा... तुम नाम नहीं, विश्वास हो,
हर अँधेरे में जगती एक आस हो,
तुम्हारी किरणों से ही तो
हमारे हर सपने में उजास हो।

तुमसे मिली सीखों को हम
पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाएँगे,
तुम्हारे दिए हौसलों से ही
नई दुनिया हम सजाएँगे।

रहो सदा स्वस्थ, मुस्कुराती हुई
यही हमारी हर दुआ, हर प्रार्थना है,
तुम्हारी छाया में ही माँ
हमारा हर कल सुरक्षित, सुनहरा है।

तुम कैद नहीं थीं माँ... तुम वो शक्ति थीं-
जिसने सीमाओं में रहकर भी हमें बेपनाह उड़ान
दी, तीन जिंदगियाँ ही नहीं,
पूरी पीढ़ियों को पहचान दी।

भोपाल से कुरवाई तक चलेगा स्वच्छता अभियान

बेतवा को पुनर्जीवित करने मुहिम शुरू, झिरी में जुटे विशेषज्ञ

भोपाल, (हि.स.)। राजधानी भोपाल के समीप ग्राम झिरी स्थित बेतवा नदी के उद्‌गम स्थल को नया जीवन देने और इसे प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए रविवार से एक बड़ी मुहिम की शुरुआत हुई। 'बेतवा अध्ययन एवं जनजागरण समूह' के तत्वावधान में आयोजित बैठक में भोपाल और इंदौर के कई सेवानिवृत्त अधिकारी, पर्यावरण विशेषज्ञ और प्रकृति प्रेमी एकत्रित हुए। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सूखे की मार झेल रहे उद्गम स्थल को पुनर्जीवित करना और नदी के प्रवाह क्षेत्र में स्वच्छता सुनिश्चित करना है।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के पूर्व आयकर आयुक्त आर.के. पालीवाल के नेतृत्व में कोलार डैम के पास आयोजित इस बैठक में तय किया गया कि भोपाल से लेकर कुरवाई तक नदी के किनारे स्थित गांवों और कस्बों में सघन स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में वन विभाग के पूर्व अधिकारियों के साथ-साथ स्थानीय वन समितियां भी जुड़ गई हैं। उल्लेखनीय है कि जल संरक्षण के लिए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा नियुक्त एडवोकेट मनीष विजयवर्गीय और डॉ. सुरेश गर्ग जैसे विशेषज्ञ भी इस मुहिम का हिस्सा बने हैं।

बेतवा के प्रति लोगों को जागरूक कर रहा समूह : समूह द्वारा यह प्रयास निरंतर किया जा रहा है। फरवरी-मार्च 2023 में बेतवा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एक सात दिवसीय यात्रा भी निकाली गई थी, जिसमें नदी किनारे के दो दर्जन गांवों और आधा दर्जन शहरों के विद्यार्थियों व नागरिकों से चर्चा की गई थी। वर्ष 2025 में जब बेतवा का उद्गम पूरी तरह सूख गया था, तब जन-सहभागिता के माध्यम से महज एक सप्ताह के श्रमदान से 55 चेक डैम बनाए गए थे, जिससे नदी आंशिक रूप से पुनर्जीवित हुई थी।

10 से 16 मई तक 'श्रमदान सप्ताह' का आयोजन

इस वर्ष की कार्ययोजना के तहत 10 से 16 मई तक 'श्रमदान सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है। पिछले साल की तुलना में इस बार और अधिक संख्या में चेक डैम बनाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि बारिश के पानी को रोककर भूजल स्तर बढ़ाया जा सके। इस अभियान में भोपाल, विदिशा, सीहोर, बैतूल और इंदौर से आए प्रकृति प्रेमी अपनी सेवाएं देंगे। प्रशासन और विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार की जन-भागीदारी से न केवल नदी का अस्तित्व बचेगा, बल्कि भविष्य में जल संकट से भी प्रभावी ढंग से निपटा जा सकेगा।

अमानक बीज विक्रेताओं के 10 लाइसेंस निरस्त

विनय उजाला

विदिशा। जिले में कृषि विभाग द्वारा बीज विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए वर्ष 2025-26 में अमानक एवं नियम विरुद्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए गए 10 बीज विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त एवं निलंबित किए गए हैं। यह कार्रवाई किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उपलब्ध कराने तथा कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के विभिन्न विकासखंडों में संचालित बीज विक्रेताओं की जांच के दौरान अनियमितताएं पाई गईं। इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संबंधित प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निरस्त किए गए। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि किसानों के हितों से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा अमानक बीज विक्रय करने वालों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। कार्रवाई के अंतर्गत लटेरी, कुरवाई, बासौदा, विदिशा एवं ग्यारसपुर विकासखंड के बीज विक्रेता शामिल हैं। इनमें कृषि सेवा केंद्र, एग्रीसीड्स कंपनी, किसान बीज भंडार एवं अन्य निजी बीज विक्रेता प्रतिष्ठानों के नाम सम्मिलित हैं। उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों को प्रमाणित एवं गुणवत्तापूर्ण बीज ही अधिकृत विक्रेताओं से खरीदना चाहिए। साथ ही बीज क्रय करते समय पक्का बिल लेना अनिवार्य है ताकि किसी प्रकार की शिकायत होने पर उचित कार्रवाई की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

परीक्षा केंद्रों में लापरवाही पर तीन पर्यवेक्षक निलम्बित, तीन केंद्राध्यक्ष-सहायक केंद्राध्यक्षों की 2-2 वेतन वृद्धि रोकी

देवास,निप्र। प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी देवास ने बताया कि 9 मई को आयोजित कक्षा 12वीं की रसायनशास्त्र विषय की परीक्षा में परीक्षा केंद्र राधाबाई उ मा वी देवास के कक्ष क्रमांक 1 में छात्र के द्वारा मोबाइल से नकल करने का प्रयास किया गया, जिसे विकासखंड स्तरीय दल के द्वारा जप्त कर पंचनामा बनाया गया। इसके साथ ही नकल प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इस मामले में कक्ष पर्यवेक्षक समंदर सिंह एरवाल को कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्र द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया और केंद्राध्यक्ष मनोहर सोलंकी तथा सहायक केंद्राध्यक्ष राकेश मुजाल्दा 2 वेतन वृद्धि रोकने के प्रस्ताव का कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। इसी प्रकार सीसीटीवी जिला कंट्रोल रूम में यह पाया गया कि टोंकखुर्द विकासखंड के दो परीक्षा केंद्रों में उत्कृष्ट टोंकखुर्द तथा अशासकीय शाला एमिनेन्स में छात्र परस्पर बातचीत करते एवं उत्तर पुस्तिका बदलते पाए गए, जिससे उत्कृष्ट टोंकखुर्द के कक्ष क्रमांक 8 के पर्यवेक्षक रेणुका कुशवाहा प्राथमिक शिक्षक को निलंबित किया और केंद्राध्यक्ष पुरुषोत्तम सिसोदिया तथा सहायक केंद्राध्यक्ष लखन सिंह परमार को 2 वेतनवृद्धि रोकने का शोकाज नोटिस जारी किया गया। अशासकीय शाला एमिनेन्स के कक्ष 3 के पर्यवेक्षक नरेन्द्र कुमार जोझा को निलंबित किया गया तथा केंद्राध्यक्ष हेमचंद्र आर्य और सहायक केंद्राध्यक्ष कविता चौरसिया को 2 वेतन वृद्धि रोकने का शोकाज नोटिस जारी किया गया। कलेक्टर सिंह के द्वारा परीक्षा की सुचारू रूप से संचालन के लिए निरीक्षण दालों का गठन किया गया है तथा जिले के समस्त 16 परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कमरे लगाए गए हैं, जिनकी सतत निगरानी माशिमं भोपाल, संयुक्त संचालक कार्यालय उज्जैन और जिला कंट्रोल रूम द्वारा की जा रही है।

'एक शाम स्वच्छता के नाम' : प्रस्तुतियों के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

देवास, निप्र। नगर निगम द्वारा निरंतर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है इसी कड़ी में निगम आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशानुसार शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य स्वरूप सयाजी द्वार चौपाटी पर 'एक शाम स्वच्छता के नाम' कार्यक्रम का आयोजन शनिवार शाम 7 को किया गया। कार्यक्रम में संस्था ओम साई विज़न द्वारा स्वच्छता गीत-संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से माहौल को स्वच्छतमय किया, गायन टीम द्वारा मनमोहक प्रस्तुति से उपस्थित लोगों ने भरपूर मनोरंजन उठाया मन को आनंदित किया। वहीं म्यूजिकल ग्रुप सोनू द बीस्ट द्वारा वाद्य यंत्रों की आकर्षक एवं ऊर्जावान प्रस्तुति कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का केंद्र रही। ग्रुप की प्रस्तुति से उपस्थित नागरिक मंत्रमुग्ध हो गए और कार्यक्रम स्थल उत्साह एवं तालियों से गूंज उठा। टीम द्वारा स्वच्छता आधारित संदेशों के जरिए नागरिकों को गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग देने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने तथा अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम अधिकारी /कर्मचारी , स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर महेश सोनी, स्वच्छ भारत मिशन से अरुण तोमर, संस्था ओम साईं विज़न से मिथलेश चौकसे, शहनवाज शेख, मुकेश सोलंकी सहित फीडबैक फाउंडेशन आईईसी टीम एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर द्वारा नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 -26 में देवास को फिर से नंबर 1 बनाने का संकल्प लिया।

गौरक्षा सेना ने गंदे पानी के टैंक में गिरे नंदी का किया रेस्क्यू, बचाई जान

शाजापुर, निप्र। बेजुबान जानवरों की रक्षा के लिए शहर के युवा लगातार अदम्य साहस और सेवाभाव की मिसाल पेश कर रहे हैं। शहर में गौरक्षा सेना के सदस्यों ने तत्परता दिखाते हुए गंदे और बदबूदार पानी के गहरे टैंक में गिरे एक नंदी का सफल रेस्क्यू कर उसकी जान बचाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार प्रात: करीब 8 बजे गौरक्षा सेना बरवाल टीम को सूचना मिली थी कि कौटिल्य स्कूल के पीछे और विनायक कोल्ड स्टोर के पास बने एक पानी के टैंक में नंदी गिर गए हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए सूचना मिलते ही गौरक्षा सेना के सदस्य बिना समय गंवाए तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए। टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा कि टैंक में काफी गंदा और बदबूदार पानी भरा हुआ था, जिसमें नंदी बुरी तरह फंसे हुए थे और बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहे थे। इन विषम परिस्थितियों के बावजूद गौरक्षा सेना के सदस्यों ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने तुरंत रस्सियों का इंतजाम किया और भारी मशक्कत के बाद सुरक्षित तरीके से नंदी को टैंक से बाहर निकाल लिया। नंदी की जान बचाने वाले इस रेस्क्यू अभियान में गौरक्षा सेना बरवाल टीम के अर्जुन राजपूत, राजपाल राजपूत, कुलदीप, विशाल, युवराज और बबलू सहित टीम के अन्य सदस्यों की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।

खरीफ बोनी के लिए प्रदेश में खाद का पर्याप्त भंडार उपलब्ध

आगर मालवा। खरीफ फसलों की बोनी की तैयारी को लेकर प्रदेश में किसानों के लिए खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 6.40 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.57 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 3.56 लाख मीट्रिक टन एनपीके तथा 3.50 लाख मीट्रिक टन एसएसपी खाद उपलब्ध है। इस प्रकार डीएपी एवं एनपीके मिलाकर कुल 5.13 लाख मीट्रिक टन खाद का भंडारण उपलब्ध है। वैश्विक परिस्थितियां विषम होने के बावजूद भारत सरकार द्वारा प्रदेश में उर्वरकों की आपूर्ति तय कार्यक्रम के अनुसार लगातार एवं निर्बाध रूप से की जा रही है। प्रदेश में उपलब्ध खाद की जानकारी सोसायटीवार, मार्कफेड के डबल लॉक केंद्रवार तथा निजी दुकानवार ई-विकास पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। किसान भाइयों से अपील की गई है कि वे अपनी आवश्यकता अनुसार खाद की बुकिंग ई-विकास पोर्टल के माध्यम से अपनी सोसायटी अथवा मनपसंद दुकान से कर सकते हैं तथा बुकिंग उपरांत सुविधानुसार खाद प्राप्त कर सकते हैं। ई-विकास प्रणाली में राजस्व पट्टाधारी, वन पट्टाधारी, सिकमी किसान, शारीरिक रूप से अक्षम किसान, वृद्ध किसान, मृतक किसान के वारिसान तथा धार्मिक संस्थान एवं ट्रस्ट की भूमि के लिए भी खाद उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान की गई है।

सकारात्मक सोच के साथ शाजापुर पुलिस ने की एक अनूठी पहल

ब्राइटर माइंड्स कोर्स से करेंगे बच्चों का सर्वांगीण विकास

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। पुलिस का काम सिर्फ कानून व्यवस्था संभालना ही नहीं, बल्कि समाज के नौनिहालों का भविष्य संवारना भी है। इसी सकारात्मक सोच को चरितार्थ करते हुए शाजापुर पुलिस ने रविवार 10 मई को एक अनूठी पहल की शुरुआत की। बच्चों के मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास को नई उड़ान देने के उद्देश्य से पुलिस लाइन में ब्राइटर माइंड्स कोर्स 2026 के प्रथम बैच का शुभारंभ किया गया। पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक वंदना सिंह ने किया। पुलिस लाइन स्थित दिशा लर्निंग हॉल परिसर के मीटिंग हॉल में शुरू हुए इस कोर्स के पहले दिन लगभग 50 बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस दौरान पुलिस विभाग द्वारा बच्चों का निशुल्क पंजीयन भी किया गया।

खेल-खेल में सीखेंगे एकाग्रता और जीवन के गुर

इस कोर्स को विशेष रूप से इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चे बिना किसी मानसिक दबाव के, खेल-खेल में अपनी क्षमताओं को निखार सकें। कोर्स के दौरान बच्चों को कई रोचक और ज्ञानवर्धक गतिविधियां करवाई जाएंगी। इनमें प्रमुख रूप से ब्लाइंड फोल्ड एक्टिविटी, सक्सेस की, आई एक्सरसाइज, ब्रेन एक्सरसाइज और ब्रीदिंग एक्सरसाइज शामिल हैं। इसके अलावा बच्चों के मनोरंजन और सीखने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए फन वीडियो, डांस, डेमो वीडियो और आइडेंटिफिकेशन डेमो स्टेप जैसी नवीन तकनीकों का भी उपयोग किया जाएगा। उद्घाटन अवसर पर बच्चों में कुछ नया सीखने को लेकर भारी उत्साह और विशेष जिज्ञासा देखने को मिली। पुलिस विभाग द्वारा किए जा रहे इस नवाचारपूर्ण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सकारात्मक मार्गदर्शन प्रदान कर उनका सर्वांगीण विकास करना है। इस पूरे ब्राइटर माइंड्स कोर्स में बच्चों को प्रशिक्षित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी ट्रेनर सूबेदार दीपिका डावर, महिला प्रधान आरक्षक राधिका सक्सेना और महिला आरक्षक साक्षी शुक्ला संभालेंगी, जिनका इस कार्यक्रम में विशेष योगदान रहेगा।

दो सड़क हादसों में चार लोग घायल, एक रिटायर्ड कर्मचारी की मौत

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। जिले से गुजरने वाले नेशनल हाईवे-52 पर हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक सेवानिवृत्त कर्मचारी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि गर्मियों की छुट्टियां मनाने जा रहे एक ही परिवार के चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

दोनों ही घटनाओं में आरोपी चालक टक्कर मारने के बाद अपने वाहनों सहित मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहला हादसा उकावता पुलिस चौकी क्षेत्र में गिरी पेट्रोल पंप के समीप रविवार सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच घटित हुआ। इंदौर से गुना की ओर जा रही एक कार को पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि कार पूरी तरह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी खंती में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार पंकज शर्मा, उनकी पत्नी भारती शर्मा और दो बच्चे पार्थ व मानवी शर्मा घायल हो गए। बताया जा रहा है कि यह परिवार इंदौर से अपनी गर्मियों की छुट्टियां बिताने के लिए गुना जा रहा था। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को सारंगपुर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को शाजापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से भाग निकला। वहीं, दूसरी दुर्घटना लालघाटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत सांदीपनि विद्यालय के सामने हुई। यहां एक तेज गति वाले अज्ञात वाहन ने बाइक सवार एक बुजुर्ग को अपनी चपेट में ले लिया। जोरदार टक्कर लगने से बुजुर्ग को गंभीर चोटें आईं और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक की शिनाख्त शाजापुर निवासी पुरुषोत्तम खत्री के रूप में की है, जो न्यायालय से सेवानिवृत्त कर्मचारी थे। परिजनों के मुताबिक, खत्री रविवार सुबह किसी काम से घर से निकले थे, लेकिन उनके गंतव्य की जानकारी परिवार को नहीं थी।

बाइक चोरी की रिपोर्ट लिखाने थाने पहुंचे युवक को आया मिर्गी का दौरा, पुलिस ने तुरंत पहुंचाया अस्पताल

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। शहर के कोतवाली थाने में उस वक्त अचानक हड़कंप मच गया, जब अपनी चोरी हुई बाइक की शिकायत लेकर पहुंचा एक युवक मुख्य गेट पर ही बेसुध होकर गिर पड़ा। ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने बिना किसी एंबुलेंस का इंतजार किए तत्परता दिखाते हुए उसे तुरंत ऑटो से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चोमा गांव का रहने वाला सुनील अपनी बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराने शाजापुर कोतवाली थाने आया था। जैसे ही वह थाने के मुख्य द्वार तक पहुंचा, उसे अचानक मिर्गी का दौरा पड़ा और वह जमीन पर गिर गया। युवक

को इस हालत में देख पुलिसकर्मी उसे फौरन अस्पताल ले गए, जिससे उसे समय पर प्राथमिक उपचार मिल सका। बताया जा रहा है कि सुनील की बाइक दो दिन पहले धोबी चौराहे स्थित बालाजी होटल के पास से चोरी हो गई थी। उसने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो वह रविवार को हताश होकर थाने पहुंचा था।

कुएं में ड्रिलिंग कर रही बोरवेल मशीन में लगी भीषण आग

विनय उजाला

शाजापुर, निप्र। गर्मी के मौसम में गहराते जल संकट के बीच कुओं का जलस्तर बढ़ाने के प्रयास में जुटे किसान और मशीन चालक को एक बड़े हादसे का सामना करना पड़ा। क्षेत्र में एक कुएं में आड़ा होल करने (क्षैतिज ड्रिलिंग) के लिए लगाई गई बोरवेल मशीन भीषण आग की चपेट में आकर पूरी तरह जलकर खाक हो गई। इस घटना ने एक बार फिर मोहन बड़ोदिया जनपद मुख्यालय पर दमकल वाहन न होने की बड़ी खामी को उजागर कर दिया, जिससे समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जा सका। मिली जानकारी के अनुसार, करजू क्षेत्र में नया अकोदिया के पास स्थित जंगल में एक गांव के किसान के कुएं में पानी की भारी कमी हो गई थी। जलस्तर बढ़ाने के लिए कुएं के अंदर आड़ा होल लगाने वाली बोरवेल मशीन से काम चल रहा था। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शी किसानों ने बताया कि मशीन अत्यधिक गर्म हो गई। इसी दौरान मशीन के अंदर शॉर्ट सर्किट हुआ और अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी मशीन धू-धू कर जलने लगी। इस हादसे ने स्थानीय प्रशासन की आपातकालीन व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों और किसानों का कहना है कि यदि मोहन बड़ोदिया जनपद मुख्यालय पर दमकल (फायर ब्रिगेड) की सुविधा होती, तो आग पर बहुत जल्दी काबू पाया जा सकता था और लाखों रुपये की मशीन को खाक होने से बचाया जा सकता था। स्थानीय स्तर पर दमकल उपलब्ध न होने के कारण बड़ागांव से फायर ब्रिगेड को बुलाना पड़ा। जब तक दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची, तब तक मशीन का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। बाद में दमकल कर्मियों ने किसी तरह आग पर पूरी तरह काबू पाया।

मातृ दिवस पर समर्पित

'माँ... जो हर कठिनाई में अडिग रहीं'

- राशि शकुंतला परिहार की ओर से

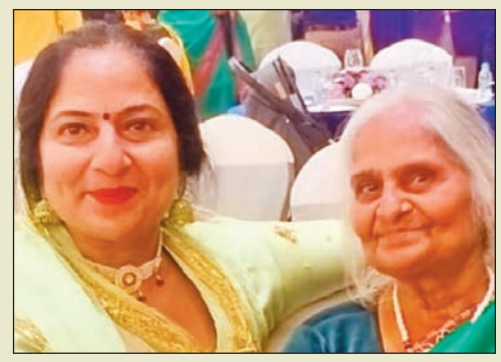

माँ केवल एक शब्द नहीं, बल्कि वह शक्ति हैं जो अपने बच्चों के लिए हर दर्द, हर संघर्ष और हर कठिन परिस्थिति को मुस्कुराकर सह लेती हैं। संसार में यदि निस्वार्थ प्रेम का कोई सबसे सुंदर रूप है, तो वह माँ का प्रेम है। माँ वह छांव है, जो तपती धूप में भी अपने बच्चों को ठंडक देती है और स्वयं कठिनाइयों की आग में जलकर भी उनके जीवन को रोशन करती रहती है।

आज मातृदिवस के अवसर पर मैं अपनी पूजनीय माँ, श्रीमती शकुंतला देवी परिहार को हृदय की गहराइयों से नमन करती हूँ। उन्होंने जीवन की अनेक कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन कभी अपने बच्चों का हाथ नहीं छोड़ा। समय चाहे कितना भी कठोर रहा हो, परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी विपरीत रही हों, उन्होंने हमेशा अपने बच्चों के सपनों को अपनी ताकत बनाया।

एक माँ के रूप में उनका संघर्ष केवल परिवार चलाने तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने बच्चों को संस्कार, आत्मविश्वास, मेहनत और ईमानदारी का वह अमूल्य धन दिया, जो किसी भी संपत्ति से कहीं अधिक मूल्यवान है। उन्होंने हर परिस्थिति में यह सिखाया कि जीवन में कठिनाइयाँ चाहे जितनी आएँ, हिम्मत और विश्वास कभी नहीं छोड़ना चाहिए। कई बार जीवन में ऐसे क्षण आए जब परिस्थितियाँ टूट जाने का कारण बन सकती थीं, लेकिन माँ स्वयं टूटकर भी अपने बच्चों को टूटने नहीं देती थीं। उनकी आँखों में आँसू होते थे, पर होठों पर हमेशा हौसला और आशीर्वाद रहता था। उन्होंने अपने सपनों से पहले हमेशा अपने बच्चों के भविष्य को महत्व दिया। यही त्याग उन्हें एक आदर्श माँ बनाता है। आज यदि हम जीवन में आगे बढ़ पा रहे हैं, सम्मान पा रहे हैं और अपने सपनों को पूरा करने का साहस रखते हैं, तो उसके पीछे माँ के अथक संघर्ष, तपस्या और प्रेम का बहुत बड़ा योगदान है। माँ ने कभी यह एहसास नहीं होने दिया कि परिस्थितियाँ कठिन हैं। उन्होंने हर दर्द को अपने भीतर छिपाकर हमारे चेहरे पर मुस्कान बनाए रखी।

माँ, आप केवल हमारे परिवार की शक्ति नहीं, बल्कि त्याग, धैर्य और ममता की जीवित प्रतिमा हैं। आपके संघर्ष और प्रेम को शब्दों में बाँध पाना संभव नहीं है। इस मातृदिवस पर हम केवल इतना कहना चाहते हैं कि हमें आप पर गर्व है। आपका जीवन हर माँ के लिए प्रेरणा है और आपके संस्कार हमारी सबसे बड़ी पूंजी हैं।

ईश्वर से यही प्रार्थना है कि आपको हमेशा स्वस्थ, खुश और सम्मानित रखें। आपका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

मातृदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

दैनिक विनय उजाला

हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण की महाप्रसादी

खरडू बड़ी में भगवान श्री विश्वकर्मा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य समापन

विनय उजाला

बाग, निप्र। ग्राम खरडू बड़ी जिला झाबुआ में आयोजित चार दिवसीय भगवान श्री विश्वकर्मा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुक्रवार को भक्तिमय वातावरण में भव्य समापन हुआ। भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर के गर्भगृह में मूर्ति स्थापना, शिखर पर धर्मध्वज एवं कीर्ति स्तंभ पर ध्वजारोहण के साथ महाआरती संपन्न हुई। इसके पश्चात विशाल महाप्रसादी एवं महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

समापन समारोह में दिल्ली से पधारे अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल पंचाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को पीपलखूँटा धाम हनुमंत आश्रम के महंत दयाराम दास महाराज का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ।

मंचासिन अतिथि प्रदेश महामंत्री मदनलाल पंचाल (कुंदनपुर), विश्वकर्मा महापंचायत राष्ट्रीय सलाहकार अशोक पंवार, भगोरिया पंचाल समाज अध्यक्ष जगदीश पांचाल थांदला, सालिग्राम पंवार बाग, रमेश नेता पत्रकार, सन्तोष विश्वकर्मा, लखन विश्वकर्मा, कांतिलाल पंचाल (डूंगरा), ओम

प्रकाश चितरोडे, जगदीश पंचाल (काकनवानी), जयप्रकाश रणछोड़ (रम्भापुर), सुरेश भाई (मेघनगर), हीरालाल पंचाल (कल्याणपुर), उमेश पंचाल (कुंदनपुर) तथा राजेश पंचाल (दाहोद) उपस्थित थे।

सर्व विश्वकर्मा समाज मध्य प्रदेश, गुजरात एवं राजस्थान से पुरुष व महिला बड़ी संख्या में समाजजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। तीनों राज्यों से आए अतिथियों का पंचाल समाज खरडू बड़ी द्वारा माला-साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। स्वागत समिति में आशीष पंचाल, ईश्वरलाल पंचाल, हीरालाल पंचाल, राजेंद्र पंचाल, मनोज पंचाल, धर्मेंद्र पंचाल, युवा टीम एवं मातृशक्ति द्वारा भव्य स्वागत किया गया। चार दिवसीय महारुद्र नवकंडीय यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ सृष्टि के रचयिता भगवान श्री विश्वकर्मा की प्रतिमा गर्भगृह में स्थापित की गई। मंदिर शिखर एवं धर्मदण्ड की स्थापना वरदीचंद पंचाल द्वारा की गई। ध्वजदंड एवं कीर्ति स्तंभ पर ध्वजारोहण मदनलाल पंचाल कुंदनपुर के द्वारा संपन्न हुआ। महाआरती के लाभार्थी प्रवीण पंचाल एवं वरदीचंद पंचाल रहे, जिन्होंने प्रथम आरती का लाभ लिया। चार दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में शोभायात्रा, महारुद्र यज्ञ, भजन संध्या एवं अन्य आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन राजेन्द्र कन्हैयालाल पंचाल ने किया। पंचाल समाज खरडू बड़ी ने आयोजन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए संत समाज, तीनों राज्यों से पधारे समाजजनों तथा समस्त धर्मप्रेमी जनता खरडू समाज समिति ने हृदय से आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

छनेरा नया हरसूद में महाराणा प्रताप जयंती मनाई

हरसूद (विनय उजाला)। शनिवार शाम को छनेरा-नया हरसूद में भारत के वीर सपूत महाराणा प्रताप की 586वीं जयंती मनाई गई। महाराणा प्रताप चौक पर महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर समस्त नगर वासी एकत्रित हुए और महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर अभिनव स्कूल के प्राचार्य पंडित नारायण शर्मा ने महाराणा प्रताप के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाराणा प्रताप ने अपने जीवन में संघर्ष को महत्वपूर्ण स्थान दिया न की मुगलों की गुलामी को। विधायक प्रतिनिधि कमल खंडेलवाल ने महाराणा प्रताप के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाराणा प्रताप ने अपने देश और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, परंतु मुगलों की गुलामी स्वीकार नहीं की। संत बुखार दास बाबा आश्रम के महंत अमीरदास बाबा ने कहां कि महाराणा प्रताप की जयंती भारत ही नहीं अपितु दूसरे देशों में भी मनाई जाती है। इस अवसर पर रामनिवास पटेल, कमलकांत भारद्वाज, रामजीवन पटाजन, सीएल राजोरिया, हुकुमचंद पटेल, पंडित सत्यनारायण जोशी, हरेराम पटेल, शिवनारायण सेन, दीपक जलखरे, हरनारायण राजपूत, संस्कार राजपूत, रोहित माली, विजय बादल, अभिमन्यु तोमर, आनंद राजपूत, राजेश बादल, विजय बादल, डॉ. अर्जुन रघुवंशी, विनोद राजपूत सहित बड़ी संख्या गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ग्राम सडियापानी में किया ग्राम चौपाल का आयोजन

हरसूद (विनय उजाला)। हरसूद पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक आगम जैन के निर्देशन में रविवार को ग्राम सडियापानी में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें हरसूद थाना प्रभारी राजकुमार राठौर एवं उपनिरीक्षक रमेश मौरे द्वारा ग्रामीणों को यातायात जागरूकता के तहत हेलमेट धारण करने, शराब पीकर वाहन ना चलाने, ओवरलोड वाहन तथा तीन सवारी एवं पिकअप में सवारी न बैठाने के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही साइबर जागरूकता संबंधी एपीके फाइल डाउनलोड नहीं करने एवं अनजान व्यक्ति को गोपनीय जानकारी साझा नहीं करने के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर ग्राम सरपंच एवं कोटवार तथा बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए चिह्नित ब्लैक स्पॉट पॉइंट पर रेक्टिफिकेशन का कार्य प्रारंभ

बुरहानपुर, निप्र। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं नागरिकों में जिम्मेदार यातायात व्यवहार विकसित करने के उद्देश्य से बुरहानपुर पुलिस द्वारा जिले भर में व्यापक सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। यह अभियान केवल नियमों के पालन तक सीमित न रहकर, प्रत्येक नागरिक के जीवन की सुरक्षा से जुड़ा एक महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व बनता जा रहा है। अति.पुलिस अंतर सिंह कनेश के निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक गौरव पाटिल के मार्गदर्शन रविवार दिनांक 10.05.2026 को यातायात थाना प्रभारी राजेश बारवाल, यातायात स्टाफ एवं एमपीआरडीसी टीम के साथ चिन्हित निर्धारित ब्लैक स्पॉट पॉइंट जैसे - 01— जैनाबाद फाटा 02— दरियापुर बस स्टैंड 03— अंबाडा फाटा 04— शनि मंदिर 05— बिजौरी फाटा 06 — मोंदरा पुलिया 07— इंडेन गैस एजेंसी के पास देढ़तलाई 08— देढ़तलाई पब्लिक स्कूल के पास टर्न 09— ग्राम दाहिना 10 — शेखपुरा बस स्टैंड पॉइंट निर्धारित किए गए हैं। इन प्वाइंटों पर रविवार को रेक्टिफिकेशन का काम शुरू किया गया। जिसमे रंबल स्ट्रिप , व्हाइट मार्किंग , कैट आई (ब्लिंकर) दिशा सूचक और दुर्घटना संभावित क्षेत्र एक बोर्ड भी लगाये जायेंगे। इन कार्यों से चिन्हित ब्लैक स्पॉट प्वाइंटों पर होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

शासकीय बालक क्रीड़ा परिसर खरगोन में सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए करें आवेदन

इन्दौर, नप्र। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित शासकीय बालक क्रीड़ा परिसर, खरगोन (मेनगांव) में सत्र 2026-27 के लिए अनुसूचित जनजाति संवर्ग के खिलाड़ी छात्रों के चयन के लिए रिक्त सीटों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस पहल का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्र के प्रतिभावान छात्रों को खेलों के माध्यम से बेहतर अवसर प्रदान करना एवं उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। इच्छुक अनुसूचित जनजाति के छात्र निर्धारित आवेदन फार्म अपने संबंधित विकासखण्ड के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय अथवा शासकीय बालक क्रीड़ा परिसर, मेनगांव, खरगोन से कार्यालयीन समय में अधीक्षक से प्राप्त कर सकते हैं। भरे हुए आवेदन पत्र 11 मई 2026 से 15 जून 2026 के मध्य कार्यालयीन समय में अधीक्षक, शासकीय बालक क्रीड़ा परिसर, मेनगांव, खरगोन में जमा कराए जा सकेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में हुआ खादी पुनर्जागरण का सूत्रपात

खादी आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का सशक्त आधार : डॉ. यादव

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खादी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि राष्ट्र की गौरवशाली पहचान और आत्मनिर्भर भारत का पथप्रदर्शक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में खादी को 'नए भारत की नई खादी' के रूप में नई पहचान मिली है, जिससे पूरे देश में खादी पुनर्जागरण का सूत्रपात हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश, युवाओं का सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत, भारत में बनाओ, स्वदेशी के लिए मुखर, स्टार्टअप इंडिया' जैसे अभियानों और 'सबका साथ, सबका विकास' मंत्र ने खादी एवं ग्रामोद्योग को वैश्विक पहचान दिलाई है। 'स्थानीय से वैश्विक' का दृष्टिकोण कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों को मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था से जोड़ रहा है। भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा 50 हजार से 5 लाख तक की ऋण सुविधा व्यक्तिगत बुनकर, उद्यमी, स्व-सहायता समूह, हथकरघा संगठन और सहकारी समितियों को दी जा रही है।

तीन वर्षों में दिया 268.50 लाख रुपए का ऋण

बोर्ड के माध्यम से खादी और ग्रामोद्योग राज्य की प्रगति का सशक्त स्तंभ बन रहे हैं। बुनकर मुद्रा योजना के तहत पिछले तीन वर्षों 2023-24 से 2025-26 में कुल 194 बुनकरों को 268.50 लाख रुपये का ऋण वितरित किया गया है। वर्ष 2023-24 में 44 बुनकरों को 21.40 लाख, 2024-25 में 147 बुनकरों को 231.80 लाख और 2025-26 में 3 बुनकरों को 15.30 लाख रुपये का ऋण दिया गया। गांधीजी के 'ग्राम स्वराज' और 'गाँव की ओर जाओ' बोर्ड ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन, परंपरागत कारीगरी को आधुनिक नवाचार से जोड़ने और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ाने का कार्य कर रहा है। बुनकरों की सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना में तीन वर्षों में 616 बुनकर और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 840 बुनकर बीमित किए गए। प्रधानमंत्री जीवन बीमा योजना में 436 रुपये वार्षिक शुल्क पर 2 लाख का जीवन बीमा और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में मात्र 20 रुपये वार्षिक शुल्क पर 2 लाख का दुर्घटना बीमा मिल रहा है।

राज्यमंत्री जायसवाल ने कहा कि म.प्र. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड सूती, ऊनी, रेशमी एवं पॉलीवस्त्र खादी के साथ मसाले, साबुन, जड़ी-बूटी उत्पाद एवं हस्तनिर्मित वस्तुओं को बढ़ावा दे रहा है। विपणन के लिए 'विन्ध्या वैली' और 'कबीरा' जैसे नाम स्थापित किए गए हैं जो गुणवत्ता और परंपरा के प्रतीक हैं। 'अपना हाथ - अपना साथ' के मार्गदर्शन में महिला स्व-सहायता समूहों, कारीगरों और उद्यमियों को तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग दिया जा रहा है।

प्रबंध संचालक माल सिंह भयड़िया ने बताया कि महात्मा गांधी जी के 'गाँव की ओर चलो' आह्वान से प्रेरित होकर मंडल ने ग्रामोद्योग को आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन का सशक्त साधन बनाया है। सुव्यवस्थित योजनाओं से ग्रामीण कारीगरों के उत्पादों को उचित बाजार मिल रहा है। बोर्ड की नई अंतरजाल साइट कारीगरों, उद्यमियों एवं समाज के बीच मजबूत सेतु का कार्य करेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम और प्रदर्शनियाँ प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित कर रही हैं।

ज्ञान भारतम् मिशन

सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की पहल

विनय उजाला

बड़वानी, निप्र। भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया ज्ञान भारतम् मिशन देश की प्राचीन पांडुलिपियों, दुर्लभ ज्ञान परंपराओं एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी पहल के रूप में उभर रहा है। कलेक्टर जयति सिंह के मार्गदर्शन में जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों से संबंधित पांडुलिपियों को सुरक्षित एवं डिजिटाइज करने के उद्देश्य से ज्ञान भारतम् एप की प्रक्रिया पर आधारित एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन गूगल मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों, इतिहासविदों, शिक्षाविदों एवं विषय विशेषज्ञों ने सहभागिता करते हुए इस राष्ट्रीय अभियान को जन-आंदोलन बनाने पर बल दिया। ज्ञान भारतम् मिशन के जिला नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर शक्ति सिंह चौहान ने कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान एवं विज्ञान अत्यंत समृद्ध और विश्वविख्यात रहा है। भारतीय पांडुलिपियाँ हमारी बौद्धिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का जीवंत स्वरूप हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम् मिशन केवल पांडुलिपियों का डिजिटाइजेशन कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा को भविष्य की पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुँचाने का राष्ट्रीय अभियान है। बड़वानी जिले में उपलब्ध ऐतिहासिक पांडुलिपियों का सर्वे कर उन्हें ज्ञान भारतम् एप के माध्यम से सुरक्षित डिजिटल स्वरूप प्रदान किया जाएगा। चौहान ने जानकारी दी कि इस कार्य के प्रभावी संचालन हेतु कलेक्टर जयति सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। समिति में इतिहासविद् एवं पूर्व कुलपति डॉ. शिवनारायण यादव, प्राचार्य डॉ.वीणा सत्य,डॉ. पुष्पलता खरे, डॉ.मंगला ठाकुर, शिवपाल सिंह सिसोदिया, डॉ. मधुसूदन चौबे, डॉ. अनिल पाटीदार, डॉ. ज्योति जोशी, डॉ. अंतिम मौर्य तथा मनीष दासौंधी सदस्य के रूप में शामिल हैं।

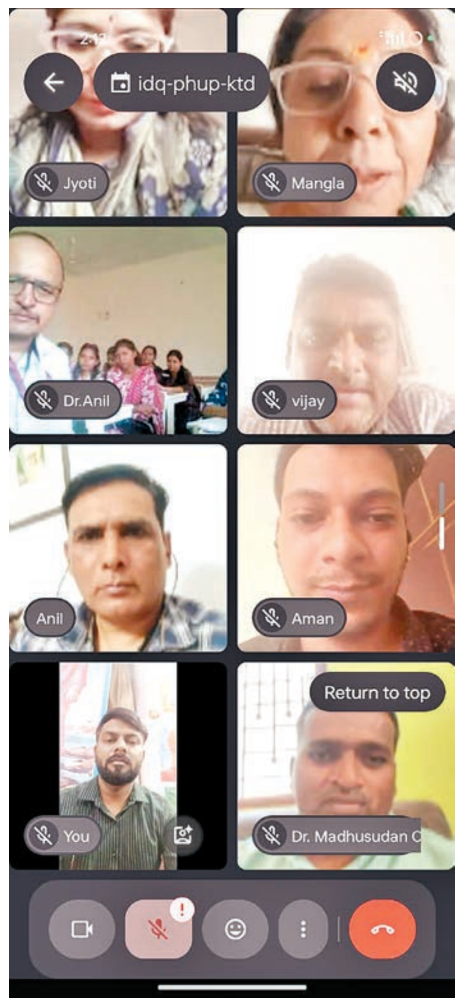

ऑनलाइन बैठक में इंदौर से जिले के प्रभारी एवं विषय विशेषज्ञ अनिल जोशी तथा पुरातत्व विभाग भोपाल से श्री अमन असवाल ने ज्ञान भारतम् एप की तकनीकी प्रक्रिया, पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, जियो-टैगिंग, दस्तावेजीकरण एवं डिजिटल अपलोडिंग संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की।उन्होंने बताया कि यह महत्वपूर्ण कार्य प्रथम चरण में जून माह तक संचालित किया जाएगा।

बैठक में डॉ. मंगला ठाकुर ने जनजागरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि समाज, मंदिरों, आश्रमों, पुस्तकालयों एवं निजी संग्रहकर्ताओं को इस अभियान से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने बड़वानी रियासत से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जानकारी साझा की। डॉ. ज्योति जोशी ने धाबाबावड़ी क्षेत्र में उपलब्ध दस्तावेजों पर प्रकाश डाला। डॉ. अनिल पाटीदार ने लोक इतिहास से संबंधित सामग्री के महत्व को रेखांकित किया।

चौपाटी में प्लास्टिक पॉलीथिन गंदगी पाए जाने पर सात हजार का जुर्माना वसूला

विनय उजाला

बुरहानपुर, निप्र। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत नगर निगम अपनी तैयारी में लगा हुआ है नगर निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव शहर में निरीक्षण कर रहे है इस दौरान कमल टॉकीज बड़ा पोस्ट ऑफिस सिटी पैलेस, इकबाल चौक, सुभाष चौक,पाला बाज़ार, मंडी क्षेत्र में दुकानदारों होटल संचालकों द्वारा नगर निगम की मार्किंग के बाहर हाथ ठेले ओर दुकानें लगाई गई थी तथा दुकान के सामने गंदगी कर अतिक्रमण किया गया था कई दुकानों एवं ठेले वालों के पास से प्लास्टिक पॉलिथीन जब्त कर रुपए सात हजार रुपये का नगर निगम द्वारा जुर्माना लगा कर चालानी कार्रवाई की गई।

निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव एवं सहायक आयुक्त सुश्री स्वर्णिका वर्मा द्वारा मंडी बाजार क्षेत्र में भ्रमण किया गया भ्रमण के दौरान सभी दुकान व्यवसाय करने वालो को समझाइश दी जा रही है कि रोड पर जो मार्किंग की गई है मार्किंग के अंदर ही अपना व्यवसाय करें अन्यथा आपके ऊपर जुर्माना लगा कर कानूनी कार्रवाई की जायेगी बतादे की नगर निगम ने स्वच्छता के प्रति सख्त रुख अपनाते हुए सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माना लगाने का प्रावधान किया है।

नए नियमों के अनुसार, सड़क, दीवार या सार्वजनिक स्थल को गंदा करने पर स्पॉट फाइन लगाया जा रहा है। शहर में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए ही नगर निगम द्वारा मार्केट में मार्किंग की गई थी जिससे कि सड़क के दोनों और हाथ ठेले मार्किंग के अंदर ही व्यवसाय करें।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की आइसक्रीम निर्माण इकाइयों पर कार्रवाई

दो प्रतिष्ठानों से 10 नमूने जाँच हेतु लिए गए

विनय उजाला

इन्दौर, नप्र। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सतत निरीक्षण एवं जांच कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 10 मई, 2026 को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा शहर की दो आइसक्रीम निर्माण इकाइयों का औचक निरीक्षण कर कुल 10 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा राजाराम नगर स्थित चैंपियंस आइसक्रीम एंड फ्रोजन फूड इकाई का निरीक्षण किया गया। जहां खाद्य कारोबारकर्ता नीलेश विश्वकर्मा उपस्थित पाए गए।

निरीक्षण के दौरान निर्माण हेतु वैध अनुज्ञप्ति उपलब्ध नहीं पाई गई। साथ ही पैकेजिंग सामग्री पर लेबलिंग संबंधी जानकारी भी अपूर्ण मिली। निरीक्षण में रॉ मटेरियल का भंडारण अस्वच्छ एवं अव्यवस्थित पाया गया तथा कुछ जंग लगे सांचे भी उपयोग में पाए गए। निर्माण में प्रयुक्त पानी की जांच रिपोर्ट भी प्रस्तुत नहीं की गई। फ्रीजर रूम में खाद्य सामग्री का भंडारण निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। मौके से वनीला फ्रोजन डेजर्ट, केसर पिस्ता कुल्फी, मावा एवं चॉकलेट पेस्ट के कुल 4 नमूने जांच हेतु लिए गए। वैध निर्माण अनुज्ञप्ति प्राप्त होने तक संबंधित इकाई का निर्माण कार्य स्थगित कर दिया गया है।

रुद्राक्ष आइसक्रीम इकाई का निरीक्षण

इसी क्रम में कृष्णा पार्क कॉलोनी, छोटा बांगड़दा स्थित रुद्राक्ष आइसक्रीम इकाई का भी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी नरेश कुमावत उपस्थित पाए गए। जांच में विभिन्न फ्लेवर की आइसक्रीम का निर्माण अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जाना पाया गया। निर्माण में प्रयुक्त कई फ्लेवर बिना लेबल के मिले, जिन पर आवश्यक जानकारी अंकित नहीं थी। खाद्य पदार्थों के भंडारण स्थल पर भी अव्यवस्था पाई गई। मौके से आइसक्रीम के 5 एवं टूटी फ्रूटी का एक नमूना, इस प्रकार कुल 6 नमूने जांच हेतु लिए गए।

पाटी पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पांच लापता लड़कियों को ढूंढ कर लौटाई मुस्कान

विनय उजाला

पाटी (बड़वानी),निप्र। पुलिस अधीक्षक बड़वानी पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन में जिले में नाबालिग बालक/ बालिकाओं एवं गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश हेतु ऑपरेशन मुस्कान विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरज बब्बर एवं डीएसपी (म.सु.) बड़वानी महेश सुनैया के मार्गदर्शन में थाना पाटी पुलिस ने तत्परता एवं संवेदनशीलता का परिचय देते हुए घर से लापता 04 नाबालिग बालिकाओं एवं 01 बालिग युवती को मात्र 06 घंटे के भीतर सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया।

थाना पाटी क्षेत्र निवासी फरियादी द्वारा चौकी बोकराटा पर उपस्थित होकर सूचना दी गई कि उसकी दो नाबालिग लड़कियां, उसके भाई की अन्य दो नाबालिग लड़कियां एवं उसके बाबा की एक बालिग लड़की घर के सामने सड़क पार नाले पर नहाने जाने की बात कहकर दोपहर लगभग 01 बजे घर से निकली थीं, जो वापस नहीं लौटीं। परिजनों द्वारा आसपास एवं रिश्तेदारी में काफी तलाश करने के बावजूद उनका कोई पता नहीं चलने पर फरियादी की सूचना पर देहाती नालसी लेखबद्ध कर थाना पाटी पर नाबालिग बालिकाओं के संबंध में अप.क्र. 161/2026 धारा 137(2) बीएनएस एवं बालिग युवती के संबंध में गुमशुदगी क्रमांक 27/2026 दर्ज कर तत्काल तलाश प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी पाटी उनि रामदास यादव द्वारा तत्काल विशेष टीम गठित कर खोजबीन प्रारंभ की गई। पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए तकनीकी एवं पारंपरिक पुलिसिंग का समन्वय करते हुए लगातार प्रयास किए।

दस्तयाबी के उपरांत सभी बालिकाओं एवं युवती की आवश्यक काउंसलिंग कर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की गई। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई एवं बयान दर्ज करने के बाद उन्हें सकुशल उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया। अपने बच्चों को सुरक्षित पाकर परिजनों ने भावुक होकर पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया। 'महिला एवं बाल सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए मात्र 06 घंटे के भीतर सभी बालिकाओं को सुरक्षित दस्तयाब किया।

पुलिस की इस संपूर्ण कार्रवाई में डीएसपी (म.सु.)/एसडीओपी बड़वानी महेश सुनैया, उनि रामदास यादव थाना प्रभारी पाटी, सउनि आशीष शर्मा चौकी प्रभारी बोकराटा, चंपालाल मोरे, दिलीप मुवेल, प्रआर. रितेश, नरेश, मौसम, घनश्याम, विजय, कमल, अर्चना, आर. शुभम मालवीया, सुनील, गजराज, अनिल, आर. राजकुमार, गोपाल, ज्ञानेश्वर, रंजना, डायल-112 पायलट योगेश, उनि रितेश खत्री, प्रआर. योगेश पाटील एवं साइबर सेल बड़वानी के आर. मडिया की सराहनीय भूमिका रही।

प्रभारी मंत्री विश्वास सारंग आज खरगोन में

खरगोन, निप्र। मध्यप्रदेश शासन के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री और खरगोन जिले के प्रभारी मंत्री विश्वास कैलाश सारंग आज खरगोन में जिला विकास सलाहकार समिति, भाजपा जिला कार्यालय खरगोन में जिला कोर कमेटी और भाजपा मंडल अध्यक्षों के साथ बैठकों में शामिल होकर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा के पश्चात दोपहर 02:00 बजे खरगोन से हरदा के लिए प्रस्थान करेंगे।

पश्चिम रेलवे-रतलाम मंडल
ई-निविदा सूचना
Tender Notice No. M247GTWDETC 1710 262708 Dated 07.05.2026. **1. कार्य का नाम:** 8 व्हीलर DETC (सिंगल इंजन प्रकार - 1710) के डीजल अल्टरनेटर सेट एवं अन्य संबद्ध उपकरणों का ओवरहॉलिंग कार्य। मात्रा - **05 नग DETC. Location:** Office of CWM / Dahod W.Rly. मु. का. प्र. / दाहोद प. रेलवे कार्यालय. **2. कार्य की अनुमानित लागत: ₹ 3,34,89,275/- 3. बयाना राशि: ₹ 6,69,800/- 4. ई-निविदा जमा करने तथा खुलने की दिनांक तथा समय:** ई-निविदा जमा करने की नियत दिनांक तथा समय 29.05.2026 को 14.30 बजे तक तथा ई-निविदा उसी दिन 15.00 बजे खोली जायेगी। **5.** The Tender Notice and documents available on the website **www.ireps.gov.in** / E-Tenders / Works / IR Electrical. **CRY/IND/43**
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

हरसूद महाविद्यालय में नवाचार...

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस सप्ताह पर विद्यार्थियों को मिला नि:शुल्क कोचिंग का उपहार

विनय उजाला

हरसूद, निप्र। स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरसूद के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी अब और भी आसान होने जा रही है। डॉ कुँवर विजय शाह के मार्गदर्शन एवं कुँवर दिव्यादित्य शाह के प्रयासों से महाविद्यालय प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए इंदौर की सुप्रसिद्ध सत्याधी शर्मा क्लासेस के निर्देशक सत्येंद्र ठाकुर एवं अनिल शर्मा सर के साथ समन्वय कर ऑनलाइन लाइव कक्षाओं का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ट एवं शौर्य संकल्प प्रशिक्षण के अंतर्गत किया गया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरसूद में प्राचार्य डॉ. जयेश वैष्णव की अध्यक्षता एवं जनभागीदारी समिति अध्यक्ष अश्विनी शर्मा की उपस्थिति में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रथम वक्ता के रूप में डॉ. रविंद्र परसाई ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उद्देश्य एवं महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके पश्चात मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय हरसूद से पधारे विशेषज्ञ प्राचार्य प्रो. आरएस सिसोदिया प्रौद्योगिकी के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उसके अनुप्रयोग समझाए। तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जयेश वैष्णव ने तकनीकी की आवश्यकता के बारे में बताया। इसके साथ ही कार्यक्रम में तकनीकी क्विज का आयोजन किया गया जिससे विद्यार्थियों को तकनीकी के नए आयाम से अवगत कराया गया। जनभागीदारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर ही उच्च स्तरीय कोचिंग उपलब्ध कराना है, ताकि वे भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में अपनी जगह बना सकें।

पश्चिम रेलवे-रतलाम मंडल
ई-निविदा सूचना
क्र. सं. 1) ई टेंडरिंग संख्या: EL-2025-26-45R. कार्य का नाम: Ratlam Division - Upgradation of station including circulating area, water supply and approach roads at Ujjain, Laxmibai nagar and Naikheri (Simhastha 2028). **अनुमानित लागत: ₹ 10320570.13 बयाना राशी: ₹ 206400.00 कार्य की समापन अवधि:** 12 Months. **वेबसाईट पर अपलोड करने की तिथि:** 05/05/2026. **निविदा खुलने की तिथि:** 02/06/2026. **क्र. सं. 2) ई टेंडरिंग संख्या: EL-2026-27-06. कार्य का नाम:** Ratlam - Electrical work in connection with repair to toilet blocks at DRM Office & TRD Building campus, provision of officers Toilet block near account section at DRM Office. **अनुमानित लागत: ₹ 302211.42 बयाना राशी: ₹ 6100.00 कार्य की समापन अवधि:** 09 Months. **वेबसाईट पर अपलोड करने की तिथि:** 05/05/2026. **निविदा खुलने की तिथि:** 02/06/2026. **CRY/IND/44**
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

:: जाहिर सूचना ::
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक **गौरव पिता गोपाल किशन जायसवाल** झोन 32, राजस्व विभाग पर सर्विस क्रं./पिन क्रं. **1001183573 पता - 28-एम सिलिकॉन सिटी निहालपुरमुंडी, इंदौर** के दर्ज नाम पर संपत्ति का नामांतरण चाहा गया है। इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक से 7 दिवस की अवधि में किसी भी व्यक्ति बैंक, संस्था व अन्य को उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो झोन क्रं. 32 राजस्व विभाग में प्रभारी सहायक राजस्व अधिकारी के समक्ष अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। अवधि पश्चात व बिना लेखी प्रमाण प्रस्तुत आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।
प्रभारी अधिकारी, पंजीयन कार्यालय, मोती तबेला झोन क्रं.32, नगर पालिक निगम इंदौर

मैच में बने 400 से ज्यादा रन... रोमांचक हुई प्लेऑफ की जंग

कांटे के मुकाबले में चेन्नई ने लखनऊ को रौंदा

चेन्नई, एजेंसी

आईपीएल 2026 के हाईवोल्टेज मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम को चेन्नई सुपर किंग्स ने 5 विकेट से हरा दिया।

इस मैच में लखनऊ की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए जोश इंग्लिश के 85 रन के दम पर लखनऊ की टीम ने 204 रन का स्कोर बोर्ड पर लगाया। जवाब में सीएसके ने उर्विल पटेल की धुआंधार पारी के दम पर इस मैच को आखिरी ओवर में जीत लिया। इसी के साथ सीएसके की टीम 12 अंक के साथ अंक तालिका में 5वें नंबर पर पहुंच चुकी है और टॉप 4 के काफी करीब भी है।

उर्विल पटेल की पारी के दम पर जीती सीएसके

इस मैच में सीएसके की जीत के हीरो उर्विल पटेल रहे, जिन्होंने 23 गेंद पर 65 रन की पारी खेली। इस पारी में 2 चौके और 8 छक्के लगाए। वहीं इसके अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंद पर 42 रन की पारी खेली। वहीं 28 रन की पारी संजू सैमसन ने खेली। लखनऊ की ओर से दिग्वेश राठी और शहबाज अहमद ने 2-2 विकेट झटके।

लखनऊ ने बनाए 204 रन

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने रविवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में जारी आईपीएल 2026 के 53वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीत के लिए 204 रन का टारगेट रखा है। टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में सलामी बल्लेबाज जोश इंग्लिस का अहम योगदान रहा, जिन्होंने महज 33 गेंदों में 85 रन की पारी खेली।

इंग्लिस ने दी थी तूफानी शुरुआत

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर लखनऊ सुपर जायंट्स को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। जोश इंग्लिस ने मिचेल मार्श के साथ मिलकर टीम को दमदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 31 गेंदों में 77 रन जोड़े। मिचेल मार्श 10 गेंदों में 1 छक्के के साथ 10 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद इंग्लिस ने मोर्चा संभाला, जिन्होंने निकोलस पूरन (1) और कप्तान ऋषभ पंत (15) के साथ छोटी-छोटी साझेदारियां कीं। जोश इंग्लिस 33 गेंदों में 6 छक्कों और 10 चौकों के साथ 85 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

आईपीएल-2026 : आज का मुकाबला

पंजाब किंग्स VS दिल्ली कैपिटल्स

स्थान : धर्मशाला समय : शाम 07.30 बजे से

धर्मशाला में तीन अलग-अलग पिचों पर खेले जाएंगे आईपीएल के मुकाबले

धर्मशाला,(हि.स.)

एचपीसीए के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में खेले जाने वाले तीन आईपीएल मुकाबले तीन अलग-अलग पिचों पर खेले जाएंगे।

हर मुकाबला मैदान की नई पिच में होगा, जिससे हर मैच में नया रोमांच देखने को मिलेगा। वहीं टीमों के अभ्यास के लिए मैदान में दो, जबकि आउटडोर प्रैक्टिस मैदान में सात पिचें उपलब्ध रहेंगी। खिलाड़ी नेट प्रैक्टिस में बल्लेबाजी व गेंदबाजी कर पिचों के मिजाज को भी समझ सकेंगे। धर्मशाला के मैदान में तेज़ गेंदबाजों को रफ्तार के साथ उछाल के साथ बल्लेबाजों को शॉट खेलने में और स्पिनरों को भी मदद मिल पाएगी। इससे पहले हुए अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैचों, एकदिवसीय व टी-20 सहित आईपीएल मैचों में भी पिचों ने कमाल का खेल दिखाया है।

धर्मशाला स्टेडियम के मैदान में कुल नौ पिचें हैं

विदेशों की तर्ज पर धर्मशाला की तेज़ पिच विदेशी खिलाड़ियों की भी पंसदीदा रही है। धर्मशाला स्टेडियम के मैदान में कुल नौ पिचें हैं। मध्य की पांच पिचों को अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए बनाया गया है। इन पिचों में विकेट कैमरा लगाने की व्यवस्था भी है।

भारतीय महिला टीम ने चीन को हराकर स्वर्ण पदक जीता

शंघाई,(हि.स.)

चीन के शंघाई में आयोजित तीरंदाजी विश्व कप 2026 के दूसरे चरण में भारतीय महिला रिकर्व तीरंदाजी टीम ने मेजबान चीन को शूट-ऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीता।

दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहद की भारतीय टीम का रविवार को मुकाबला पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की झू जिंगयी, हुआंग युवेई और यु क्यूई से था। चार सेट के अंत में दोनों टीमें 4-4 से बराबरी पर थीं, जिसके बाद शूट ऑफ कराया गया। भारतीय तिकड़ी ने शूट ऑफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए 28-26 से जीत दर्ज की।

शूट ऑफ में अंकिता ने नौ के स्कोर के साथ शुरुआत की, जबकि कुमकुम ने शानदार 10 अंक जुटाए। जब खिताब जीतने के लिए आठ अंक की जरूरत थी तब दीपिका ने धैर्य रखते हुए नौ अंक के साथ टीम की जीत पक्की कर दी। दूसरी ओर, सिमरनजीत कौर रविवार को कांस्य पदक से चूक गईं। उन्हें दक्षिण कोरिया की जांग मिन्ही से हाथों मैच में 6-4 से हार का सामना करना पड़ा।

डेब्यू टेस्ट में किया कमाल...

अजान अवैस का बांग्लादेश के खिलाफ शतक...

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला शेर-ए-बांग्ला राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। टेस्ट के तीसरे दिन रविवार को पाकिस्तान के युवा बल्लेबाज अजान अवैस ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। अपना डेब्यू टेस्ट खेल रहे अवैस ने शतक लगा दिया। डेब्यू टेस्ट में शतक लगाने वाले अजान अवैस पाकिस्तान के 14वें बल्लेबाज बने हैं।

103 रनों की पारी खेली

अवैस ने तीसरे दिन की शुरुआत दूसरे दिन के स्कोर 85 रन से की। बाएं हाथ के 21 साल के इस बल्लेबाज ने पारी के 51वें ओवर में नाहिद राणा की गेंद पर एक रन लेकर अपना पहला टेस्ट शतक पूरा किया। हालांकि, अवैस की पारी जल्द समाप्त हो गई। वह 165 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 103 रन बनाकर आउट हुए। पारी की शुरुआत करने आए अवैस ने पहले विकेट के लिए इमाम-उल-हक के साथ 106 और दूसरे विकेट के लिए अब्दुल्लाह फजल के साथ 104 रन की साझेदारी की।

मई में भी हुई एफपीआई की बिकवाली

विदेशी निवेशकों ने 2026 में की दो लाख करोड़ से अधिक की निकासी

नई दिल्ली, (हि.स.)

इस साल फरवरी के बाद से घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली का सिलसिला मई के महीने में भी लगातार बना हुआ है।

इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक स्टॉक मार्केट में बिकवाली करके 14,231 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। मई के महीने में अभी तक हुए कारोबार में हुई बिकवाली के आंकड़ों को मिला दिया जाए, तो कैलेंडर ईयर 2026 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा घरेलू शेयर बाजार में की गई बिकवाली का आंकड़ा दो लाख करोड़ के स्तर को भी पार कर गया है।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार जनवरी से लेकर इस महीने आठ मई तक एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में कुल 2,28,040 करोड़ रुपये की बिकवाली की है। जनवरी के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 35,962 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। फरवरी में एफपीआई ने बिकवाली की जगह लिवाली पर जोर दिया। इस महीने इन्होंने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया।

रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की

मार्च के महीने में एक बार फिर स्थिति बदल गई। इस महीने एफपीआई ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की। अप्रैल के महीने में भी एफपीआई की ओर से हो रही बिकवाली का सिलसिला जारी रहा। इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 60,847 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले। मौजूदा महीने में भी आठ मई तक के पांच कारोबारी दिन में एफपीआई 14,231 करोड़ रुपये के शेयर बेच चुके हैं। फरवरी के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा की गई 22,615 करोड़ रुपये की लिवाली को इस साल की गई कुल बिकवाली के आंकड़े से यदि घटा भी दिया जाए, तब भी इस साल विदेशी निवेशकों द्वारा की गई बिकवाली का आंकड़ा दो लाख करोड़ के स्तर के ऊपर 2,05,425 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचा हुआ नजर आता है।

महंगाई और ब्याज दरों को लेकर चिंतित

एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस साल विदेशी निवेशकों द्वारा घरेलू शेयर बाजार में की जा रही बिकवाली की मुख्य वजह ग्लोबल मैक्रो इकोनॉमिक अनसर्टेनिटी है। विदेशी निवेशक विशेष रूप से जियो पोलिटिकल रिस्क, महंगाई और ब्याज दरों को लेकर चिंतित हैं। जियो पोलिटिकल टेंशन, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में तनाव की स्थिति की वजह से कच्चे तेल की कीमत लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के आसपास बनी हुई है। महंगाई के डर ने भी विदेशी निवेशकों को अपना पैसा सुरक्षित करने के लिए भी बिकवाली का तरीका अपनाने के लिए मजबूर कर दिया है।

हर दिन हो रहा 1700 रु. करोड़ का नुकसान

तेल कंपनियों पर बड़ा आर्थिक बोझ

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया भर में चल रहे ऊर्जा संकट के बीच भारतीय उपभोक्ताओं को महंगे पेट्रोल-डीजल से बचाने की कोशिश अब सरकारी तेल कंपनियों पर भारी पड़ती दिख रही है।

पिछले 10 हफ्तों से मिडिल-ईस्ट (पश्चिम एशिया) में जारी युद्ध की वजह से कच्चे तेल के दाम आसमान छू रहे हैं, लेकिन भारत में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतें अब भी काफी कम रखी गई हैं। इस राहत की कीमत हमारी तीन बड़ी सरकारी कंपनियां इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम अपनी जेब से भर रही हैं।

इसको लेकर आए आंकड़े चौंकाने वाले हैं। ये कंपनियां हर दिन लगभग 1,600 से 1,700 करोड़ रुपये का घाटा सह रही हैं। अगर पिछले 10 हफ्तों का हिसाब जोड़ें, तो यह कुल नुकसान 1 लाख करोड़ रुपये के पार निकल चुका है। अब सवाल यह है कि ये कंपनियां आखिर कब तक इस भारी आर्थिक बोझ को बर्दाश्त कर पाएंगी।

दुनिया भर में मची है महंगाई, पर भारत में दाम स्थिर

जब से युद्ध शुरू हुआ है, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 50 फीसदी तक बढ़ गई हैं। इसके बावजूद भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम पिछले दो साल पुराने रेट पर ही टिके हुए हैं। दिल्ली में पेट्रोल आज भी 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर के करीब मिल रहा है। रसोई गैस की बात करें तो मार्च में सिलेंडर के दाम 60 रुपये बढ़ाए जरूर गए थे, लेकिन वे अब भी लागत के मुकाबले बहुत कम हैं। दुनिया के दूसरे देशों की हालत देखें तो ब्रिटेन और जापान जैसे मुल्कों में ईंधन के दाम 30 फीसदी तक बढ़ चुके हैं। कई देशों में तो तेल की किल्लत तक हो गई है। भारत अपनी जरूरत का 40% कच्चा तेल और 90% एलपीजी बाहर से मंगवाता है, फिर भी सरकारी कंपनियों ने देश में सप्लाई रुकने नहीं दी और न ही वैश्विक महंगाई का पूरा बोझ जनता पर डाला।

खतरे में कंपनियों का भविष्य और सरकार की भूमिका

तेल कंपनियों की कमाई का एकमात्र जरिया तेल बेचना है। इसी पैसे से वे कच्चा तेल खरीदती हैं और नए प्लांट लगाती हैं। पिछले 10 हफ्तों से जारी इस घाटे के कारण अब कंपनियों को अपना कामकाज चलाने और कच्चा तेल खरीदने के लिए भारी कर्ज लेना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक यूं ही ऊंची रहीं, तो कंपनियों को भविष्य की अपनी बड़ी योजनाओं, जैसे रिफाइनरियों का विस्तार और क्लीन फ्यूल प्रोजेक्ट्स को रोकना पड़ सकता है।

सरकार ने अपनी तरफ से कंपनियों को दिया सहारा

सरकार ने अपनी तरफ से कंपनियों को सहारा देने के लिए एक्साइज ड्यूटी (टैक्स) में बड़ी कटौती की है। पेट्रोल पर टैक्स 13 रुपये से घटाकर 3 रुपये कर दिया गया है और डीजल पर तो इसे 10 रुपये से घटाकर जीरो कर दिया गया है। इस कटौती से सरकार को भी हर महीने 14,000 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अब पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने का फैसला पूरी तरह सरकार के हाथ में है। घाटे को देखते हुए दाम बढ़ाना अब जरूरी लगने लगा है, लेकिन सरकार को इसके लिए सही समय और सही बढ़ोतरी का तालमेल बैठाना होगा। कंपनियों की माली हालत ठीक रहना देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है।

अशोक कुमार पंडा ने सेल के सीएमडी का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली, (हि.स)। डॉ. अशोक कुमार पंडा ने शनिवार को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में कार्यभार को संभाल लिया है। पांडा ने अमरेंदु प्रकाश की जगह ली, जिनका कार्यकाल 01 अप्रैल को समाप्त हो गया था। अशोक कुमार पांडा इससे पहले कंपनी के निदेशक (वित्त) के रूप में काम कर रहे थे। इस दौरान लगभग 9 महीनों तक उनके पास निदेशक (वाणिज्यिक) का अतिरिक्त प्रभार भी रहा। डॉ अशोक कुमार पांडा ने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी.ई. पूरा करने के बाद वर्ष 1992 में मैनेजमेंट ट्रेनी (तकनीकी) के रूप में सेल में अपने करियर की शुरुआत की थी। वे विगत 3 दशकों से अधिक की अपनी विशिष्ट सेवा, अटूट समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर वह कंपनी के भीतर नेतृत्व के उच्चतम स्तर तक पहुंचे हैं।

इस सप्ताह दो कंपनियों के आईपीओ की लॉन्चिंग, चार शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली, (हि.स.)

सोमवार यानी 11 मई से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह दो कंपनियां अपना आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। ये दोनों आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं।

इस सप्ताह मेनबोर्ड सेगमेंट का कोई आईपीओ नहीं खुलने वाला है। इन दो नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह खुले एक आईपीओ में भी इस सप्ताह निवेशक बोली लगा सकेंगे। ये आईपीओ भी एसएमई सेगमेंट का ही है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह चार कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इस सप्ताह के दूसरे दिन 12 मई को आरएफबीएल फ्लेक्सी पैक का 35.33 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 14 मई तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 47 रुपये से लेकर 50 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है।

शेयर बाजार में भूचाल..! टॉप 4 कंपनियों का मार्केट कैप 1 ट्रिलियन घटा

मुंबई, एजेंसी

पिछले कारोबारी हफ्ते शेयर बाजार में सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिला। इस दौरान देश की टॉप-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिलाकर करीब 1 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई को हुआ।

बीते हफ्ते एसबीआई के बाजार पूंजीकरण में 44,722 करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट आई। इसके बाद बैंक का कुल मार्केट कैप घटकर 9.41 लाख करोड़ रुपये रह गया। इसके अलावा भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) के वैल्यूएशन में भी कमी देखने को मिली। ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म के अनुसार भारतीय शेयर बाजार में पूरे हफ्ते उतार-चढ़ाव का माहौल बना रहा। शुरुआती कारोबारी सत्रों में मध्य पूर्व में तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी की उम्मीद से बाजार को सहारा मिला था, लेकिन बाद में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते निवेशकों का रुख सतर्क बना रहा, जिसकी वजह से बाजार में मजबूती टिक नहीं सकी।

जहां कुछ कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट आई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी जैसी कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी दर्ज की गई। इन छह कंपनियों ने मिलकर करीब 46,685 करोड़ रुपये का फायदा जोड़ा।

संक्षिप्त समाचार

मांडव में जुटे नर्मदा भक्त, संतों का लिया आशीर्वाद

मांडव (विनय उजाला),निप्र। अंतराष्ट्रीय संत बौद्धिक मंच जिला धार (म.प्र.) द्वारा 'नरेन्द्र मोदी विचार मंच' के तत्वावधान में 1 मई 2026 से प्रारंभ 'सम्पूर्ण माँ नर्मदा परिक्रमा' के उपलक्ष्य में मांडव में भव्य अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिक्रमा कर रहे स्वामी स्वदेशानंद गिरी महाराज, राष्ट्रीय अध्यक्ष, 'अंतरराष्ट्रीय संत बौद्धिक मंच' नर्मदा परिक्रमा के दौरान मांडव पहुंचे। गुरुजी ने चतुर्भुज श्री राम जी मंदिर में दर्शन-पूजन कर भगवान श्रीराम का आशीर्वाद लिया। इसके पश्चात सभी भक्तों ने मांडव स्थित पवित्र रेवाकुंड के दर्शन कर माँ नर्मदा की आराधना की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने मांडव के पीठाधीश्वर महंत श्री नरसिंह दास महाराज से सौजन्य भेंट की। महंत श्री ने सभी भक्तों को परिक्रमा की सफलता का आशीर्वाद देते हुए कहा कि माँ नर्मदा की कृपा से यह यात्रा लोक कल्याणकारी सिद्ध होगी। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष राजभाऊ भदौने, प्रदेश महामंत्री राजा चौहान, राधेश्याम कसरावदिया, महेशजी, ओमप्रकाश कुशवाह, धार जिला अध्यक्ष निगमजी, रविन्द्र परिहार, पवन कुशवाह, सोमनाथ तिवारी, राहुल सेन सहित बड़ी संख्या में नर्मदा भक्त, संत समाज और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि यह परिक्रमा भारत के आध्यात्मिक जागरण के साथ नर्मदा संरक्षण का संदेश भी देगी।

नेशनल लोक अदालत में कई पक्षकारों को मिला लाभ

पेटलावद,निप्र। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश एवं माननीय उच्च न्यायालय के नेतृत्व में मप्र की समस्त अदालतों में शनिवार 09 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसी क्रम में प्रधान न्यायाधीश झाबुआ आशिता श्रीवास्त के नेतृत्व में झाबुआ ,थांदला सहित पेटलावद के समस्त न्यायालयों में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। शनिवार को आयोजित हुई इस लोक अदालत का शुभारंभ अपर सत्र न्यायधीश ओमप्रकाश वोहरा ने विधि विधान से पूजन अर्चन कर दीप प्रज्वलन कर किया। शुभारंभ के अवसर पर सिविल जज वरिष्ठ खंड सोहनलाल भगोरा, नेहा मौर्य सोलंकी और सिविल जज वर्ग 2 प्रियम कुमार सक्सेना की गरिमामय उपस्थिति में लोक अदालत का शुभारंभ हुआ । अधिवक्ताओं ओर न्यायाधीशगणों की एक बैठक का भी आयोजन हुआ। लोक अदालत में चारों कोर्टों में अभिभाषकों के सहयोग और समझाइश के आधार पर कई सिविल, अपराधिक, क्लेम प्रकरणों का निपटारा करते हुए कई पक्षकारों को लाभान्वित किया गया।

ऑन लाइन बिक्री और नियमों के विरोध में केमिस्ट उतरेंगे मैदान में, 20 मई के राष्ट्रव्यापी बंद का किया समर्थन

धार,निप्र। दवा व्यापारियों ने अपनी मांगों को लेकर 20 मई को राष्ट्रव्यापी बंद का ऐलान किया है। यह निर्णय ऑल इंडिया आर्गेनाइजेशन ऑफ़ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के नेतृत्व में लिया गया है। इसमें थोक और फुटकर दवा व्यापारी स्वेच्छा से शामिल होंगे। उक्त हड़ताल का समर्थन धार के दवा व्यापारियों ने भी किया है। जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ अशोक शास्त्री व सचिव आशीष बांगर का कहना है कि बिना नियंत्रण के तेजी से बढ़ रही ऑनलाइन दवा बिक्री उनके उनके व्यवसाय के लिए बड़ा खतरा बन गई है। साथ ही इससे मरीजों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका आरोप है कि बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियाँ भारी छूट देकर दवा बाजार पर कब्जा जमाने का प्रयास कर रही हैं। जिससे छोटे व्यापारियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है। जिलाध्यक्ष डॉ. शास्त्री और सचिव बांगर ने भारत सरकार से मांग की है कि आनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण लगाने, अवैध प्लेटफॉर्मों पर रोक लगाने और केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए कुछ नियमों को वापस लेने की मांग की है। उनका कहना है कि इन नियमों के चलते व्यापारियों को कई व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अशोक शास्त्री ने कहा है कि जिले के सभी केमिस्ट साथी दिनांक 20 मई को अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रख कर इस राष्ट्रव्यापी महा बंद को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन दवा व्यापार की सुरक्षा और पारदर्शिता के लिए जरूरी है। इस लिए सभी से एकजुट होकर समर्थन देने की अपील की।

भारतीय जनता पार्टी की जिला बैठक संपन्न

सत्ता से पहले संगठन सर्वोपरि : मंत्री संपतिया उइके

विनय उजाला

आलीराजपुर, निप्र। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में आज जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों एवं दो दिवसीय आवासीय जिला प्रशिक्षण वर्ग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मंचासिन अतिथियों द्वारा भारत माता एवं पितृ पुरुषों के चल चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की गई।

कार्यक्रम की शुरुआत भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष मकू परवाल के स्वागत उद्‌बोधन से हुई। उन्होंने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। जिसके बाद पूर्व जिलाध्यक्ष किशोर शाह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल निर्वाचन परिणामों पर बधाई दे कर मजबूती से संगठन का कार्य करने की बात कही। वहीं जिला प्रभारी दिलीप पटोदिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती बूथ स्तर के सक्रिय कार्यकर्ताओं से ही संभव है। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने हेतु सभी कार्यकर्ताओं से समर्पण और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। अगले क्रम में संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत ने अपने उद्बोधन में संगठनात्मक अनुशासन, समन्वय एवं कार्य विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी मंडलों में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के निर्देश दिए। अंत में प्रभारी मंत्री संपतिया उइके ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 'सत्ता से पहले संगठन सर्वोपरि है। संगठन मजबूत होगा तो जनसेवा और विकास दोनों प्रभावी रूप से आगे बढ़ेंगे।' उन्होंने कार्यकर्ताओं से निरंतर जनता के बीच सक्रिय रहने एवं केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। विधायक प्रतिनिधि गोविंदा गुप्ता ने बताया कि सभी वक्ताओं ने राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान अंतर्गत दिए निर्देशानुसार आगामी दिनों में आयोजित होने वाले दो दिवसीय आवासीय 'जिला प्रशिक्षण वर्ग' को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण वर्ग में संगठन की कार्यप्रणाली, विचारधारा, सोशल मीडिया, बूथ प्रबंधन, सरकार की योजनाएं एवं जनसंपर्क जैसे विषयों पर अपेक्षित पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमें 12 सत्रों में विभिन्न अतिथि व्याख्याताओं द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। अंत में बैठक का समापन संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ। बैठक में संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, जिला प्रभारी दिलीप पटोदिया, भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष मकू परवाल, प्रभारी मंत्री संपतिया उइके, कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान, सांसद अनिता नागरसिंह चौहान, सहित जिले के समस्त पदाधिकारी, सभी मंडलों के अध्यक्ष, पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री रिंकेश तंवर ने किया वही आभार जिला महामंत्री राजू मुवेल द्वारा व्यक्त किया गया।

भाजपा कोर ग्रुप की बैठक सम्पन्न

जिला बैठक के बाद जिला कार्यालय पर भाजपा जिला कौर ग्रुप की बैठक भी सम्पन्न हुई, जिसमें प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत, जिला प्रभारी दिलीप पटोदिया, जिलाध्यक्ष संतोष मकू परवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष हजरीबाई खरत मौजूद रहे। कोर ग्रुप की बैठक में संगठनात्मक कई निर्णय लिए गए।

रानी काजल माता मंदिर पहुंचीं प्रभारी मंत्री सम्पतिया उइके, पेयजल एवं पहुंच मार्ग सुधारने के दिए निर्देश

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंत्री एवं आलीराजपुर की प्रभारी मंत्री सम्पतिया उइके ने आलीराजपुर जिले के सोंडवा विकासखंड स्थित रानी काजल माता मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं जिले की सुख-समृद्धि की मंगलकामना की। इस अवसर पर सांसद अनीता चौहान, कलेक्टर नीतू माथुर, जिला अध्यक्ष श्री मकू परवाल तथा जिला पंचायत अध्यक्ष हजरी बाई खरत भी उपस्थित रहीं। मथवाड़ स्थित रानी काजल माता मंदिर आदिवासी समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मान्यता है कि माता के दरबार में मांगी गई मन्नतें पूर्ण होती हैं। यह स्थल प्राकृतिक सौंदर्य से भी भरपूर है, जहां से मां नर्मदा के मनोहारी दर्शन होते हैं। मंदिर परिसर ऊंचाई पर स्थित होने और पेयजल व्यवस्था की कमी को देखते हुए प्रभारी मंत्री सम्पतिया उइके ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी श्री मेढा को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं के लिए शीघ्र समुचित पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि ऊंचाई पर आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही मंदिर तक पहुंचने वाला मार्ग कठिन होने पर प्रभारी मंत्री ने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को निर्देशित किया कि पहुंच मार्ग को सुगम एवं सुरक्षित बनाया जाए, जिससे श्रद्धालुओं की आवाजाही आसान हो सके। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मनोज गरवाल सहित प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

छात्र-शिक्षक सम्मान समारोह सम्पन्न

बाकानेर, निप्र (विनय उजाला)। श्री भागवत गीता समिति ग्राम चोटियाखेड़ी तहसील गंधवानी के तत्वावधान में विशाल छात्र-शिक्षक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसमें मुख्य अतिथि धार कलेक्टर राजीव रंजन ने क्षेत्र के 10वीं 12वीं बोर्ड के मेधावी छात्रों के साथ ही शिक्षकों का सम्मान किया। इस दौरान सर्वाधिक नंबरों से उत्तीर्ण निशा कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल की टॉपर ज्योति कंवार, सना, रूमिशा, मनीषा, राजनंदिनी, सब्नूर, खेमराज, हेमराज सहित 300 छात्र-छात्राओं को पुरस्कार शील्ड, श्रीफल, पेन डायरी, प्रशंसा पत्र देकर पुष्पमाला से सम्मानित किया। इस दौरान पानसेमल एसडीएम रमेश सिसोदिया, गंधवानी, मनावर एसडीएम प्रमोद गुर्जर, घुड़सल सरपंच मेहर सिंह अचाले मौजूद रहे। जनपद शिक्षा केंद्र गंधवानी के विकासखंड शिक्षा समन्वयक शिक्षक, पटवारी गंधवानी जनपद के कर्मचारियों और शिक्षक-शिक्षिका, प्राचार्य निशा खान को सम्मानित किया। कलेक्टर राजीव रंजन ने ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को सर्वाधिक अंकों से उत्तीर्ण होने के लिए बधाई शुभकामनाएं दी।

लूट के दो आरोपी सरदारपुर पुलिस की गिरफ्त में

ताराघाटी में हुई दिनदहाड़े लूट का चार दिन में किया खुलासा

विनय उजाला

धार,निप्र। जिले के सरदारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ताराघाटी में पिछले दिनों हुई सनसनीखेज लूट का पुलिस ने महज चार दिनों के भीतर मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। लूटी गई राशि में से 1.61 लाख रुपए नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

रविवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारुल बेलापुरकर ने प्रेसवार्ता के दौरान इस पूरे मामले का विवरण साझा किया। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों तक पहुँचने में सफलता प्राप्त की है।

यह वारदात 5 मई को घटित हुई थी। ग्राम चामझर के निवासी पप्पू अनारे अपनी पत्नी के साथ रिंगनोद से चांदी गिरवी रखकर 2.70 लाख रुपए लेकर लौट रहे थे। जब वे टांडा रोड स्थित वन चौकी के पास पहुंचे, तभी पीछे से आए बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक कर रोका। बदमाशों ने दंपति को धक्का देकर गिरा दिया और रुपयों से भरा बैग छीनकर जंगल के रास्ते फरार हो गए थे। वारदात की गंभीरता को देखते हुए सरदारपुर थाना प्रभारी अनिल कुमार जाधव और रिंगनोद चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक गुलाबसिंह भयड़िया के नेतृत्व में अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से तकनीकी और वैज्ञानिक जांच की। एक दिन पूर्व सटीक सूचना मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी कर गोकुल (पिता हरिसिंह, निवासी नयापुरा भीलखेड़ी) और मुकाम (पिता धनसिंह, निवासी कालीदेवी) को हिरासत में लिया। सघन पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

एएसपी बेलापुरकर ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। लूटी गई रकम का बाद में आपस में बंटवारा कर लिया गया था। गिरफ्तार आरोपियों के पास से वारदात में प्रयुक्त एक बाइक और 1 लाख 1 हजार रुपए नकद बरामद किए गए। जब्त सामान की कुल कीमत 1 लाख 61 हजार रुपए बताई गई है। मामले में शामिल चार अन्य बदमाश अभी भी फरार हैं।

महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती पर हुई बैठक

विनय उजाला

बदनावर,निप्र। हिंदुआ सूरज वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की 486वीं जन्म जयंती के अवसर पर राजपूत धर्मशाला बदनावर में समारोहपूर्वक कार्यक्रम एवं ट्रस्ट की वार्षिक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। ट्रस्ट के संरक्षक अध्यक्ष गिरीश प्रताप सिंह राठौर ने समाज को संबोधित करते हुए एकता एवं अखंडता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज की मजबूती के लिए संगठित रहना अत्यंत आवश्यक है।

युवा राजपूत संगठन के अध्यक्ष पोपसिंह राठौर (पप्पी बना) ने वार्षिक बजट प्रस्तुत किया। उन्होंने समाजहित में सक्रिय रहने का संदेश देते हुए कहा कि यदि अन्याय के खिलाफ लड़ नहीं सकते तो आवाज उठाइए, बोल नहीं सकते तो लिखिए और यदि यह भी संभव नहीं हो तो संघर्ष कर रहे लोगों का हौसला बढ़ाइए। एकता ही समाज की सबसे बड़ी ताकत है।

कार्यक्रम में महाराणा प्रताप ट्रस्ट के अध्यक्ष अंतर सिंह पवार, नारायण सिंह झाला, महेंद्र सिंह शक्तावत, लाखन सिंह चावड़ा, बापू सिंह यादव, राजेंद्र सिंह पवार, भगवान सिंह राठौर, दिलीप सिंह चौहान, गोपाल सिंह चंद्रावत, दशरथ सिंह डोडिया, मनोहर सिंह पवार, मांगू सिंह, टीकम सिंह डोडिया, अजेंद्र सिंह झाला, सोहन सिंह, राजवीर सिंह सोलंकी, जितेन सिंह देवड़ा, मदन सिंह देवड़ा, डॉ. कमल सिंह, कुलदीप सिंह, प्रेमसिंह डोडिया, बंटी बना, अविनाश सिंह राठौर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह पवार ने किया।

सर्किल 28 के कर्मचारियों का किया सम्मान

पेटलावद,निप्र। 01 मई से पूरे देश में जनगणना कार्य की शुरुआत हो चुकी है। इसी क्रम जिला कलेक्टर डॉ योगेश तुकाराम भरसट के नेतृत्व में पूरे जिले में भी जनगणना का कार्य चल रहा है, वहीं पेटलावद क्षेत्र में भी एसडीएम तनुश्री मीणा और तहसीलदार अनिल बघेल के मार्गदर्शन में कर्मचारियों द्वारा नियत समय पूर्व जनगणना कार्य का शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया है। सर्किल नं. 28 में प्राचार्य और सुपरवाइजर कल्पना अशोक वर्मा, प्रगणक रवि निनामा, मुकेश निनामा, अमन सोनी, आशीष निनामा, भेरूलाल मचार,राजू मेडा ने लगातार मेहनत करते हुए नियत समयावधि में जनगणना कार्य को पूर्ण किया। इस सराहनीय कार्य के लिए तहसीलदार अनिल बघेल, नायब तहसीलदार अंकिता भिड़े ने कल्पना वर्मा और समस्त कर्मचारियों को पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया।

यहां घूमने के लिए दो दिन भी कम पड़ते हैं.... तीन घंटे में मांडू घूम कर लौट रहे पर्यटक

कायाकल्प, संरक्षण की बाट जोह रहा बूढ़ी मांडव, नए कलेक्टर से लगी है आस

विनय उजाला

मांडू, निप्र। मांडू का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बूढ़ी मांडू, अपने कायाकल्प और संरक्षण की बाट जोह रहा है, तत्कालीन कलेक्टर आलोक सिंह और दूसरे तत्कालीन कलेक्टर प्रियंक मिश्रा भी चले गए। व्यवस्था जो कि त्यों है। नए कलेक्टर राजीव रंजन मीना आ गए, वह मांडू के पर्यटन को लेकर क्या कुछ करेंगे, यह तो वक्त बताएगा। एक महीने बाद मांडू का पर्यटन सीजन फिर शुरू होने वाला है, 15 जून से यहां बारिश शुरू हो जाती है। वन विभाग की परमिशन के रोडे के चलते, यह भी कुछ कर नहीं पा रहे हैं।

यहां वर्ष भर में 5 लाख से ज्यादा देसी विदेशी पर्यटक आते हैं, और उनकी मुख्य जिज्ञासा का मुख्य पर्यटन स्थल बूढ़ी मांडू उनकी पहुंच से दूर है। पिछले कई वर्षों से सरकार और शासन प्रशासन के दावे इसके कायाकल्प को लेकर आज तक मूर्त रूप नहीं ले पाए। पर्यटक यहां आते हैं इस जगह जाने की इच्छा जाहिर करते हैं पर रास्ता और वहां कोई व्यवस्था नहीं होने से वापस लौट जाते हैं। इसका कायाकल्प और संरक्षण नहीं हो पा रहा, देश और दुनिया में मांडू प्रसिद्ध है, लेकिन ये बहुत ही कम लोगों को जानकारी है कि एक बूढ़ी मांडू भी हुआ करती थी। 13वीं शताब्दी में प्रतिहारों के राज में जिले के नालछा विकासखंड के सोड़पुर के निकट घने जंगल में पुरानी मांडू में अभी भी शिवलिंग सहित कई महत्वपूर्ण प्रतिमाएं लावारिस अवस्था में हैं। कभी इस बूढ़ी मांडू के संरक्षण पर ध्यान नहीं दिया गया और यह स्थिति है कि वहां सब कुछ नष्ट हो चुका है। खासकर जंगल में जाने का रास्ता नहीं होने से यह बूढ़ी मांडू अतीत बनकर रह गई। आश्चर्य का विषय है कि मांडू नगरी से पहले जिले में एक और मांडू नगरी हुआ करती थी। जिसे मांडव्य भी कहा जाता था। चूंकि यह नगरी पुरानी हो गई तो इसे बूढ़ी मांडू कहा जाने लगा। पुरातत्व विभाग के पूर्व अधिकारी डॉ. देवी प्रसाद पांडे ने बताया कि 1988 में और 2022 से वर्तमान 26 तक बूढ़ी मांड के कायाकल्प को लेकर वन विभाग से पत्राचार भी किया जा चुका है, व्यापक स्तर पर कवायद करके मंदिरों के अवशेषों और उनकी मूर्तियों को धार के किले में लाया गया था। करीब 250 से ज्यादा प्रतिमाओं को मांडू के 56 महल और धार में सुरक्षित रखा गया। बूढ़ी मांडू का अपना एक इतिहास है। बताया जाता है कि 12वीं और 13वीं शताब्दी में परमारकालीन यहां शिव मंदिर हुआ करते थे।

क्यों पड़ा था इसका नाम बूढ़ी मांडू

दरअसल जिले की इस बूढ़ी मांडू में कभी चहल-पहल रहा करती थी। इसके बाद शाजियाबाद यानी वर्तमान मांडू की बसाहट हुई और बूढ़ी मांडू के कारण ही वर्तमान मांडू का नामकरण हुआ। यह जानकारी देते हुए इतिहासविद् विश्वनाथ तिवारी ने बताया कि इस स्थान को लेकर एक किंवदंती है कि शक्तिस्वरूपा माताजी ने वहां से ओंकारेश्वर से लेकर महाकालेश्वर तक कि यात्रा की थी। तब माताजी की बिंदी का अंश बूढ़ी मांडू क्षेत्र में गिरा था। तभी से यहां पर आराधनास्थली का विकास हुआ। श्री तिवारी ने बताया कि इस जगह के संरक्षण के लिए काम हो सकता है। अभी भी बड़ी गणेश प्रतिमा सहित अन्य प्रतिमाएं मौजूद हैं। जिन्हें संरक्षित किया जा सकता है। चूंकि यह स्थान वीरान और जंगल में है। इसलिए यहां पर ट्रैकिंग और एडवेंचर के तौर पर बड़ी संख्या में यहां पर्यटक आ जा सकते हैं। इसलिए यहां ध्यान देने की आवश्यकता है।

संरक्षण के अभाव में टूट रहीं मूर्तियां

बूढ़ी मांडू से हमें बरसों पहले मूर्तियां मिली थी जो किले में संरक्षित हैं। अभी वहां वन विभाग के रोडे के चलते यहां संरक्षण करने में परेशानी आ रही है।

– देवी प्रसाद पांडे, जिला पुरातत्व अधिकारी, धार

मुख्यमंत्री ने गुना में किया अडाणी समूह की सीमेंट फैक्ट्री का शिलान्यास

मप्र में उद्योगों की स्थापना पर जोर, युवाओं के लिए रोजगार प्राथमिकता : डॉ. यादव

विनय उजाला

आलीराजपुर,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सभी तरह के उद्योगों की स्थापना पर जोर दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार युवाओं के लिए रोजगार को प्राथमिकता देते हुए किसानों, महिलाओं और गरीबों के साथ सभी वर्गों के कल्याण के लिए सक्रिय है। पर्यटन और पशुपालन के क्षेत्र में प्रदेश महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त करेगा। गुना क्षेत्र में सीमेंट निर्माण इकाई से डेढ़ हजार लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। अडाणी समूह की ओर से 32 हैक्टेयर भूमि पर इस इकाई की स्थापना के फलस्वरूप 4 मिलीयन टन सीमेंट उत्पादन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को गुना जिले में अम्बुजा सीमेंट फैक्ट्री के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने औद्योगिक विकास, अधोसंरचनात्मक सुदृढ़ीकरण और रोजगार सृजन को नई गति देने के उद्देश्य से विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन विकास कार्यों से गुना जिले में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा आमजन

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी है विकास को रफ्तार : अदाणी
- प्रथम चरण में किया 1060 करोड़ रूपये का निवेश

को बेहतर सेवाओं का लाभ मिलेगा। प्रदेश का ग्वालियर और चंबल अंचल कभी डकैतों की गोलियों से गूंजता था, अब यहां विकास का परचम लहरा रहा है। अब यहां दस्युओं के स्थान पर प्रगति पहचान का माध्यम बनी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। सरकार जनहित के लिए निरंतर कार्य कर रही है। गुना अंचल के लिए आज होली और दीपावली के त्यौहारों की तरह उल्लास का वातावरण है। इस क्षेत्र में सिंचाई, पानी, बिजली के साथ सभी नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया गया है, जो आगे भी जारी रहेगा।

डॉ. यादव की महत्वपूर्ण घोषणाएं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक समय इस क्षेत्र के विकास के लिए सिंधिया परिवार द्वारा पहल की गई थी। अब केंद्र और राज्य सरकार मिलकर विकास को गति दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया द्वारा दिए

गए सुझावों को मानते हुए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। इनमें गुनिया नदी के पुनर्जीवन के लिए 80 करोड़ 22 लाख राशि का प्रस्ताव भारत सरकार की जल शक्ति योजना में भेजने, लक्ष्मण कोपरा से राम नगर टकोदिया तक पहुंच को आसान बनाने के लिए पार्वती नदी पर 42 करोड़ रुपए की लागत से ब्रिज निर्माण और गुना शहर के भुजारिया तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए 25 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत करने की घोषणा शामिल है।

खाद्य,नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण एवं गुना जिले के प्रभारी मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि प्रदेश में विकास का पहिया तीव्र गति से घूम रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग वर्ष के बाद कृषि वर्ष में प्रदेश में समृद्धि के प्रयास तेज किए हैं। परियोजनाओं के लिए जिन किसानों की भूमि ली जाएगी उन्हें चार गुना मुआवजा देने का निर्णय लिया गया। प्रदेश में भारत सरकार से अनुमति प्राप्त करने के बाद 78 लाख मीट्रिक टन के स्थान पर 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। किसानों को उनकी मेहनत की पूरी कीमत दी जा रही है। कार्यक्रम में जिले के विधायकगण और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

रोड शो में हुआ भव्य स्वागत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री सिंधिया के गुना आगमन पर रोड-शो में नागरिकों ने पुष्पहारों से भव्य स्वागत किया गया। स्थानीय नागरिक जिनमें युवा, व्यापारी वर्ग, महिला समाज, सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों का अभिवादन किया।

युवाओं को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना होगा : सिंधिया

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए मुख्यमंत्री डा. यादव परिश्रम और निष्ठा से कार्य कर रहे हैं। गुना के विकास के लिए नई दीप माला प्रज्वलित हो रही है। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि गुना क्षेत्र में सीमेंट इकाई की स्थापना एक ऐतिहासिक कदम है। यह कार्य बहुप्रतिक्षित था। उन्होंने लगभग सौ वर्ष पूर्व सिंधिया परिवार द्वारा इस क्षेत्र में किए गए औद्योगीकरण के प्रयासों का उल्लेख भी किया। सिंधिया ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार उद्योगों की स्थापना के लिए लगातार कार्य कर रही है, जिससे गुना के युवाओं को अन्य प्रांतों में रोजगार तलाशने नहीं जाना पड़ेगा। बहनों को भी लखपति दीदी बनाकर समृद्धि का लाभ दिलवाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि कोटा-बीना लाइन के दोहरीकरण, तात्या टोपे विश्वविद्यालय प्रारंभ करने की पहल, जल प्रदाय योजना और सिंचाई योजनाओं के क्रियान्वयन, गुना से देवास राष्ट्रीय राजमार्ग को चौड़ा बनाने के लिए 5 हजार करोड़ के व्यय, गुना के लिए 15 किलोमीटर लंबाई के बायपास जैसे कार्य आमजन को सुविधा प्रदान कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र में गुना - चाचौड़ा- राघोगढ़ क्षेत्र के किसान पंजाब की तरह पहचान बना रहे हैं।

मप्र में औद्योगिक क्षेत्र हो रहा सशक्त : प्रणव अदाणी

उद्योगपति प्रणव अदाणी ने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से विकास को नई रफ्तार मिली है। अधोसंरचना, लॉजिस्टिक, ट्रांसपोर्ट और अन्य सुविधाओं से मध्यप्रदेश में उद्योग क्षेत्र की मजबूती सुनिश्चित की जा रही है। पीएम गति शक्ति मिशन से औद्योगिक क्षेत्र का वातावरण सशक्त हो रहा है। गत वर्ष भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अदाणी समूह के चेयरमेन गौतम अदाणी ने एक लाख हजार करोड़ से अधिक निवेश का संकल्प व्यक्त किया था, जिसे साकार करने के लिए सीमेंट इकाई की आधारशिला रखी जा रही है। प्रथम चरण में एक हजार 60 करोड़ का निवेश किया जा रहा है, जो आगामी चरणों में तीन गुना से अधिक होगा। अदाणी ने मध्यप्रदेश में कटनी, कैमोर सहित अन्य क्षेत्रों में सीमेंट और अन्य इकाइयों की स्थापना की पहल की गई। समूह द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में भी प्रोजेक्ट अमल में लाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

सीएम ने 1857 के क्रांतिकारियों को किया नमन

भोपाल (विनय उजाला)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 1857 का प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम भारत की स्वाधीनता, स्वाभिमान और राष्ट्र चेतना का अमर अध्याय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने वाले सभी स्वातंत्र्य वीर सेनानियों के अदम्य साहस, बलिदान और उनकी राष्ट्रभक्ति को नमन किया है। उल्लेखनीय है कि 10 मई 1857 को मेरठ से प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत हुई थी। गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिए हमारे वीर क्रांतिकारियों ने एकजुट होकर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ शंखनाद किया था।

मुख्यमंत्री ने मातृ दिवस पर मातृ शक्ति को किया नमन

हमारे जीवन का मूल आधार है मां : डॉ.यादव

भोपाल (विनय उजाला)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मातृ दिवस पर प्रदेश की सभी मातृ शक्ति को नमन किया है। उन्होंने कहा है कि मां हम सभी के जीवन का मूल आधार है। माँ हमें संस्कार और सत्य एवं संघर्ष के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हम सभी पर माँ का आशीर्वाद हमेशा बना रहे, ऐसी मंगलकामनाएं की हैं।

सेमरी हरचंद सब स्टेशन पर तीसरा पॉवर ट्रांसफार्मर किया गया ऊर्जीकृत

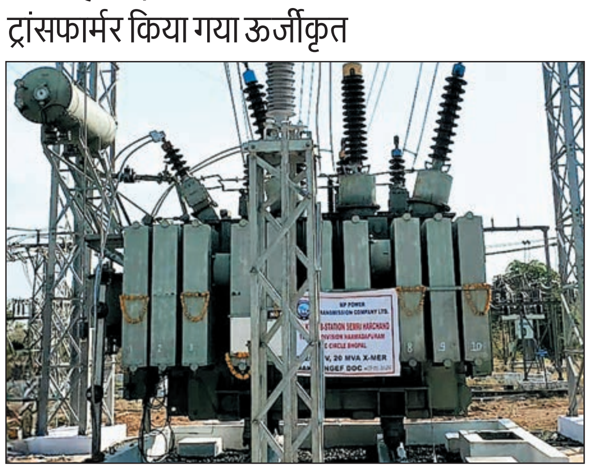

भोपाल,निप्र। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने नर्मदापुरम जिले की विद्युत पारेषण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए 132 केवी सब स्टेशन सेमरी हरचंद में तीसरे पॉवर ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊर्जीकृत कर दिया है। तोमर ने बताया कि इस पॉवर ट्रांसफार्मर के चालू होने से विश्व प्रसिद्ध मड़ई वाइल्डलाइफ अभयारण्य सहित सेमरी हरचंद सबस्टेशन से जुड़े अनेक ग्रामीण एवं कृषि उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण और मानक वोल्टेज पर अधिक विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति हो सकेगी। एमपी ट्रांसको के अतिरिक्त मुख्य अभियंता राजेश शांडिल्य ने बताया कि इस क्षमता वृद्धि के बाद सेमरी हरचंद सब स्टेशन की कुल ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढ़कर 100 एमवीए हो गई है। साथ ही नर्मदापुरम जिले की कुल स्थापित ट्रांसफार्मेशन क्षमता बढकर 2000 एमवीए के पार हो गई है। साथ ही 2015 एमवीए क्षमता के साथ जिले की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय बनेगी। एमपी ट्रांसको द्वारा नर्मदापुरम जिले में 220 केवी के तीन प्रमुख सब स्टेशन नर्मदापुरम, इटारसी, एवं पिपरिया तथा 132 केवी के छह सब स्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण किया जा रहा है। इनमें सेमरीहरचंद के अलावा पिपरिया, बनखेड़ी, सोहागपुर, मोहासा बाबई,एवं सिवनी मालवा सब स्टेशन शामिल हैं।

सड़क हादसे में ब्यौहारी भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष और उनके साथी का निधन

शहडोल, (हि.स.) । मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के ब्यौहारी क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में भाजपा युवा मोर्चा के करकी मंडल अध्यक्ष राहुल द्विवेदी और उनके साथी अतुल तिवारी की मौत हो गई। शनिवार देर रात शहडोल-रीवा हाईवे पर जोरा पुलिया के पास एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, टिहकी गांव निवासी राहुल द्विवेदी और अतुल तिवारी शनिवार रात झिरिया गांव में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के बाद देर रात जब वे बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी हाईवे पर किसी वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर मारने के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। रविवार सुबह जब राहगीरों ने सड़क किनारे क्षतिग्रस्त बाइक और दो शवों को देखा, तो तत्काल ब्यौहारी पुलिस को सूचित किया।

सीएम आज कूनो में दो मादा चीतों को जंगल में करेंगे मुक्त

बोत्सवाना से लाए गए चीतों ने पूरा किया क्वारंटीन, 'प्रोजेक्ट चीता' को मिलेगा नया विस्तार

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 मई सोमवार को श्योपुर में कूनो नेशनल पार्क के क्वारंटीन बाड़े से दो मादा चीतों को सुबह कूनो नदी के समीप स्थित साइट से खुले जंगल में मुक्त करेंगे। साथ ही कूनो नेशनल पार्क का भ्रमण भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दो चीतों को खुले जंगल में छोड़े जाने का यह कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट चीता' को नई गति प्रदान करेगा तथा भारत के वन्यजीव संरक्षण इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ेगा।

बोत्सवाना से लाए गए नौ चीतों ने अपनी क्वारंटीन अवधि सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली है। इसके बाद उन्हें छोटे बाड़ों में रखा गया था, ताकि वे स्वयं को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप ढाल सकें। अब इनमें से दो चीतों को पूर्णतः खुले जंगल में मुक्त किये जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रोजेक्ट चीता का उद्देश्य प्रदेश से लुप्त हुये चीतों की प्रजाति को पुनर्स्थापित करना, उनकी संख्या में वृद्धि करना और उन्हें स्वतंत्र रूप से शिकार और विचरण के लिए तैयार करना है।

फरवरी में बोत्सवाना से लाए 9 चीते

फरवरी 2026 के अंत में बोत्सवाना से नौ नए चीते कूनो नेशनल पार्क लाए गए थे। इनमें 6 मादा और 3 नर शामिल हैं। इन चीतों के आगमन के साथ भारत में चीतों की कुल संख्या, देश में जन्मे शावकों सहित, बढ़कर 57 हो गई है। यह 'प्रोजेक्ट चीता' के अंतर्गत तीसरा बड़ा अंतर्राष्ट्रीय चरण है। नामीबिया से 17 सितंबर 2022 को 8 चीते भारत लाए गए थे, जबकि वर्ष 2023 में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते कूनो पहुंचे थे। बोत्सवाना से आए चीतों को भारतीय वायुसेना के विशेष विमान के माध्यम से ग्वालियर लाया गया था। यहां से उन्हें हेलीकॉप्टर द्वारा कूनो नेशनल पार्क पहुंचाया गया। वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि बोत्सवाना से आए चीते अधिक जेनेटिक विविधता लेकर आए हैं, जिससे कूनो में चीतों की स्वस्थ और दीर्घकालिक आबादी विकसित करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों ने यह भी उम्मीद जताई है कि ये चीते कूनो के वातावरण में तेजी से घुल-मिल जाएंगे। इन चीतों को क्वारंटीन एवं अनुकूलन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद गांधी सागर एवं नौरादेही जैसे अन्य अभयारण्यों में भी बसाने की तैयारी की जा रही है। कूनो नेशनल पार्क देश में वन्यजीव संरक्षण और पारिस्थितिकी पुनर्स्थापना का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है।

मैपकास्ट में आज मनेगा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

27 प्रमुख शिक्षण संस्थानों के 250 से अधिक विद्यार्थी-शिक्षक होंगे शामिल

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मैपकास्ट) द्वारा सोमवार, 11 मई को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' का भव्य आयोजन किया जाएगा। विज्ञान भवन के मुख्य सभागार में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में भोपाल शहर के 27 प्रमुख शिक्षण संस्थानों के 250 से अधिक विद्यार्थी और शिक्षक सहभागिता करेंगे।

मैपकास्ट की 'विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लोकव्यापीकरण' योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार और तकनीकी जागरूकता को प्रोत्साहित करना है। परिषद के कार्यकारी निदेशक डॉ. विवेक कटारे और विज्ञान लोकव्यापीकरण योजना के प्रभारी डॉ. विकास शेंडे विद्यार्थियों से संवाद करेंगे और भारत द्वारा विकसित स्वदेशी तकनीक के महत्व पर प्रकाश डालेंगे।

ख्याति प्राप्त विशेषज्ञों का होगा मार्गदर्शन : कार्यक्रम में आधुनिक तकनीक और राष्ट्र निर्माण में विज्ञान की भूमिका पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध उद्योगपति व लाइफ कोच डॉ. राजीव अग्रवाल और मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट), भोपाल के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विजय भास्कर सेमवाल उपस्थित रहेंगे। विशेषज्ञों द्वारा नवाचार के नए आयाम और भविष्य की चुनौतियों पर जानकारी साझा की जाएगी।

मध्यप्रदेश में हुआ देश में सर्वाधिक दस लाख से अधिक किसानों से गेहूं उपार्जन

विनय उजाला

भोपाल, निप्र। देश में गेहूं उपार्जन के मामले में मध्यप्रदेश अब लगातार आगे बढ़ रहा है। इस वर्ष पंजाब के बाद सर्वाधिक गेहूं उपार्जन मध्यप्रदेश में होने जा रहा है। मध्यप्रदेश में अब तक 10 लाख से अधिक किसानों से 63 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। प्रतिदिन लगभग 5 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। शनिवार 9 मई को ही 4 लाख 86 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन हुआ है। उपार्जन की गति के दृष्टिगत स्पष्ट है कि 23 मई तक लगभग 100 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य को पूरा कर लिया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से 78 लाख मीट्रिक टन गेहूं के उपार्जन लक्ष्य को केन्द्र सरकार द्वारा 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। गेहूं का उपार्जन 23 मई तक किया जायेगा। अभी तक 14 लाख 83 हजार किसानों द्वारा गेहूं उपार्जन के लिये स्लॉट बुकिंग कराई जा चुकी है। किसानों को 11623.43 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री कर रहे हैं सतत निरीक्षण : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में हो रहे गेहूं उपार्जन की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। वे स्वयं खरीदी केन्द्रों का औचक निरीक्षण भी कर रहे हैं। उन्होंने स्वयं तौल व्यवस्था, बारदाने की उपलब्धता और खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिये उपलब्ध जरूरी सुविधाओं का आकस्मिक निरीक्षण भी किया है। साथ ही किसानों से संवाद कर उपार्जित गेहूं के भुगतान आदि के बारे में जानकारी ली जा रही है।

मध्यप्रदेश की बेटी ने विश्व मंच पर लहराया तिरंगा, नीरू ढंडा का आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में कमाल

ट्रैप मिक्स्ड टीम स्पर्धा में कांस्य जीतकर बढ़ाया देश-प्रदेश का गौरव

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित म.प्र. राज्य शूटिंग शॉटगन अकादमी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी नीरू ढंडा ने कज़ाकिस्तान के अल्माटी में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक अर्जित कर देश एवं प्रदेश का गौरव बढ़ाया। यह प्रतियोगिता 02 मई से 11 मई 2026 तक आयोजित की जा रही है।

ट्रैप मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत को कांस्य पदक : ट्रैप मिक्स्ड टीम स्पर्धा में भारत की ओर से मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग शॉटगन अकादमी की खिलाड़ी नीरू ढंडा एवं विवान कपूर की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय टीम ने मुकाबले में उत्कृष्ट निशानेबाजी का प्रदर्शन कर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत को पदक दिलाया। अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विश्व स्तरीय खिलाड़ियों की सहभागिता आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2026 में विभिन्न देशों के विश्व स्तरीय निशानेबाजों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उच्च स्तरीय प्रदर्शन करते हुए शूटिंग खेल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि ने मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग शॉटगन अकादमी की उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था एवं खिलाड़ियों की मेहनत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई।

खेल मंत्री सारंग ने दी शुभकामनाएँ : सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नीरू ढंडा को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीतना प्रदेश एवं देश दोनों के लिए गर्व का विषय है। मंत्री श्री सारंग ने विश्वास व्यक्त किया कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन करते रहेंगे। यह उपलब्धि प्रदेश में शूटिंग खेल के विकास, खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगी।

सिविल अस्पताल हजीरा, बिरला नगर सहित विद्युत केन्द्रों का लिया जायजा

ऊर्जा मंत्री ने देर रात किया विद्युत केंद्रों का औचक निरीक्षण

विनय उजाला

भोपाल,निप्र। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शनिवार देर रात अचानक निरीक्षण के लिए निकल पड़े। विद्युत उपकेन्द्र मोतीझील और बहोड़ापुर पहुंचे जहां उन्होंने विद्युत वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मेंटेनेंस, विद्युत सप्लाई और शिकायतों के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपकेंद्र कार्यालय का निरीक्षण किया तथा कर्मचारियों से बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हालात सुधार लें अन्यथा अगली बार सिर्फ चेतावनी नहीं दूंगा, सीधे कार्यवाही होगी।

ऊर्जा मंत्री तोमर रात में ही अचानक सिविल अस्पताल हजीरा पहुंचे। निरीक्षण के दौरान गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में गर्मी के बीच एसी बंद मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और अस्पताल प्रबंधन को एसी दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। मंत्री तोमर ने दो टूक कहा कि अति-संवेदनशील वार्डों में इस तरह की लापरवाही ठीक नहीं है। उन्होंने मौके से ही अस्पताल प्रभारी डॉ. प्रशांत नायक को फोन लगाकर तत्काल व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। मंत्री तोमर ने केवल मशीनों का ही नहीं, बल्कि मानव संसाधन का भी जायजा लिया। उन्होंने ड्यूटी पर मौजूद डाक्टर से सवाल किया

कि रात के समय अस्पताल में कितना स्टाफ तैनात रहता है। इमरजेंसी में बैकअप की क्या तैयारी है। क्या सभी जरूरी जीवन रक्षक दवाएं स्टाक में उपलब्ध हैं। ऊर्जा मंत्री तोमर ने अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया कि मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ऊर्जा मंत्री ने सिविल अस्पताल एवं प्रसूति गृह बिरला नगर का भी औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और उपस्थित चिकित्सकों व स्टाफ से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान ऊर्जा मंत्री ने वार्डों में जाकर उपचाराधीन मरीजों एवं उनके परिजनों से आत्मीय भेंट की। उनकी कुशलक्षेम और अस्पताल द्वारा दी जा रही सुविधाओं के संबंध में जमीनी हकीकत को जाना। साथ ही ऊर्जा मंत्री ने अस्पताल परिसर में स्वच्छता सुनिश्चित करने और मरीजों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को सुलभ, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता की सेवा और उनके स्वास्थ्य के प्रति हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

बिरला नगर प्रसूति गृह से ऊर्जा मंत्री मनोरंजनालय पार्क पहुँचे यहाँ की विद्युत, लाइटिंग एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए वास्तविक स्थिति का जायजा लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। आनंद नगर स्थित बड़ा पार्क तथा शील नगर (बहोड़ापुर) स्थित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पार्क का निरीक्षण कर रात्रिकालीन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान पार्क में प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, विनय मिश्रा द्वारा उषा प्रिंटर्स, तिलक मार्ग, अमला लाइन, आलीराजपुर से मुद्रित एवं 13/2, ब्लॉक सी, केशव नगर, आलीराजपुर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक श्रीमती शोभना मिश्रा, स्थानीय संपादक - श्रीमती दिव्या गुप्ता, फोन- फैक्स नं. 0731-2700552, मो. 9425910888, 8889766697, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा) पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। RNI. Reg. MPHIN/2019/78560